



१३६१४१८७

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 22]

No. 22]

नई विल्सनी, शनिवार, जून 3, 1989/ज्येष्ठ 13, 1911

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 3, 1989/JAISTHA 13, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation.**

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग) १

नई विल्सनी, 12 प्रैरिल, 1989

(आपकर)

का. आ. 1262.—प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 10 के खंड (23) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं व्यापार "कलकता जोरोट्स्ट्रियन
कम्पनीज रिलीजियम एंड चेटिटी फैब्रिय, कलकत्ता" को कर-निधारण
वर्ष 1988-89 तथा 1989-90 के लिए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ
अधिसूचित करनी है।

[म. 8335/का.म. 197/40/89-आ.कर(नि-1)]
दर्शीप सिंह, वि.का. अधिकारी

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 12th April, 1989

(INCOME-TAX)

S.O. 1262.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Calcutta Zoroastrian Community's Religious and Charity Funds, Calcutta" for the purposes of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No. 8335|F. No. 197|40|89-IT(AI)]

DALIP SINGH, Officer on Special Duty

S.O. 1263.—In exercise of powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Goa State Cooperative Bank Ltd. from the date of publication of this notification in the Official Gazette to 30th June, 1991.

[F. No. 6/2|89-AC]
P. K. TEJYAN, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 मई, 1989

का.पा. 1264—केन्द्रीय सरकार, नियर्ति (स्वास्थी नियंत्रण और निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स इंस्पेक्शन सर्वे एण्ड सर्विलेंस (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, 26-D/27, पार्क लेन, कलकत्ता-700016 को इससे उपाबन्ध भ्रान्तिकारी में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों के लिए इस भ्रान्तिकारी को उससे अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अवस्क के निरीक्षण के लिए इस अनुसूची के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के प्रधीन अधिकरण के रूप में मान्यता देती है और अधिकरण भैंगनीज तथा अवस्क के नियर्ति (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के उप नियम (4) के अन्तर्गत नियर्ति निरीक्षण परिषद्/अधिकरण द्वारा अपनाई गई निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए इस संबंध में दिल्ली में नामित किसी भी अधिकारी को प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पर्याप्त मुविधाएँ देगा।

[अनुसूची]

1. फैरोमेनीज के आतु मल सहित फैरोमेनीज
2. निस्तप्त ओक्सीमाइट सहित ओक्सीमाइट
3. भैंगनीज डायसाइट
4. कायथाइट
5. मिलिमेनाइट
6. सेकेन्ट्रिट जिंक सहित कर्चा जिंक
7. परिवस्थ और निस्तप्त मेनेमाइट महिन मैनेमाइट
8. बेराइटिस
9. लाल ओक्सीमाइट
10. पीला गैरिक
11. सेल्सेजी
12. स्परीथ (फैल्डस्पार)

[फाइल सं. 5(12) 88-ई आई एण्ड ई पी]

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 13th May, 1989

S.O. 1264.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of one year from the date of publication of this notification M/s. Delhi Test House Sohna Industrial Estate G. T. Karnal Road, Delhi-110033 as an agency for the inspection of the Minerals and Ores specified in schedule annexed hereto prior to export at Delhi subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Minerals and Ores (Inspection) Rules, 1965.

SCHEDULE

1. Ferromanganese, including ferromanganese slag.
2. Bauxite, including calcined bauxite.
3. Manganese dioxide.
4. Kyanite
5. Sillimanite
6. Zinc Ores, including zinc concentrates.
7. Magnesite, including dead burnt and calcined magnesite.
8. Barytes.
9. Red Oxide.
10. Yellow Ochre.
11. Steatite.
12. Feldspar.

[File No. 5(12)/88-EI&EP]

नई दिल्ली, 20 मई, 1989

का.पा. 1265.—केन्द्रीय सरकार, नियर्ति (स्वास्थी नियंत्रण और निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स इंस्पेक्शन सर्वे एण्ड सर्विलेंस (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, 26-D/27, पार्क लेन, कलकत्ता-700016 को इससे उपाबन्ध भ्रान्तिकारी में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों के लिए इस भ्रान्तिकारी के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए इस भ्रान्तिकारी के लिए इस भ्रान्तिकारी के अन्तर्गत नियर्ति निरीक्षण परिषद्/अधिकरण द्वारा अपनाई गई निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए इस संबंध में कलकत्ता में नामित किसी भी अधिकारी को निरीक्षण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पर्याप्त मुविधाएँ देगा।

[फाइल सं. 5(1)/88-ई आई एण्ड ई पी]

New Delhi, the 20th May, 1989

S.O. 1265.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of one year from the date of publication of this notification M/s. Inspection Survey and Surveillance (India) Pvt. Ltd., 26-D/27, Park Lane Calcutta-700016, as an agency for inspection of the Cast Iron Manhole Covers and Frames prior to export at Calcutta subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officer nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Cast Iron Manhole Covers and Frames (Inspection) Rules, 1971.

[File No. 5(1)/88/EI&EP]

का.पा. 1266.—केन्द्रीय सरकार, नियर्ति (स्वास्थी नियंत्रण और निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स इंस्पेक्शन सर्वे एण्ड सर्विलेंस (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, 26-D/27, पार्क लेन, कलकत्ता-700016 को इससे उपाबन्ध भ्रान्तिकारी में विनिर्दिष्ट अकार्बनिक रंग द्रव्य के नियर्ति के लिए इस भ्रान्तिकारी के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के प्रधीन अधिकरण के रूप में मान्यता देती है और अधिकरण अकार्बनिक रंग द्रव्य के नियर्ति (निरीक्षण) नियम, 1966 के नियम 4 के उप नियम (4) के अन्तर्गत नियर्ति निरीक्षण परिषद्/अधिकरण द्वारा अपनाई गई निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए इस संबंध में कलकत्ता में नामित किसी भी अधिकारी को निरीक्षण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पर्याप्त मुविधाएँ देगा।

अनुसूची

1. जिंक ओक्सीमाइट
2. लाल सीसा
3. सफेद सीसा

[फाइल सं. 5(11) 88-ई आई एण्ड ई पी]

S.O. 1266.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of one year from the date of publication of this notification M/s. Inspection Survey and Surveillance (India) Pvt. Ltd., 26-D/27, Park Lane, Calcutta-700016, as an agency for inspection of the Inorganic Pigments specified in Schedule annexed hereto prior to export at Calcutta subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officer nominated by the Export

Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the Certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Inorganic Pigments (Inspection) Rule, 1966.

SCHEDULE

1. Zinc Oxide.
2. Red Lead.
3. White Lead.

[File No. 5(11)/88-EI&EP]

का. प्रा. 1267.—केन्द्रीय सरकार, नियंत्रित (म्बालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 को उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसरी इन्स्पेक्शन सर्वे एंड सर्विसेंस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, 26/27, एरावालू चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-600001 को इससे उपाबन्ध अनुमूली में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-1 तथा 2) का नियंत्रित अनुमूली-I तथा अनुमूली-II में इस प्रधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अभिकरण के रूप में मान्यता देती है और अभिकरण खनिज तथा अयस्क ग्रुप-I तथा II के नियंत्रित (नियंत्रण) नियम, 1965 के नियम 4 के उप नियम (4) के अन्तर्गत नियंत्रित नियंत्रण परियोग/अभिकरण द्वारा अपनाई गई नियंत्रण पद्धति की जांच करते के लिए इस संबंध में मद्रास में नामित किसी भी अधिकारी को नियंत्रण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पर्याप्त सुविधाएँ देगा।

अनुमूली-I

1. मैग्नीज डायक्साईड रहित मैग्नीज अयस्क
2. कल्चा लोहा
3. फैरोमैग्नीज के धातुमन सहित, फैरोमैग्नीज
4. निस्लेज बाक्साईड सहित बाक्साईड

अनुमूली-II

1. मैग्नीज डायक्साईड
2. क्रोम संकेन्ट्रित सहित कल्चा लोहा
3. कायनाईट
4. मिलिमेनाईट
5. जिंक संकेन्ट्रित महिम कल्चा जिंक
6. निस्लेज तथा परिदृश्य मैग्नेसाईड सहित मैग्नेसाईट
7. बेराईटिस
8. लाल आक्साईड
9. पीला गैरीक
10. सेल्यूलरी
11. स्पॉटी (फेल्डस्पार)

[फाइल सं. 5(II)/88-ई आई एड ई पी]

ए. के. शौधरी, निदेशक

S.O. 1267.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of one year from the date of publication of this notification M/s. Inspection Survey and Surveillance (India) Pvt. Ltd., 26/27, Errabalu Chetty Street Madras-600001 as an agency for Inspection of Minerals and Ores (Group-I and II) as specified in Schedule I and Schedule-II annexed hereto prior to export at Madras subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officer nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of Inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Minerals and Ores-Group-I and Group-II (Inspection) Rules, 1965.

SCHEDULE I

1. Manganese Ore, excluding manganese dioxide.
2. Iron Ore.
3. Ferromanganese, including ferromanganese slag.
4. Bauxite, including calcined bauxite.

SCHEDULE II

1. Manganese Dioxide.
2. Chrome Ore, including chrome concentrates.
3. Kyanite.
4. Sillimanite.
5. Zinc Ores, including zinc concentrates.
6. Magnesite, including dead-burnt and calcined magnesite.
7. Barites.
8. Red Oxide.
9. Yellow Ochre.
10. Steatite.
11. Feldspar.

E

[File No. 5(1)/88/EI&EP]
A. K. CHAUDHURI, Director

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संत्रालय

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1989

का. प्रा. 1268 :—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में चाकू से हरियाणा राज्य में बड़ोली (करनाल) तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाईन इण्डियन ग्राहल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यह: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिलाने के प्रयोजन के लिए एतत्पुराना अनुमूली में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करते का अपना आवश्यक है।

अतः यह पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करते का अपना आवश्यक प्रस्तवाग्र घोषित किया है।

वशरों कि उक्त भूमि में द्वितीय कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिलाने के लिए आवेदन सक्षम अधिकारी, इण्डियन ग्राहल कार्पोरेशन लिमिटेड, पाईप लाईन्स, 270, मुमार नगर रोहतक को इस अधिसूचना की सारीज से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आवेदन करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की माफ़त।

[सं. प्रा-31015/6/88-भी.पार.-I]

अनुमूली

लहसुनील : अहानुरुग्ण जिला : रोहतक राज्य : हरियाणा

नाम गांव हृदयस्थ जमीन नं. शाखाकार

हृदयर भार. बैंगोटर

1	2	3	4	5	6
छारा	17	16	00	13	91
		17	00	13	92
		5993			
		18	00	01	26

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
छारा—(जारी)	17	5994				छारा—(जारी)	17	1741	00	12	65
	18		00	13	91		1766		00	03	53
	6719						1767		00	08	85
	19		00	08	05		1768		00	03	79
	6720						1769		00	12	64
	19		00	02	53		1984		00	02	53
	20		00	13	91		2115		00	26	56
	30		00	13	91		2125		00	32	98
	36		00	15	18		2135		00	13	92
	37		00	11	38		2136		00	07	59
	46		00	02	53		2139		00	08	85
	47/1		00	01	27		2140		00	10	12
	106		00	01	26		2196		00	29	09
	107		00	21	50		2190		00	01	27
	109		00	05	06		2194		00	08	85
	110		00	01	26		2196		00	13	91
	111		00	08	86		2198		00	25	29
	112		00	02	53		2200		00	01	26
	119		00	01	26		2213		00	10	97
	125		00	10	12		2214		00	03	80
	126		00	03	79		2215		00	16	44
	127		00	11	38		2224		00	01	26
	128		00	00	00		2241		00	08	85
	132		00	06	32		2246		00	03	79
	133		00	01	27		2247		00	13	91
	6726						2248		00	08	86
	138		00	10	12		2251		00	08	83
	137		00	10	12		2252		00	11	38
	139		00	12	65		2266		00	02	53
	140		00	01	26		2267		00	15	18
	1419		00	27	82		2268		00	10	12
	1594		00	22	76	मगरपुर	14	(3)			
	1595		00	06	32		19		00	02	53
	1596		00	06	52		20/1		00	07	08
	1598		00	15	18		21/1		00	04	55
	1617		00	11	38		21/2		00	05	82
	1618		00	10	12		(8)				
	1619		00	11	38		16		00	03	54
	1620		00	03	79		25		00	08	85
	1625		00	01	26		(9)				
	1627		00	13	91		1		00	11	38
	1631/2		00	03	85		10		00	11	38
	6712						11		00	11	38
	1632		00	10	12		20		00	08	09
	1634		00	17	70		21		00	02	03
	1689		00	05	06		(15)				
	1690		00	06	32		5/1		00	09	36
	1691		00	01	27		5/2		00	01	01
	1695		00	03	79		6		00	11	38
	1698		00	02	53		15/1		00	10	37
	1699		00	06	32		15/2		00	01	01
	1700		00	24	03		16		00	10	12
	1706		00	10	12		17		00	00	75
	1708		00	03	35		24/2		00	05	82
	1709		00	10	12		25		00	04	55

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
अगरपुर	14	(21)					14	(84)	00	01	01
	4/1		00	06	58			(86)	00	00	51
	4/2		00	02	28			(89)	00	00	51
	5		00	00	76			(95)	00	01	77
	7		00	10	37			(96)	00	01	26
	14		00	11	39			(98)	00	01	26
	17		00	11	38			(103)	00	01	01
	23		00	01	01			(106)	00	04	56
	24		00	10	62			(118)	00	01	01
	(26)							(125)	00	01	01
	3		00	06	83			(128)	00	00	51
	4		00	04	55			(138)	00	00	51
	7		00	00	00			(147)	00	01	01
	8		00	11	38	कुलताना	16	172	00	05	06
	13/1		00	02	00			174	00	16	44
	(26)							1738/			
	13/2		00	08	60			175	00	02	53
	18		00	11	38			186	00	20	23
	23		00	09	86			1777/			
	(34)							187	00	03	79
	2/2		00	04	05			288	00	13	91
	3		00	07	08			1887/			
	8		00	01	01			289	00	15	18
	9		00	10	37			1615/			
	12		00	11	38			290	00	10	12
	19/1		00	10	88			1616/			
	22		00	11	38			290	00	05	06
	(38)							1522/			
	1/1		00	00	25			292	00	02	53
	9/1		00	11	38			1523/			
	9/1		00	01	77			292	00	05	06
	9/2		00	04	05			293	00	05	06
	10		00	04	30			1618/			
	11		00	10	62			294	00	05	06
	12		00	00	76			1536/			
	20		00	11	38			295	00	10	12
	21		00	10	62			296	00	02	52
	(48)							297	00	13	91
	6		00	01	01			304	00	21	50
	15		00	07	08			305	00	06	32
	16		00	11	38			306	00	03	53
	25		00	10	88			320	00	16	44
	(49)							337	00	13	91
	1/1		00	11	38			338	00	00	00
	10		00	06	83			339	00	18	97
	11		00	04	05			389	00	12	64
	(52)							390	00	02	53
	5		00	11	38			407	00	12	65
	6		00	10	62			408	00	03	79
	14		00	02	78			551	00	02	53
	15		00	08	35			1087	00	07	59
	16		00	02	53			1088	00	00	00
	17		00	08	60			1089	00	07	59
	24		00	11	38			1094	00	06	32
	(60)							1095	00	15	18
	4		00	05	31			1098	00	03	79
								1099	00	06	32

1	2	3	4	5	6
क्षेत्राना		1100	00	01	27
		1102	00	17	70
		1105	00	15	18
		1112	00	12	65
		1115	00	11	38
		1175	100	10	12
		1176	00	10	12
		1178	00	01	26
		1253	00	01	26
		1254	00	10	12
		1255	00	07	59
		1273	00	01	26
		1175	00	02	53
		1276	00	06	32
		1277	00	05	08
		1280	00	03	79
		1281	00	03	79
		1282	00	06	32
		1319	00	01	26
	1744/				
	1320	00	12	65	
	1745/				
	1320/2	00	01	27	
	1321	00	06	32	
	1324	00	15	18	
	1386	00	03	79	
	1388	00	07	59	
	1391	00	08	85	
	1392	00	24	03	
	1393	00	13	91	
	1396	00	08	85	
	1402	00	12	65	
	1403	00	10	13	
	1404	00	03	79	
	1405	00	02	53	
	1406	00	01	26	
	1407	00	05	06	
	1413	00	10	12	
	1414	00	10	12	
	1415	00	02	53	
	4121	00	26	56	
	1422/1	00	06	32	
	1422/2	00	05	06	
	1423	00	13	91	
	1424	00	01	27	
	1447	00	01	26	

[सं. ग्र. - 31018/6/88ओ आर-1]

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 11th April, 1989

S.O. 1268.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Chaksu in the State of Rajasthan to Baholli (Karnal) in the State of Haryana, Pipeline should be laid by India Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline(s) it is necessary to acquire the right of user the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline(s) under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines, 270, Subhash Nagar, Rohtak.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal Practitioner

SCHEDULE

Tehsil : Bahadurgarh		Distt : Rohtak		State : Haryana	
Name of Village	No. Hadbast	Khasra No.	Area	Hec- tare	Arc Centi Arc
1	2	3	4	5	6
Chhara	17	16	00	13	91
		17	00	13	92
		5983	00	01	26
		18			
		5984	00	13	91
		18			
		6719	00	08	85
		19			
		6720			
		19	00	02	53
		29	00	13	91
		30	00	13	91
		36	00	15	18
		37	00	11	38
		46	00	02	53
		47/1	00	01	27
		106	00	01	26
		107	00	21	50
		109	00	05	06
		110	00	01	26
		111	00	08	86
		112	00	02	53
		119	00	01	26
		125	00	10	12
		126	00	03	79
		127	00	11	38
		128	00	00	00
		132	00	06	32
		133	00	01	27
		6726			
		137	00	10	12
		138	00	10	12
		139	00	12	65
		140	00	01	26
		1449	00	27	82
		1594	00	22	76
		1595	00	06	32
		1596	00	06	32

1	2	3	4	5	6	1	2	2	4	5	6
Chhara											
	17	1598	00	15	18		14	21	00	02	03
		1617	00	11	38		(15)				
		1618	00	10	12		5/1	00	09	36	
		1619	00	11	38		5/2	00	01	01	
		1620	00	03	79		6	00	11	38	
		1625	00	01	26		15/1	00	10	37	
		1627	00	13	91		15/2	00	01	01	
		1631/2	00	08	85		16	00	10	12	
		6712/					17	00	00	76	
		1632	00	10	12		24/2	00	05	82	
		1634	00	17	70		25	00	04	55	
		1689	00	05	06		(21)				
		1690	00	06	32		4/1	00	06	58	
		1691	00	01	27		4/2	00	02	28	
		1695	00	03	79		5	00	00	76	
		1698	00	02	53		7	00	10	37	
		1699	00	06	32		14	00	11	39	
		1700	00	24	03		17	00	11	38	
		1706	00	10	12		23	00	01	01	
		1708	00	08	85		24	00	10	62	
		1709	00	10	12		(26)				
		1741	00	12	65		3	00	06	83	
		1766	00	02	53		4	00	04	55	
		1767	00	08	85		7	00	00	00	
		1768	00	03	79		8	00	11	38	
		1769	00	12	64		13/1	00	02	78	
		1984	00	02	53	14	(26)				
		2118	00	26	56		13/2	00	08	60	
		2128	00	32	88		18	00	11	38	
		2135	00	13	92		23	00	09	86	
		2136	00	07	59		(34)				
		2139	00	08	85		2/2	00	04	05	
		2140	00	10	12		3	00	07	08	
		2186	00	29	09		8	00	01	01	
		2190	00	01	27		9	00	10	37	
		2194	00	08	85		12	00	11	38	
		2196	00	13	91		19/1	00	10	88	
		2198	00	25	29		22	00	11	38	
		2200	00	01	26		(38)				
		2213	00	18	97		1/1	00	00	25	
		2214	00	03	80		2/1	00	11	38	
		2215	00	16	44		9/1	00	01	77	
		2224	00	01	26		9/2	00	04	05	
		2241	00	08	85		10	00	04	30	
		2246	00	03	79		11	00	10	62	
		2247	00	13	91		12	00	00	77	
		2248	00	08	86		20	00	11	38	
		2251	00	08	85		21	00	10	62	
		2252	00	11	38		(48)				
		2266	00	02	53		6	00	01	01	
		2267	00	15	18		15	00	07	08	
		2268	00	10	12		16	00	11	38	
Agarpur	14	(3)					16	00	11	38	
		19	00	02	53		17	00	08	60	
		20/1	00	07	08		24	00	11	38	
		21/1	00	04	55		(60)				
		21/2	00	05	82		4	00	05	31	
		(8)					5	00	10	62	
		16	00	03	54		6	00	02	78	
		25	00	08	85		14	00	02	78	
		(9)					15	00	08	35	
		1	00	11	38		16	00	02	53	
		10	00	11	38		17	00	08	60	
		11	0	11	38		24	00	11	38	
		20	00	08	06		(84)				
							(86)				
							(89)				

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Agarpur	14	(95)	00	01	77	Kultana	16	1277	00	05	06
		(96)	00	01	26			1280	00	03	79
		(98)	00	01	26			1281	00	03	79
		(103)	00	01	01			1282	00	06	32
		(106)	00	04	56			1319	00	01	26
		(118)	00	01	01			1744/			
		(125)	00	01	01			1320	00	12	65
		(128)	00	00	51			1745/			
		(138)	00	00	51			1302/2	00	00	27
		(147)	00	01	01			1321	00	01	32
Kultana	16	172	00	05	06			1324	00	15	18
		174	00	16	44			1386	00	03	79
		1738/						1388	00	07	59
		175	00	02	53			1391	00	08	85
		186	00	20	23			1392	00	24	03
		1777/						1393	00	13	91
		187	00	03	79			1396	00	08	85
		288	00	13	91			1402	00	12	65
		1887/						1403	00	10	13
		289	00	15	18			1404	00	03	79
		1615/						1405	00	02	53
		290	00	10	12			1406	00	01	26
		1616/						1407	00	05	06
		290	00	05	06			1413	00	10	12
		1522/						1414	00	10	12
		292	00	02	53			1415	00	02	53
		5123/						1421	00	26	56
		292	00	05	06			1422/1	00	06	32
		293	00	05	06			1422/2	00	05	06
		1618/						1423	00	13	91
		294	00	05	06			1424	00	01	27
		1536/						1447	00	01	26
		295	00	10	12						
		296	00	02	52						
		297	00	13	91						
		304	00	21	50						
		305	00	06	32						
		306	00	02	53						
		320	00	16	44						
		337	00	13	91						
		338	00	00	00						
		339	00	18	97						
		389	00	12	64						
		390	00	02	53						
		407	00	12	65						
		408	00	03	79						
		551	00	02	53						
		1087	00	07	59						
		1088	00	00	00						
		1089	00	07	59						
		1094	00	06	37						
		1095	00	15	18						
		1098	00	03	79						
		1099	00	06	32						
		1100	00	01	27						
		1102	00	17	JO						
		1105	00	15	18						
		1112	00	12	65						
		1115	00	11	38						
		1175	00	10	12						
		1176	00	10	12						
		1178	00	01	26						
		1253	00	01	26						
		1254	00	10	12						
		1255	00	07	59						
		1273	00	01	26						
		1275	00	02	5332						
		1276	00	06							

[No. O. 31015/6/88-ORJ]

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1989

का.मा. 1269.—भारत सरकार के राजपत्र भाग-II, बाण्ड-3, उपखण्ड (II) विनांक 31 दिसम्बर, 1988 के पृष्ठ संख्या 4801 से 4870 पर का.मा. 3755 से 3764 के अन्तर्गत प्रकाशित भारत सरकार पैट्रोलियम मंत्रालय की भविष्यत्वांकन संस्था का.—31015/3/88 से क्रो.—31015/6/88क्रो. आर. I विनांक 15 दिसम्बर, 1988 के प्रधीन प्रकाशित अनुसूची में निम्नांकित उल्लेखित अनुक्रमणिका के अनुसार पढ़ें जावें।

तहसील—प्रामेर; जिला—जगपुर; राज्य—राजस्थान

क्र.सं.	गजट का पृष्ठनं.	लाइन नं.	कालम नं.	गलती जो पैसे पढ़ें छापी है	सुधार रिमार्क	6
1	2	3	4	5	7	
1.	4801	II 38			चालस	चाकमु
2.	"	II 39			क	के
3.	4802	II 48	2		494/51	494/5/1
4.	"	II 49	2		494/52	494/5/2
5.	4804	I 21	4	84	04	
6.	"	II 17	4	88	.09	
7.	"	II 28	4	59	09	
8.	"	II 48	2	590	599	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
9.	4804	II/52	4	08	09	53.	4817	II/18	3	05	00
10.	4805	I/1	1	--	लबाना (जारी)	54.	"	II/18	5	36	86
				619		55.	"	II/21	5	84	94
11.	"	II/9	4	18	16	56.	"	II/37	1	--	भाष्ट 116
12.	"	I/18	1	दीगुम	दीगुम	57.	1818	I/1	1	भावन	भावन (जारी)
13.	"	I/27	2	58	56	58.	"	I/2	5	86	04
14.	"	I/23	5	85	35	59.	"	I/31	4	01	10
15.	"	II/25	5	80	30	60.	"	II/14	5	98	86
16.	"	I/27	5	88	90	61.	"	II/15	2	928	938
17.	"	I/29	5	85	95	62.	"	II/40	2	2110	2113
18.	"	I/30	5	80	90	63.	"	II/50	5	95	96
19.	"	I/53	5	80	90	64.	4819	I/35	4	03	02
20.	"	II/12	5	00	80	65.	"	II/22	4	02	01
21.	"	II/19	4	08	06	66.	"	II/26	4	01	02
22.	"	II/35	4	08	06	67.	4820	I/1	1	--	भाष्ट (जारी)
23.	"	II/35	5	80	80						3010
24.	"	II/39	1	--	स्पारो 26	68.	"	I/6	1	--	वडोदा 349
25.	"	II/41	5	08	03	69.	"	I/13	2	405	400
26.	"	II/44	2	38	36	70.	"	I/16	2	406	405
27.	"	II/44	4	28	23	71.	"	II/48	2	107	1072
28.	4805	II/53	2	138	136	72.	"	II/49	4	00	06
29.	"	II/55	5	80	90	73.	4821	I/1	1	--	वागाबास
30.	4806	I/1	1	अच्छोल	स्पारी						प्रश्नियान
31.	"	I/10	1	रामपर उफे	रामपुरा उफे						(जारी)
				बनिया वाला	बनियाला						1086
32.	"	I/12	1	कलवाई	कालवाई						
33.	"	I/27	2	188/299	178/299						तहसील—शाहपुरा; जिला—जयपुर; राज्य—राजस्थान
34.	"	I/36	1	धुकलपुर	जुगलपुरा						
35.	"	I/47	4	38	39	74.	4826	I/1	1	मोहनपुर	मनोहरपुर
36.	"	II/1	1	जुगलपुरी	जुगलपुरा	75.	"	I/20	5	04	00
37.	"	II/19	1	चन्द्रवाजी	चन्द्रवाजी	76.	"	II/1	1	मोहनपुर	मनोहरपुर
38.	"	II/28	5	86	85	77.	"	II/36	1	निहारा	निठारा
39.	4807	I/1	3	0	1	78.	4827	I/1	1	निहारा	निठारा
40.	"	I/24	4	38	08						(जारी)
41.	"	I/23	5	60	65	79.	"	II/1	4	08	09
						80.	"	II/1	5	86	36
						81.	"	II/3	4	08	06
						82.	"	II/4	4	08	05
42.	4812	I/47	4	08	07	83.	"	II/5	5	88	90
43.	4813	I/15	5	15	45	84.	"	II/6	5	82	92
44.	"	I/1	1-	-	मानपुर कलां	85.	"	II/7	4	03	05
					(जारी) 487	86.	"	II/7	5	94	04
						87.	"	II/10	4	08	02
						88.	"	II/13	5	95	98
						89.	"	II/14	5	92	02
45.	4814	II/17	4	01	11	90.	"	II/17	2	100	190
46.	"	II/17	5	45	35	91.	"	II/17	4	08	03
47.	"	II/36	5	30	50	92.	"	II/17	5	18	12
48.	4815	3/0	2	3043	2043	93.	"	II/19	4	94	09
						94.	"	II/29	5	84	64
						95.	"	II/30	4	84	04
						96.	"	II/32	4	80	00
49.	4817	II/3	2	943	945	97.	"	II/35	5	18	19
50.	"	II/15	4	00	00	98.	"	II/37	4	85	05
51.	"	II/16	3	5	00	99.	"	II/40	4	08	00
52.	"	II/17	5	02	92	100.	"	II/43	5	88	06

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
101.	4817	II/45	5	88	08	152.	4834	II/18	4	03	13
102.	"	II/48	5	98	96	153.	"	II/8	5	91	98
103.	"	II/49	5	08	06	154.	"	II/20	2	631	638
104.	"	II/53	4	08	06	155.	"	II/23	2	640	643
105.	4828	I/38	4	31	11	156.	"	II/23	2	80	63
106.	"	I/40	5	41	31	157.	"	II/33	4	00	01
107.	"	I/45	5	—	24	158.	"	II/35	4	—	15
108.	"	II/2	5	94	04	159.	4835	I/2	5	90	96
109.	"	II/7	4	82	02	160.	"	I/8	1	01	01
110.	"	II/12	5	86	97	161.	"	I/24	2	432	422
111.	"	II/17	4	18	08	162.	"	I/24	5	06	66
112.	"	II/17	5	15	16	163.	"	I/38	2	रघुनाथपुरा	गोपनपुरा
113.	"	II/22	5	98	08					1013	1013
114.	"	II/23	5	39	30					1021	1031
115.	"	II/34	4	89	09	164.	"	I/43	2	—	—
116.	"	II/34	5	00	90	165.	"	I/50	5	82	92
117.	"	II/35	4	94	04	166.	"	II/28	2	1538	1539
118.	"	II/36	3	5	00	167.	"	II/32	2	1665	1565
119.	"	II/36	5	98	90	168.	4835	II/53	4	09	06
120.	"	II/41	5	80	90	169.	4836	I/15	2	004	094
121.	"	II/42	5	89	99	170.	"	I/24	1	—	10कल्पनापुरा
122.	"	II/44	5	08	96	171.	"	I/40	2	436	439
123.	"	II/51	5	48	40	172.	"	I/53	5	98	518
124.	"	I/11	2	1846	1860	173.	"	II/1	1	9उच्चरमुरा	10 कल्पनापुरा
125.	"	I/14	2	1884	1864	174.	"	II/2	1	—	11 खेड़ा
126.	"	I/18	2	1884	1964	175.	"	II/16	1	पूतली	राहेड़ा
						176.	"	II/17	1	—	पुतली 5
						177.	"	I/31	4	09	06
						178.	"	II/51	2	518	516
127.	4833	I/7	1	राजका बास	लाडाकाबास	179.	4837	I/31	5	15	18
128.	"	I/7	2	892	692	180.	"	I/51	1	वामदो	वामडो
129.	"	I/8	2	897	697	181.	"	II/16	2	520	520
130.	"	I/16	2	850	856	182.	"	II/14	5	05	03
131.	"	II/17	1	भावम	पावटा	183.	"	II/41	5	98	96
132.	4834	I/1	1	—	प्रागपुरा	184.	"	II/43	5	93	95
					(जारी)	185.	4838	I/5	5	00	50
					1634	186.	"	I/6	5	39	36
133.	"	I/19	2	1987	96	187.	"	I/7	5	95	94
134.	"	I/23	5	98	1887	188.	"	I/9	2	377	327
135.	"	I/45	2	768	368	189.	"	I/14	5	79	26
136.	"	I/49	5	6	86	190.	"	I/15	5	94	64
137.	"	I/51	4	18	15	191.	"	I/17	3	08	00
138.	"	II/1	5	—	82	192.	"	I/25	5	79	26
139.	"	II/62	5	00	08	193.	"	I/27	5	39	36
140.	"	II/15	5	09	06	194.	"	I/29	9	409	406
141.	"	II/3	2	19	519	195.	"	I/29	4	03	01
142.	"	II/4	2	22	522	196.	"	I/39	5	93	92
143.	"	II/4	4	8	18	197.	"	I/15	5	92	62
144.	"	II/5	2	—	523	198.	"	II/26	5	94	96
145.	"	II/5	5	80	88	199.	"	II/28	5	99	96
146.	"	II/9	4	0	10	200.	"	II/29	5	99	66
147.	"	II/10	4	02	01	201.	"	II/31	5	89	96
148.	"	II/13	4	80	00	202.	"	II/34	5	79	76
149.	"	II/13	5	98	96	203.	"	II/35	5	99	96
150.	"	II/14	4	45	15	204.	"	II/40	5	99	96
151.	"	II/17	4	00	01	205.	"	II/45	5	19	16

1	2	3	4	5	6	तहसील—सांगनेर	जिला—जयपुर	राज्य—राजस्थान
206.	"	II/45	5	19	16	250.	4854 I/28	4 17 12
206.	4839	I/1	1	--	सांगटेडा (जारी)	251. " I/31	2 857 827	
					962	252. " I/46	2 881 892	
207.	"	I/1	4	09	06	253. " I/46	5 88 98	
208.	"	I/2	5	99	66	254. " II/14	5 90 20	
209.	"	I/4	5	79	76	255. " II/15	5 20 90	
210.	"	I/5	4	09	06	256. " II/16	5 00 50	
211.	"	I/5	5	83	93	257. " II/22	2 399 389	
212.	"	I/9	4	022	07	258. " II/31	4 07 02	
213.	"	I/12	5	99	96	259. " II/46	2 295 293	
214.	"	I/14	5	12	12	260. " II/47	5 44 08	
215.	"	I/27	5	79	78	261. " II/48	2 88 298	
216.	"	I/38	4	02	01	262. " II/48	5 96 52	
217.	"	I/42	5	00	90	263. " II/50	2 301 308	
218.	4840	I/1	1	--	पनियापा (जारी)	264. " II/53	4 15 13	
					1833	265. " II/53	5 61 68	
	"	I/18	1	मोरदा	मोरदा	266. " II/12	5 00 50	
219.	"	II/2	2	579	576	267. 4855 I/18	5 2 52	
तहसील—बस्ती—जिला—जयपुर—राज्य—राजस्थान								
221.	4847	II/33	2	166	115	268. " तहसील—बहरोड़	जि.ला—अलवर	राज्य—राजस्थान
222.	"	II/54	5	86	55	269. 4857 I/43	5 54 44	
223.	4848	I/1	1	--	रत्नावता (जारी)	270. " I/56	5 18 16	
					63	271. " II/31	5 2 26	
224.	"	I/13	5	00	90	272. 4858 I/34	1 ढलवाड सखुनंद मोमनपुर	तलवाड सरबलंद मोमनपुर
225.	"	I/19	2	534	34	273. 4859 I/36	5 60 00	
226.	"	I/47	5	78	75	274. " II/37	5 90 96	
227.	"	I/52	1	भूरथल	कान्तरवास	275. " II/52	4 09 06	
				254	254	276. 4860 I/18	4 09 06	
228.	"	I/53	1	--	भूरथल 19	277. " II/2	2 631 621	
229.	"	II/21	5	85	65	278. " II/54	5 30 10	
तहसील—चाक्सू जिला—जयपुर राज्य—राजस्थान								
230.	4850	I/55	5	19	16	279. 4861 I/22	5 06 96	
231.	"	II/1	5	53	56	280. " I/45	5 02 62	
232.	"	II/6	5	83	93	281. " I/51	5 52 82	
233.	"	II/22	5	80	50	282. " II/9	2 338 238	
234.	"	II/24	5	18	16	283. " II/43	2 344/317 344/517	
235.	"	II/37	5	18	16	284. 4862 I/18	1 ससिडी ससेडी	
236.	"	II/40	5	82	52	285. " I/41	1 ससिडी ससेडी	
237.	"	II/43	2	1153	1155	286. " II/1	2 946 846	
238.	"	II/56	5	86	56	287. " II/14	2 1974 1074	
239.	4851	I/1	1	--	सीलकी	288. " II/37	1 चोलापचा जोनायचा	
					हुंगरी (जारी) 50	289. 4863 I/1	खुदे खुदे	
240.	"	I/25	2	141	144	290. " I/14	4 33 03	
241.	"	I/41	2	65	55	291. " I/15	4 25 23	
242.	"	I/9	5	68	66			
243.	"	II/19	5	89	80			
244.	"	II/27	2	84	82			
245.	"	II/47	5	1	18			
246.	"	II/53	5	8	85			
247.	"	II/54	5	8	88			
248.	4852	I/1	5	18	16			
249.	"	I/15	4	60	50			

[सर्वो 219/5/6/38-ओ आर-1]

ERRATUM

New Delhi, the 11th April, 1989

S.O. 1269.—In the schedule under notification No. O-31015/3/88 to O-31016/88 O.R.L. dated 15th December, 1988 of the Government of India, Ministry of Petroleum published in the Gazette of India Part II, Section 3, sub-sec-

tion (II) dated 31st December, 1988 at page nos. 4801 to 4870
vide S.O. Nos. 3755 to 4764 may be read as per the following :

[No. O-31015/6/88-OR-II]

Tehsil : Amber		Distt : Jaipur		State : Rajasthan		50.	I/6	1	Antola	Aantela
Sl. No.	Page No. of Gazette	Line No.	Col. No.	Wrong entry	To be read as	51.	I/7	4	04	05
1	2	3	4	5	6	52.	I/47	4	01	10
1.	4807	I/7	1	Amb̄er	Amber	53.	4825	I/1	—	Bagawasahiran-2040
1.	II/59	2	5039	5059	Tehsil : Shahpura	54.	4829	II/43	5	76 66
3.	II/53	4	01	10	55.	„	II/61	4	3	13
4.	4808	I/42	5	70	40	56.	4830	I/1	1	— Manoharpur
5.	II/57	4	06	05	57.	„	I/9	2	4365 4363	
6.	I/61	4	41	14	58.	„	I/45	2	6460 5460	
7.	II/1	2	636	656	59.	„	I/53	2	6587 5487	
8.	II/10	4	01	04	60.	„	I/64	4	08 06	
9.	U/33	4	03	05	61.	„	II/1	1	Hapohor-	
10.	„	II/40	4	01	10	62.	4831	I/1	1	Manoharpur
11.	„	II/61	4	09	07	63.	„	I/6	4	— Nethara-
12.	4809	II/52	4	05	04	64.	„	I/22	2	669 90
13.	4810	I/10	5	00	80	65.	„	I/49	5	1084 1048
10.	„	I/11	2	525	625	66.	„	II/5	2	56 58
15.	„	I/11	5	80	30	67.	4831	II/9	5	01
16.	„	I/55	2	544	944	68.	„	II/19	2	90 91
17.	„	II/14	2	1207	1201	69.	„	II/20	4	01 00
18.	„	II/34	2	1293	1295	70.	„	II/27	4	14 04
19.	4811	I/8 & 9	2	—	178/292	71.	4832	I/31	4	03 08
Between										
20.	„	3	—	0	72.	„	I/63	4	1 04	
21.	„	4	—	08	73.	„	I/15	4	49 40	
22.	„	5	—	00	74.	4832	II/27	4	02 00	
23.	„	I/21	2	2/134	2/15	Tehsil : Kotputli	Distt : Jaipur		State : Rajasthan	
24.	„	I/39	2	136	156	75.	4840	II/47	4	06 28
25.	„	I/38	2	153	155	76.	„	II/47	5	06 16
26.	„	I/41	5	00	50	77.	„	II/48	4	28 06
27.	„	I/42	2	155	160	78.	„	II/48	5	16 06
28.	..	I/58	1	Chandawaji	Chandawaji	79.	4841	I/6	5	00 04
29.	..	II/37	2	88	87	80.	„	II/48	1	03 05
Tehsil - Jamwa Ramgarh		Distt : Jaipur		State : Rajasthan		81.	4842	II/17	2	140 149
Tehsil : Jaipur		Distt : Jaipur		State : Rajasthan		82.	„	II/56	2	1153 1053
						83.	„	II/59	2	1961 1061
33.	4816	I/17	1	Jandoli	Jamdoli	84.	4843	I/1	1	Path-Govardhan-pura
34.	„	I/27	5	5	35	85.	„	I/2	2	240 1240
35.	..	I/28	5	04	05	86.	4844	I/24	5	77 72
36.	..	I/34	5	04	05	87.	„	I/64	5	04 14
37.	..	I/60	2	47.77	777	88.	4845	I/36	5	40 90
38.	..	II/60	2	220	2200	89.	4846	II/61	2	1924 1824
39.	..	II/6	4	00	03	90.	4847	I/1	1	Paryala Panyala
40.	4817	I/61	2	249	2249	91.	„	I/15	1	Horda Morda
41.	..	I/7	2	225	2251	Tehsil : Bassi	Distt : Jaipur		State : Rajasthan	
42.	..	I/7	4	00	05	92.	4849	I/39	4	20 02
Tehsil : Viratnagar		Distt : Jaipur		State : Rajasthan		93.	„	II/27	1	Bala Ki Kanar-Nagal-32
43.	4821	I/32	2	516	515	94.	„	II/132	5	30 50
44.	4822	I/1	1	—	Jawan-pura-1127	95.	4850	I/1	1	Burthal-222
45.	..	II/60	4	04	00	Tehsil : Chakesu	Distt : Jaipur		State : Rajasthan	
46.	..	II/62	4	00	04	96.	4852	II/39	5	60 06
47.	4823	I/1	1	—	Bhabhrū-2180	97.	„	—	—	—

1	2	3	4	5	6	7	8
97.	4852	II/57	3	1	00		
98.	4853	II/21	2	178	171		
99.	„	II/31	5	80	85		
		Tehsil-Sanganer	Distt-Jaipur	State-Rajasthan			
100.	4856	I/22	2	3			
		Tehsil-Bahawal	Distt-Alwar	State-Rajasthan			
101.	4864	II/50	2	441	431		
102.	4865	I/50	2	616	646		
103.	4866	I/1	1	—	Jaguwash-211		
104.	„	II/9	4	44	04		
105.	„	II/26	5	77	76		
106.	„	II/28	2	1126	1326		
107.	4868	I/63	2	138/339	188/339		
108.	4869	I/33	5	83	84		
109.	4870	I/1	1	—	Kankar-353		
110.	„	I/19	2	51	572		
111.	„	I/34	2	893	892		
112.	„	I/44	2	914	924		

[No. O-31015/6/88-OR-I]

नई दिल्ली, 11 मई, 1989

का. आ. 1270.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में छाकसू से हरियाणा राज्य में बहुली (करनाल) तक पैद्योलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन (पी.) इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

अब यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिलासें के प्रयोगम के लिए एतद्वादृ अनुमूली में धर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित करना आवश्यक है।

यतः अब पैद्योलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घास 3 की उपचारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अंजित करने का अपना आण्य एतद्वादृ धोषित किया है।

बास्ते कि उक्त भूमि में हितवद कोई व्यक्ति, उस भूमि के भीते पाइप लाइन बिलाने के लिए आधेप सक्षम अधिकारी, इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड पाइपलाइन्स 230, सुखाप नगर, रोहतक को इस अधिकृतना भी तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

बास्ते एसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनांटेट: यह भी कथम करेगा कि यो वह आहता है कि उसकी सुनवाई व्यतिगत ही या किसी विधि व्यवसायी की मति।

क्र. सं.	नाम संघीय किलोमीटर	हृदयस्त नम्बर	(मुख्यल किलो मी.)	अनुसूची जिला-महोलगढ़ राज्य-हरियाणा		
				सेक्टर	हृष्टपर	आर वर्ग मीटर
1.	छौकियाका	58	(8) 6	—	03	29
			7	—	03	29
			14	—	13	91
			17	—	02	78
			18	—	10	88
			22	—	03	29
			23/1	—	01	01
			23/2	—	09	11
			(16)			
			15	—	—	76
			16	—	11	63
			24	—	04	81
			25	—	07	84
			(17)			
			2/1	—	02	02
			2/2	—	10	88
			9	—	05	31
			10	—	08	09
			11/1	—	10	88

[सं. O-31015/6/88 घो. घार. -I]

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
			11/2	—	01	52			(38)				
			20	—	01	01			3	—	13	15	
			(21)						4	—	—	25	
			3/3	—	—	—			8	—	6	58	
			4	—	12	39			9	—	4	81	
			7	—	2	53			12	—	13	15	
			8	—	5	56			13	—	—	25	
			12	—	2	78			19	—	4	05	
			13	—	10	37			20/1	—	9	36	
			18	—	—	—			21	—	11	13	
			19/1	—	09	11							
			19/2	00	04	30			(65)				
			21	—	07	84							
			22	—	04	81			1	—	1	01	
			(29)										
			5	—	—	76			(66)				
			6	—	11	89							
			14	—	4	81			5/1	—	4	05	
			15	—	7—	33			5/2	—	7	08	
			17	—	13	15			6	—	5	56	
			18	—	—	—			(250)	—	1	52	
			23	—	11	13			(254)	—	1	52	
			24	—	2	53			(518)	—	—	51	
			(30)						(550)	—	1	26	
			1	—	13	66			(553)	—	1	26	
			10	—	01	52	3. नक्काशीगोदा	141	(3)	20	—	1	26
			(34)										
			2	—	03	29							
			3	—	10	62			(4)				
			9	—	13	66							
			11	—	08	09			16/1	—	5	82	
			12	—	05	31			16/2	—	5	56	
			20	—	09	86			24	—	1	52	
			21	—	—	51			25	—	10	88	
			(49)	—	02	28							
			(50)	—	01	52			(11)				
			(149)	—	—	51							
			(174)	—	01	01				4/1	—	1	26
										4/2	—	11	13
2. भारतवास	145	(11)								7	—	6	58
		21	—	1	52					8	—	6	58
		22/1	—	4	81					13	—	13	15
		22/2	—	5	82					18	—	3	04
		(30)								19	—	9	86
		1/1	—	10	88					(125)	—	1	52
		1/2	—	2	02								
		2/1	—	—	51								
		10	—	8	09		4. दान प्रावधानम्	140	(6)				
		23	—	1	52					17	—	5	31
		(31) 6	—	5	06					18	—	10	12
		15	—	10	62					22	—	1	52
		17	—	08	35					23	—	11	38
		24	—	11	69					(12)			
		26	—	2	78					15	—	—	—
		(37)											
		25	—	—	76					(13)			

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
2	--	12	39				14	--	05	06			
3	--	--	25				(46)	--	01	52			
9	--	8	09				(108)	--	--	70			
10	--	5	82					24	--	02	28		
11	--	13	66					25		08	85		
20	--	--	76				(8)	--	--	--			
(49)	--	1	01					4	--	13	41		
								7	--	8	60		
5. ठोठ बालका	139	(18)						8	--	5	82		
		19	--	--	25			12	--	--	25		
		21	--	6	07			13	--	12	90		
		22	--	6	32			18	--	1	77		
								19	-	10	88		
		(19)						22/1	--	1	52		
								22/2	-	1	01		
		1	--	13	91			(30)	-	1	26		
		10	--	6	58		7. हुमेनपुर	134	(2)				
									19	--	3	54	
		(20)						22/1	--	10	37		
								22/2	--	3	04		
		6	--	6	58			(14)					
		14	--	--	25				15/1	--	05	06	
		15	-	13	66			15/2	--	02	78		
		16	--	02	02				16	-	12	65	
		17	--	11	13				24	--	10	62	
		23	--	01	26				25	--	01	26	
		24	-	10	88				(15)				
									1/2	--	01	01	
		(32)							2/3	--	03	54	
		25	--	02	78				2	--	09	11	
									15	-	13	41	
		'(33)							11	--	05	82	
									(18)				
		3	--	13	15				3	--	02	02	
		8	--	07	33				4	--	11	13	
		9	--	06	32				7	--	00	25	
		11	--	--	26				8/1	--	5	31	
		12	--	13	15				(18)				
		19/2	--	01	77				8/2	--	07	59	
									13/1	--	04	81	
		(33)							19	--	02	78	
									21	--	09	86	
		20	--	11	38				(26)				
		21	--	10	88				5	--	--	51	
									6/1	--	06	58	
		(35)							6/2	--	08	35	
									14/2	--	03	79	
		1	--	--	--				15/1	--	09	36	
									17	-	13	41	
		(36)							23	--	08	09	
									24	--	03	54	
		5	--	13	41				(27)				
		6	--	5	56				1	--	09	61	
		7	--	10	62				10/1	--	--	50	

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
			(33)							2/2	-	01	01
			2/3	--	--	--			9/1	-	05	56	
			3	--	13	15			9/2	--	--	25	
			8/1	--	02	02			9/3	--	05	57	
			(33)						12	--	11	13	
			9/1	--	04	53			19	--	11	38	
			9/2	--	06	83			22	--	06	07	
			11	--	02	28			(26)	--	05	56	
			12	--	10	88			(42)	--			
			19	--	--	--			2	--	02	28	
			20	--	13	15			3	--	03	29	
			21	--	07	08			13	--	11	13	
			(34)						18	--	02	53	
			25	--	06	32			(303/2)	-	02	53	
			(38)						(478)	--	08	85	
			4	--	--	--	10. कान मारा	126	(7)				
			5	--	12	40			19/1	--	01	77	
			6	--	01	28			19/2	--	02	02	
			7		10	12			22/2	-	08	09	
			13/2	-	--	25			22/3	--	04	05	
			13/3	--	01	27			(9)				
			17/1	--	--	25			2/2	--	11	13	
			18/1	-	04	81			9/1	--	02	78	
			18/2	--	08	09			9/2	--	08	35	
			18/3	--	--	25			12	--	11	13	
			14	--	10	88			19	--	11	13	
			22/1	--	02	01			21	--	06	07	
			22/2	--	02	53			22	--	07	08	
			23	--	07	84			(15)				
			(46)						2	--	--	51	
			2	--	13	41			10	--	09	61	
			9	--	04	81			11	--	11	13	
			10/1	--	08	60			20	--	11	13	
			11/1	--	02	28			21/1	--	03	29	
			11/2	--	10	88			21/2	--	03	29	
			20/2	--	01	01			21/3	--	04	55	
			(47)						(19)				
			15	--	--	25			1	--	11	13	
			16	--	12	65			9/1	--	--	25	
			(60)	--	18	21			9/3	--	--	76	
			(70)	--	01	26			10/1	--	8	35	
			(73)	-	02	28			10/2	--	01	52	
			(155)	--	02	02			10/3	--	--	50	
			(163)	--	01	26			10/4	--	--	25	
			(171)	--	01	26			11	--	06	83	
8.	रामपुरा	132	(1) 18	--	02	28			(29)	--	6	58	
	ग-रास्ता		--	01	01				(39)	--	01	01	
9.	कुतुबपुर मीमा	131	(22)				11. पात्वाकास	117	(7)				
			11	--	--	76			24/1	--	06	07	
			12	--	--	76			24/2	--	03	04	
			19	--	06	07			25	--	04	05	
			20	--	03	04			(14) 4	--	11	38	
			22	--	11	13			7	--	09	86	
			(28)						8/1	--	01	26	
			2/1	--	05	56			13	--	07	59	

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
		14	--	04	05			14/2	--	01	01		
		17	--	--	51			15/1	--	06	83		
		18	--	11	13			15/2	--	01	26		
		23	--	11	12			16	--	03	54		
		(17)						17	--	07	08		
		3	--	10	12			24	--	11	13		
		8	--	11	13			25	--	00	25		
		13	--	11	13			(28)					
		18	--	10	12			4/1	--	04	30		
		23	--	11	13			4/2	--	06	58		
		(26)						7	--	11	13		
		2	--	--	76			14/1	--	04	30		
		3	--	10	62			14/2	--	06	83		
		8	--	01	52			17/1	--	02	02		
		9	--	--	50			17/2	--	04	55		
		12	--	5	56			(42)	--	02	28		
		(26)						(45)	--	01	52		
		13/1	--	2	28			(208)	--	01	27		
		13/2	--	01	26			(215)	--	01	01		
		18	--	04	81			(221)	--	--	25		
		26	--	08	09		13. गोक्कल गढ़	119					
		(40)	--	01	52			(21)					
		(44)	--	03	03			24	--	04	30		
		(46)	--	01	77			(22)					
		(186)	--	01	01			3	--	09	61		
		(187)	--	01	01			4	--	--	51		
		(188)	--	01	02			8	--	08	85		
								(44)					
								18	--	--	25		
12. पुर्णिमा	116	(4)						22	--	09	61		
		21	--	12	65			(46)					
		(12)						2	--	11	38		
		6	--	--	76			9	--	11	13		
		15/1	--	--	50			12	--	11	13		
		15/2	--	03	04			19	--	11	13		
		16/1	--	04	05			22	--	11	13		
		16/2	--	03	03			(74)					
		25	--	11	13			1/3	--	01	26		
		(13)						2	--	09	11		
		1	--	06	07			9	--	06	07		
		10	--	11	13			10	--	05	56		
		11	--	07	08			11	--	08	60		
		20	--	04	04		12/1	12/1	--	02	53		
		21	--	--	25			20	--	10	12		
		(17)						(201)	--	01	26		
		5	--	10	88			18	--	01	77		
		6	--	11	13			23	--	03	79		
		15	--	06	58			(33)	--	01	01		
		16	--	14	16			(85)	--	05	82		
		25/1	--	08	35			(75)	--	02	02		
		25/2	--	01	77			(81)	--	01	26		
		(24)											
		4	--	01	77		16. लक्ष्मी	220	(1)	--			
		5	--	08	34			16	--	10	12		
		6/2	--	09	11			25	--	11	13		
		7	--	--	51			(8)					
		14/1	--	04	30			5	--	11	13		

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
			6	—	10	88				(39)			
			7	—	—	51				3/2	—	07	33
			14	—	06	07				3/3	—	04	05
			15	—	05	06				8	—	11	38
			17	—	11	13				9	—	—	—
			24	—	11	13				12	—	08	60
			(10)							13	—	07	34
			4	—	10	62				19	—	05	56
			7	—	11	13				20	—	06	07
			12	—	—	25				21	—	04	55
			13	—	14	67				(46)			
			14	—	03	78				4	—	08	60
			18	—	02	78				5	—	03	54
			19	—	13	66				6	—	—	25
			20	—	01	01				7	—	09	61
			21/1	—	—	51				14	—	11	64
			21/2	—	5	56				17	—	11	13
			22	—	03	54				24	—	11	13
			(21)							(58)			
			1	—	11	13				4	—	11	13
			10	—	11	38				7	—	11	13
			11	—	11	38				14	—	11	13
			20	—	7	08				17	—	09	11
			21	—	—	51				15	—	07	08
			(22)							16	—	01	77
			16	—	04	55				(106)	—	01	77
			25	—	10	88				(298)	—	01	01
			(23)										
			5/1	—	04	05	17. शिक्षात्मक	221		(5)			
			5/2	—	05	56				10	—	05	56
			6	—	11	38				11	—	11	13
			14	—	02	78				20	—	11	13
14. भास्कर	114	(220)	—	02	53					21	—	11	12
		(221)	—	12	65					(11)			
		(222)	—	08	85					5	—	03	04
		(223)	—	15	18					6	—	09	10
		(224)	—	17	70					15	—	10	12
		(225)	—	17	70					(12)			
		(226)	—	06	32					1	—	04	05
15. गिर्वाल	113	(18)								10/1	—	02	28
		16	—	02	32	18. शेखपुर-	224			(268)	—	01	01
		17	—	06	83	शिक्षात्मक				(2)			
		24	—	11	38					20	—	07	84
		(22) 4	—	11	38					(12)			
		7	—	11	38					16	—	02	53
		13	—	03	04					25	—	09	11
		14	—	08	60					(13)			
		17	—	02	02					1	—	11	3
		18	—	09	36					10	—	11	3
		23/1	—	01	26					11	—	10	62
		23/2	—	10	12					20	—	08	60
		(38)								21/1	—	02	53
		24	—	—	51					(20)			
		25	—	14	42					5	—	11	38
										6	—	11	38

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
			15	—	11	13	10.	मुस्लिमपुर	256	(3)	—	—	—
			16	—	11	13				10	—	03	79
			24/2	—	—	25				11	—	—	—
			24/3	—	—	51				(4)			
			24/4	—	01	26				6	—	07	59
			25	—	09	11				15/1	—	03	29
			(26)							15/2	—	05	82
			4	—	07	59				16	—	11	12
			5	—	03	54				25	—	10	11
			7	—	10	88				(5)			
			14	—	11	13				5	—	11	12
			17/1	—	01	26				6	—	11	12
			17/2	—	09	86				14	—	02	53
			24	—	11	13				15	—	08	60
			(32)							16	—	02	53
			3	—	—	25				17	—	08	60
			4	—	10	12				24/1	—	01	01
			7/2	—	07	59				24/2	—	09	86
			8	—	03	54				(16)			
			13	—	07	33				4/1	—	03	54
			14/2	—	1	01				4/2	—	02	53
			18	—	11	38				7	—	11	13
			23	—	11	13				14	—	11	13
			(36)							17	—	08	60
			3	—	11	13				18	—	02	53
			8	—	11	13				23	—	08	09
			12	—	02	78				24	—	03	04
			13/1	—	05	56				(19)			
			13/2	—	01	26				3	—	11	13
			18	—	03	04				8	—	10	12
			19	—	08	09				13	—	11	13
			22/1	—	01	01				23	—	11	13
			22/2	—	08	60				18	—	11	13
			(42) 3	—	10	12				(34)			
			3/1	—	—	—				2	—	03	04
			9	—	09	87				3	—	08	09
			12	—	11	13				8	—	02	53
			19	—	09	86				9	—	08	60
			20	—	01	27				12	—	11	13
			21	—	06	58				19	—	11	13
			22	—	04	55				22	—	11	13
			(46)							(39)			
			1/1	—	04	05				2	—	11	13
			1/2	—	07	08				9	—	10	12
			2	—	—	—				11/1	—	02	28
			10/1	—	01	77				11/2	—	03	29
			10/2	—	03	04				12	—	05	56
			(62)							19	—	01	5
			2	—	01	26				20	—	09	61
			(57)	—	2	78				21	—	05	06
			(60)	—	03	04				(61)	—	01	78
			(62)	—	01	26				(223)	—	01	01
			(244)	—	—	51				(227)	—	01	01
			(253)	—	—	76							
			(254)	—	—	25							
			(351)	—	—	25							

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
20.	दैत्यारिपनपुर	255	(7)							19/1	—	01	25
			18	—	—	25				19/2	—	—	51
			19	—	08	60				22/1	—	02	78
			22	—	11	13				22/2	—	04	81
			(21) 2	—	10	62				23/1	—	02	77
			9	—	11	13				23/2	—	01	52
			12		11					(42)			
			19	—	10	87				2	—	10	88
						13				9/1	—	04	30
			20	—	04	55				3	—	—	25
			21	—	04	56				9/2	—	06	83
			22	—	06	58				12/1	—	07	84
			(22)							12/2	—	03	29
			1	—	10	12				19	—	11	13
			2	—	01	26				21	—	—	—
			10/1	—	10	12				22	—	11	13
			11/1	—	—	76				(53) 1	—	03	54
			11/2	—	10	13				2	—	07	56
			20	—	11	13				9	—	01	26
			21	—	09	86				10	—	08	09
			(38)							11	—	08	85
			1							20	—	11	13
			(39)	—	—	76				21	—	07	33
			5	—	10	12				(60)			
			(67)	—	01	26				1	—	11	13
			(180)	—	01	01				10	—	11	13
			(278)	—	01	01				11	—	07	08
21.	गोदावरी	230	(11)							20	—	01	77
			25	25	05	31				(61)			
			(12)	—	—					15	—	04	05
			12/1	—	—	76				16/1	—	06	57
			(14)							16/2	—	01	52
			5	—	11	13				25	—	11	13
			6	—	11	13				(70)			
			15	—	10	37				5	—	11	13
			16	—	11	12				6	—	11	13
			25	—	10	37				15	—	11	13
			(23)							16	—	10	37
			4	—	06	07				17	—	—	76
			5	—	06	07				24	—	05	56
			6	—	00	76				25	—	05	56
			7	—	10	88				(83)			
			14	—	11	13				4	—	10	62
			17	—	11	13				5	—	—	51
			24	—	10	37				7	—	10	37
			(26)							14	—	11	13
			4	—	11	13				17	—	11	13
			7	—	10	12				24	—	11	13
			8	—	01	52				(90)			
			13	—	06	57				3	—	3	04
			14	—	04	55				4	—	8	09
			17	—	—	25				7	—	3	04
			18	—	10	87				8	—	8	09
			23	—	11	13				9	—	11	13
			(37)							13	—	11	13
			13	—	11	13				18	—	11	13
			18	—	03	04							

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7	
			23	—	11	13		24.	पाल्हाचास	236	(53)	—	02	28
			(100)	—						(15)	—	11	13	
			3	—	11	13				16/2	—	11	13	
			8	—	10	37				25/1	—	11	13	
			9	—	—	51				(63)				
			12	—	06	07				4	—	—	76	
			13	—	05	06				5	—	—		
			18	—	—	76				6	—	05	56	
			(107)	—	06	07				7	—	05	56	
			(114)	—	—	76				14	—	10	62	
			(118)	—	01	52				—	—	—	51	
			(560)	—	01	52				17	—	11	13	
			(567)	—	—	76				24	—	11	13	
			(593)	—	02	02				(78)				
			(609)	—	03	01				4	—	10	12	
			(625)	—	—	51				7	—	11	13	
2-. Bad Basota			(55)								13	—	01	01
			3	—	08	85				14/1	—	07	84	
			8	—	11	13				23	—	10	88	
			13	—	04	55				24/1	—	—	25	
23. Rasulpur	234		(6)								(91)			
			22	—	01	26				3/1	—	03	54	
			23/1	—	02	53				3/2	—	05	06	
			(8)							8	—	09	35	
			(2)	—	08	09				9	—	—	76	
			3	—	02	53				13/1	—	01	26	
			8	—	—	50				13/2	—	09	36	
			9	—	10	88				18	—	11	13	
			12	—	11	13				22	—	—	51	
			19	—	10	12				23	—	04	05	
			22	—	05	31				(121)	—	02	53	
			(19)							(658)	—	—	51	
			2	—	09	85				(661)	—	01	01	
			9	—	09	11				(662)	—	01	01	
			10/1	—	01	26				(667)	—	01	01	
			10/2	—	01	01				11/1	—	03	54	
			11/1	—	03	54	25. भाग	238		(13)	—	—	—	
			11/2	—	04	81				16	—	—	—	
			20	—	11	13				25	—	02	53	
			21	—	11	13				(14)				
			(22)							10	—	09	86	
			1	—	11	13				11	—	11	13	
			10	—	11	13				20	—	10	88	
			11/1	—	10	88				21	—	08	60	
			20/2	—	06	83				(15)				
			21/1	—	01	77				1/1	—	—	76	
			(23)							1/2	—	—	51	
			15	—	—	25				(16)				
			16	—	04	05				5/1	—	02	53	
			25	—	03	55				5/2	—	06	07	
			(33)	—	01	77				6	—	10	37	
			(43)	—	01	26				15	—	07	59	
			(67)	—	04	55								
			(135)	—	03	79								

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
26.	पाहाड़जवास	239	(20)							7/1	—	09	61
			7	—	07	84				7/2	—	01	52
			14/1	—	08	35				13	—	01	26
			14/2	—	02	78				14	—	09	86
			24	—	11	13				17/1	—	03	05
			(21)							17/2	—	01	01
			4	—	11	13				18/1	—	03	54
			7	—	07	08				18/2	—	03	54
			8	—	04	05				23/2	—	04	55
			13	—	11	13				23/1	—	06	58
			18	—	11	13				24/1	—	—	25
			23	—	11	13				(145)			
			(36)							3	—	11	13
			3/1	—	06	58				8	—	11	13
			3/2	—	03	04				13	—	04	56
			8	—	08	85				18	—	02	02
			9	—	02	53				23/1	—	02	02
			12	—	09	11				23/2	—	07	34
			13/1	—	01	26				(151)			
			13/2	—	—	76				2	—	10	37
			19	—	08	09				3	—	01	01
			22	—	12	39				9	—	11	13
			(37)							12	—	11	38
			2	—	11	13				19	—	11	38
			9	—	11	13				22	—	11	13
			11	—	01	77				(177)			
			12	—	09	36				1	—	05	06
			19	—	04	05				2	—	06	07
			20	—	07	08				9/2	—	—	76
			21	—	10	88				10	—	10	37
			22	—	—	25				11	—	11	38
			(45)							20	—	11	38
			1	—	01	26				21/1	—	03	04
			2	—	02	53				21/2	—	08	09
			(58)	—	01	77				(183)			
			(62)	—	01	77				5/1	—	—	51
			(101)	—	08	60				6/1	—	08	10
										15/2	—	10	62
										15/3	—	—	76
										16	—	11	38
27.	गुराबड़ी	245	(51)							25	—	11	38
			18	18	—	25				(184)			
			23	—	01	77				1/1	—	06	07
			(111)							1/2	—	01	52
			5/2	—	04	30				10/2	—	03	04
			6	—	07	58				(204)			
			7	—	03	54				4	—	01	77
			14/1	—	07	08				5	—	12	39
			14/2	—	02	28				(244)	—	01	26
			15/1	—	01	52				(245)	—	02	53
			17	—	11	38				(248)	—	—	50
			24/1	—	09	11				(253)	—	—	25
			24/2	—	02	02				(874)	—	01	01
			(114)							(883)	—	03	54
			4/1	—	04	55				(920)	—	12	90
			4/2	—	05	31							

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
28. हसावास	240	(9)					28. हसावास(आरी)		1 1/2	--	01	52	
		19/2	--	09	86				20	--	10	12	
		21	--	04	30				21	--	09	36	
		22	--	06	83				26	--	06	83	
		(10)							(50)				
		1/2	--	10	88				10	--	03	54	
		2	--	--	25				10/1	--	--	--	
		10	--	11	13				(51)				
		11	--	11	13				5	--	07	84	
		20/2	--	03	79				6	--	11	13	
		(11)							15	--	11	12	
		16	--	06	58				16	--	11	13	
		25/1	--	03	54				(62)				
		25/2	--	03	79				4	--	07	08	
		(22)							(101)	--	03	54	
		5	--	10	12				(110)	--	01	52	
		6/1	--	05	31				(111)	--	01	51	
		6/2	--	04	81				(112)	--	01	52	
		7/2	--	01	52				(264)	--	01	01	
		14	--	09	86				(270)	--	03	54	
		15	--	01	26				(271)	--	01	01	
		17	--	11	64				(290)	--	01	01	
		24	--	10	62				(291)	--	02	78	
		(25)							(294)	--	01	02	
		3	--	--	25				(297)	--	02	28	
		4	--	08	85		29. गाम्ला		(26)				
		7	--	--	76				8	--	--	25	
		8	--	10	62				12	--	08	60	
		13	--	10	12		30. काम्होट	241	(10)				
		18	--	11	13				16	--	10	88	
		23	--	11	13				24	--	09	61	
		(36)							(14)				
		3	--	11	13				4	--	04	55	
		8	--	08	09				5/1	--	02	78	
		9	--	01	77				5/2	--	03	04	
		12	--	06	32				6/3	--	--	--	
		13	--	02	53				7/1	--	02	78	
		19	--	10	62				7/2	--	05	56	
		22	--	07	58				14	--	11	13	
		(38)							17	--	11	12	
		2	--	11	13				23	--	01	77	
		9	--	11	13				24	--	01	26	
		11	--	--	26				(28)				
		12	--	09	86				3	--	08	35	
		19	--	06	58				4	--	01	77	
		20	--	04	55				8	--	10	12	
		21/1	--	03	29				13	--	11	13	
		21/2	--	04	58				18	--	11	13	
		22	--	00	51				22	--	02	53	
		(48)	--	01	77				23	--	08	60	
		1	--	04	30				(30)				
		10	--	11	13				2	--	08	09	
		11/1	--	08	09				3	--	03	04	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6	7
1.	खड़ीदा	16	0	00	25	2.	टीकरी	17/1	0	08	80	
		17	0	11	63			37/3	0	03	29	
		23	0	06	58			18	0	00	51	
		24	0	07	33			23	0	11	83	
		(53)						24	0	01	52	
		25	0	09	36			(34)				
		(54)						1	0	07	34	
		2	0	00	25			(39)				
		3/1	0	10	12			2	0	03	04	
		3/2	0	01	52			3	0	10	12	
		8	0	00	51			8	0	00	00	
		9/1	0	05	82			9	0	13	40	
		9/2	0	04	30			11	0	07	08	
		11	0	03	79			12	0	06	32	
		12/1	0	07	08			20	0	13	15	
		12/2	0	05	06			21/1	0	02	02	
		20	0	13	66			(40)				
		21	0	04	30			16/1	0	00	25	
		(27)						26/1	0	00	26	
		4	0	01	26			25/2	0	08	85	
		5	0	11	89							
		6	0	00	25	48		(51)				
		7	0	04	30			4/1	0	00	25	
		(81/10)	0	29	59			4/2	0	03	54	
		(69)	0	01	77			5	0	08	10	
		(92)	0	01	77			6	0	00	26	
		(532)	0	00	25			7	0	13	15	
		(545)	0	01	01			13	0	05	57	
		(662)	0	03	54			14	0	06	32	
2.	टीकरी	48	(19)					18/1	0	04	05	
		15	0	09	10			18/2	0	08	85	
		16	0	12	14			19	0	00	00	
		17	0	01	26			22	0	10	37	
		24	0	12	39			23	0	02	78	
		25	0	00	51			(61)				
		(20)						2	0	08	85	
		10	0	09	61			11	0	06	07	
		11	0	03	54			(62)				
		(22)						15	0	05	57	
		3	0	04	55			16/1	0	04	55	
		4	0	07	08			16/2	0	07	34	
		8	0	13	41			24/1	0	00	25	
		12	0	08	60			24/2	0	08	85	
		13	0	04	81			25/11	0	02	02	
		19	0	12	65			25/1/2	0	02	02	
		20	0	00	76			(73)				
		21	0	11	13			3/2	0	02	53	
		22	0	01	01			4	0	11	13	
		(33)						7	0	00	25	
		5/2	0	04	05			8/1	0	12	85	
		6	0	13	41			12	0	06	07	
		14/2	0	00	51			13	0	08	58	
		14/3	0	07	58			19/1	0	00	51	
		15/1	0	02	53			19/2	0	08	60	
		15/2	0	01	01			21/2	0	09	61	
		15/3	0	02	03			22	0	01	77	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
2. दोहरी		(87)				4. भारत					
	1		0	05	06		6/2		00	01	01
	(88)						15		00	12	65
	6		0	10	88		16		00	13	41
	7		0	01	77		17		00	05	31
	14		0	13	15		23/2		00	00	25
	15		0	00	25		24/1		00	10	62
	17		0	03	79		24/2		00	03	29
	18/1		0	10	88		(11)				
	22		0	06	32		1		00	08	85
	(88)						2/1		00	05	08
	23		0	08	34		10		00	10	12
	26		0	00	51		11		00	01	01
	(91)						(15)				
	(15)		0	04	82		3/1		00	01	51
	(92)						3/2		00	10	87
	1		0	01	26		4		00	02	28
	2		0	13	90		8		00	10	37
	9		0	00	51		9		00	03	04
	10/1		0	06	58		12		00	13	41
	10/2		0	06	83		13/1		00	00	00
	11		0	05	31		19		00	05	06
	(133)		0	06	58		20		00	08	60
	(136)		0	18	46		21		00	11	89
	(139)		0	01	52		(16)				
	(144)		0	03	03		25		00	01.	52
	(146)		0	01	52		(20)				
	(147)		0	01	77		5		00	12	14
	(148)		0	01	51		6		00	07	33
	(150/1)		0	01	77		7		00	06	32
	(267)		0	01	51		13		00	00	25
	(268)		0	01	26		14		00	13	15
	(292)		0	04	05		17/1		00	02	02
	(294)		0	02	53		18/1		00	03	04
	(197/1)		0	01	52		18/2		00	07	33
	(297/2)		0	02	78		22/2		00	04	30
							23		00	09	86
3. पर्यावरणप्रदूषक	8	(2)					(21)				
	13/2		0	07	59		1		00	00	25
	18		0	11	64		(25)				
	19		0	00	76		2/1		00	00	76
	22		0	12	65		2/2		00	10	12
	23/1		0	00	51		9		00	00	25
	23/2		0	00	00		10		00	10	62
	(6)						11		00	11	64
	1/2		0	04	55		20/2		00	00	25
	2		0	08	61		(26)				
	9		0	01	77		15		00	02	02
	(177)		0	01	26		16		00	11	64
4. भारत		(4) 13	00	12	14		(33)				
	14		00	03	54		03		00	00	51
	18		10	10	12		4		00	13	15
	19		00	03	29		7		00	01	77
	22		00	13	15		8/1		00	07	84
	23/1		00	00	00		8/2		00	04	05
	(10)						12		00	03	79

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		13	00	09	36			10	00	00	76
		18/1	00	02	78			(14)			
		18/2	00	05	56			5	00	01	52
		21/2		09	86			6	00	13	40
		22	00	02	28			14	00	05	56
		(40)						15	00	06	57
		1/1	00	08	60			17	00	13	40
		1/2	00	00	25			18	00	00	25
		(41)						23/1	00	11	38
		5/2	00	00	00			24	00	02	02
		6	00	10	37			(22)			
		14	00	06	58			18/1	00	01	27
		15	00	07	08			25/1	00	08	85
		17	00	12	39			25/2	00	02	78
		18	00	00	25			(23)			
		23	00	11	88			2	00	04	95
		24	00	02	02			3/1	00	08	35
		26	00	05	31			3/2	00	00	25
		(45)						(23)/9	00	13	66
		16	00	01	01			11		09	10
		25	00	12	64			12	00	04	55
		(46)						20	00	13	39
		2/2/1	00	02	78			21	00	00	76
		2/2/2	00	03	04			(28)			
		3/1	00	08	60			4	00	06	32
		8/1	00	08	60			5	00	07	34
		8/2	00	01	01			7	00	12	14
		11	00	09	86			(38)	00	01	52
		12	00	04	04			(39)	00	01	77
		(46)						(93)	00	01	26
		20	00	12	14						
		21	00	00	75	6 भवरपाल		(52)			
		(58)						3/2	00	00	76
		04	00	04	55			4	00	10	88
		05	00	08	14			7	00	01	77
		07	00	13	40			8	00	11	89
		13	00	01	77			12	00	04	05
		14	00	03	78			13/1	00	09	86
		(151)	00	13	66			19	00	13	76
		(157)	00	02	53			21/1	00	05	31
		(163)	00	01	77			21/2	00	04	30
		(164)	00	04	30			22	00	04	30
		(165)	00	01	52			(56)			
		(167)	00	01	77			1	00	08	09
		(168)	00	03	52			(71)	00	01	01
		(169)	00	01	52						
		(183)	00	04	55	7 पीरगढ़पुरा		(16) 16/2	00	03	29
		(189/1)	00	00	51			25	00	13	41
		(189/2)	00	00	25			(17)			
		(510)	00	00	25			9	00	06	83
		(513)	00	02	02			11/1	00	00	00
		(524)	00	01	01			11/2	00	09	86
								12	00	03	79
								20/1	00	07	33
5 श्रीराम	5	(13)	1	00	03	04					

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		20/2	00	03	79		20	(15)			
		21	00	00	00			1/1	00	03	27
		(10)						1/2	00	10	82
		4	00	08	36			2	00	00	25
		5	00	04	05			10	00	05	06
		7	00	12	90			(28)			
		8	00	00	51			3	00	13	66
		13	00	11	64			8	00	00	00
		14	00	01	52			9	00	05	31
		18	00	10	36			(86)	00	01	52
3		(19)						(470)	00	01	27
		19/1	00	01	62						
		19/2	00	00	25						
		22	00	12	90						
		(25)									
		15	00	08	85						
		16	00	12	00						
		17	00	09	00						
		24	00	09	36						
		25/1	00	01	26						
		25/2	00	00	76						
		(26)									
		1	00	05	56						
		2/1	00	07	84						
		10	00	33	41						
		11/1	00	03	79						
		(28)									
		4	00	01	77						
		(30)	00	01	27						
		(35)	00	01	27						
		(13)	00	00	10						
		(14)	00	00	25						
8 मुख्या	20	(1)									
		25/1	00	00	00						
		25/2	00	01	26						
		(12)									
		4	00	08	58						
		5	00	07	34						
		7	00	12	90						
		8	00	01	01						
		13	00	13	15						
		14	00	91	01						
		18	00	08	32						
		19	00	06	58						
		21	00	01	52						
		22	00	12	65						
		(14)									
		6	00	09	11						
		14	00	02	02						
		15	00	11	63						
		16	00	00	25						
		17	00	12	39						
		23	00	00	36						
		24	00	04	30						

New Delhi, the 11th April, 1989

S.O. 1270.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Chaksu in the State of Rajasthan to Baholli (Karnal) in the State of Haryana, Pipeline(s) should be laid by India Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline(s) it is necessary to acquire the right of user the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline(s) under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines, 270, Subhash Nagar, Rohtak.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal Practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Rewari Distt. : Mahendragarh State : Haryana

Name of Village	Habbast (Mustated No. No.)	Kila No.	Area		
			Hectare	Acre	Centiare
1	2	3	4	5	6
1. Goliyaka	58	(8)6	—	03	29
		7	—	03	29
		14	—	13	91
		17	—	02	78
		18	—	10	88
		22	—	03	29
		23/1	—	01	01
		23/2	—	09	11
		(16)	—	—	—
		15	—	—	76
		16	—	11	63
		24	—	04	81
		25	—	07	84
		(17)	—	—	—
		2/1	—	02	02
		2/2	—	10	88

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		9	—	05	31		20/1	—	9	36	
		10	—	08	09		21	—	11	13	
		11/1	—	10	88	(65)					
		11/2	—	01	52	1	—	—	1	01	
		20	—	01	01	(66)					
		(21)				5/1	—	—	4	05	
		3/3	—	—	—	5/2	—	—	7	08	
		4	—	12	39	6	—	—	5	56	
		7	—	2	53	(250)	—	—	1	52	
		8	—	5	56	(254)	—	—	1	52	
		12	—	2	78	(518)	—	—	—	51	
		13	—	10	37	(550)	—	—	1	26	
		18	—	—	—	(553)	—	—	1	26	
		19/1	—	09	11						
		19/2	—	04	30	3. Nagali Godha 141	(3)				
		21	—	07	84		20	—	1	26	
		22	—	04	81		(4)				
		(29)					16/1	—	5	82	
		5	—	—	76		16/2	—	5	56	
		6	—	11	89		24	—	1	52	
		14	—	4	81		25	—	10	88	
		15	—	7	33	(11)					
		17	—	13	15		4/1	—	1	26	
		18	—	—	—		4/2	—	11	13	
		23	—	11	13		7	—	6	58	
		24	—	2	53		8	—	6	58	
		(30)					13	—	13	15	
		1	—	13	66		18	—	3	04	
		10	—	01	52		19	—	9	86	
		(34)					(125)	—	1	52	
		2	—	03	29	4. Dan Alampur 140	(6)				
		3	—	10	62		17	—	5	31	
		9	—	13	66		18	—	10	12	
		11	—	06	09		22	—	1	52	
		12	—	05	31		23	—	11	38	
		20	—	09	86		(12)				
		21	—	—	51		15	—	—	—	
		(49)	—	02	28		(13)				
		(50)	—	01	52		2	—	12	39	
		(149)	—	—	51		3	—	—	25	
		(174)	—	01	01		9	—	8	09	
2. Bharawas	145	(11)					10	—	5	82	
		21	—	1	52		11	—	13	66	
		22/1	—	4	81		20	—	—	76	
		22/2	—	5	82		(49)	—	1	01	
		(30)									
		1/1	—	10	88	5. Thothwala 139	(18)				
		1/2	—	2	02		19	—	—	25	
		2/1	—	—	51		21	—	6	07	
		10	—	8	09		22	—	6	32	
		23	—	1	52		(19)				
		(31)6	—	5	06		1	—	13	91	
		15	—	10	62		10	—	6	58	
		17	—	08	35		(20)				
		24	—	11	89		6	—	6	58	
		26	—	2	78		14	—	—	25	
		(37)					15	—	13	66	
		25	—	—	76		16	—	02	02	
		(38)					17	—	11	13	
		3	—	13	15		23	—	01	26	
		4	—	—	25		24	—	10	88	
		8	—	6	58		(32)				
		9	—	4	81		25	—	02	78	
		12	—	13	15		(33)				
		13	—	—	25		3	—	13	15	
		19	—	4	05		8	—	07	33	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6		
		9	—	06	32			(27)					
		11	—	—	26			1	—	09	61		
		12	—	13	15			10/1	—	—	50		
		19/2	—	01	77			(33)					
		(33)						2/3	—	—	—		
		20	—	11	38			3	—	13	15		
		21	—	10	88			8/1	—	02	02		
		(35)						(33)					
		1	—	—	—			9/1	—	04	55		
		(36)						9/2	—	06	83		
		5	—	13	41			11	—	02	28		
		6	—	5	56			12	—	10	88		
		7	—	10	62			19	—	—	—		
		14	—	05	06			20	—	13	15		
		(46)	—	01	52			21	—	07	08		
		(108)	—	—	76			(34)					
6. Daliyaki	133	(1)						25	—	06	32		
		24	—	02	28			(38)					
		25	—	08	85			4	—	—	—		
		(8)	4	—	13			5	—	12	40		
		4	—	13	41			6	—	01	26		
		7	—	8	60			7	—	10	12		
		8	—	5	82			13/2	—	—	25		
		12	—	—	25			13/3	—	01	27		
		13	—	12	90			17/1	—	—	25		
		18	—	1	77			18/1	—	04	81		
		19	—	10	88			18/2	—	08	09		
		22/1	—	1	52			18/3	—	—	25		
		22/2	—	1	01			14	—	10	88		
		(30)	—	1	26			22/1	—	01	01		
								22/2	—	02	53		
7. Husainpur	134	(2)						23	—	07	84		
		19	—	3	54			(46)					
		22/1	—	10	37			2	—	13	41		
		22/2	—	3	04			9	—	04	81		
		(14)						10/1	—	08	60		
		15/1	—	05	06			11/1	—	02	28		
		15/2	—	02	78			11/2	—	10	38		
		16	—	12	65			20/2	—	01	01		
		24	—	10	62			(47)					
		25	—	01	26			15	—	—	25		
		(15)						16	—	12	65		
		1/2	—	01	01			(60)	—	18	21		
		2/3	—	03	54			(70)	—	01	26		
		2	—	09	11			(73)	—	02	28		
		10	—	13	41			(155)	—	02	02		
		11	—	05	82			(163)	—	01	26		
		(18)	—	02	02			(171)	—	01	26		
		3	—	11	13		8. Rampur	132	(1) 18	—	02	28	
		4	—	—	25			C-Patn	—	01	01		
		7	—	5	31			9. Kutubpur Mola	131	(22)	—		
		(18)											
		8/2	—	07	59				11	—	76		
		13/1	—	04	81				12	—	76		
		19	—	02	78				19	—	06	07	
		21	—	09	86				20	—	03	04	
		(26)							22	—	11	13	
		5	—	—	51				(26)				
		6/1	—	06	58				2/2	—	05	56	
		6/2	—	08	35				2/2	—	01	01	
		14/2	—	03	79				9/1	—	05	56	
		15/1	—	09	36				9/2	—	—	25	
		17	—	13	41				9/3	—	05	57	
		23	—	08	09				12	—	11	13	
		24	—	03	54				19	—	11	38	
									22	—	06	07	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		(26)	--	05	56			(26)			
		(42)						13/1	--	2	28
		2	--	02	28			13/2	--	01	26
		3	--	03	29			18	--	04	81
		13	--	11	13			26	--	08	09
		18	--	02	53			(40)	--	01	52
		(303/2)	--	02	53			(44)	--	03	03
		(478)	--	08	85			(46)	--	01	77
								(186)	--	01	01
								(187)	--	01	01
								(188)	--	01	02
10. Kan Majara	126	(7)									
		19/1	--	01	77	12. Bhudpur	116	(4)			
		19/2	--	02	02			21			12
		22/2	--	08	09			(12)			65
		22/3	--	04	05			6	--	-	76
		(9)						15/1	--	-	50
		2/2	--	11	13			15/2	--	03	04
		9/1	--	02	78			16/1	--	04	05
		9/2	--	08	35			16/2	--	03	03
		12	--	11	13			25	--	11	13
		19	--	11	13			(13)			
		21	--	06	07			1	--	06	07
		22	--	07	08			10	--	11	13
		(15)						11	--	07	08
		2	--	--	51			20	--	04	04
		10	--	09	61			21	--	--	25
		11	--	11	13			(17)			
		20	--	11	13			5	--	10	88
		21/1	--	03	29			6	--	11	13
		21/2	--	03	29			15	--	06	58
		21/3	--	04	55			16	--	14	16
		(19)						25/1	--	08	35
		1	--	11	13			25/2	--	01	77
		9/1	--	--	25			(24)			
		9/3	--	--	76			4	--	01	77
		10/1	--	8	35			5	--	08	34
		10/2	--	01	52			6/2	--	09	11
		10/3	--	--	50			7	--	--	51
		10/4	--	--	25			14/1	--	04	30
		11	--	06	83			14/2	--	01	01
		(29)	--	6	58			15/1	--	06	83
		(39)	--	01	01			15/2	--	01	26
11. Chandawas	117	(7)						16	--	03	54
		24/1	--	06	07			17	--	07	08
		24/2	--	03	04			24	--	11	13
		25	--	04	05			25	--	--	25
		(14)4	--	11	38			(28)			
		7	--	09	86			4/1	--	04	30
		8/1	--	01	26			4/2	--	06	58
		13	--	07	59			7	--	11	13
		14	--	04	05			14/1	--	04	30
		17	--	--	51			14/2	--	06	83
		18	--	11	13			17/1	--	02	02
		23	--	11	12			17/2	--	04	55
		(17)						(42)		02	28
		3	--	10	12			(45)	--	01	52
		8	--	11	13			(208)	--	01	27
		13	--	11	13			(215)	--	01	01
		18	--	10	12			(221)	--	--	25
		23	--	11	13	13. Gokulgargh	119	(21)			
		(26)						24	--	04	30
		2	--	--	76			(22)			
		3	--	10	62			3	--	09	61
		8	--	01	52			4	--	--	51
		9	--	--	50			8	--	08	85
		12	--	--	56			(44)			

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		18	-	-	25		23	-	03	79	
		22	-	09	61		(33)	-	01	01	
		(46)					(65)	-	05	82	
		2	-	11	38		(75)	-	02	02	
		9	-	11	13		(81)	-	01	26	
		12	-	11	13	16. Lasarpur	220	(1)			
		19	-	11	13		16	-	10	12	
		22	-	11	13		25	-	11	13	
		(74)					(8)				
		1/3	-	01	26		5	-	11	13	
		2	-	09	11		6	-	10	88	
		9	-	06	07		7	-	-	51	
		10	-	05	56		14	-	06	07	
		11	-	08	60		15	-	05	06	
		12/1	--	02	53		17	-	11	13	
		20	--	10	12		24	-	11	13	
		(201)	-	01	26		(10)				
14. Ashpur	114	(220)	--	02	53		4	-	10	62	
		(221)	--	12	65		7	-	11	13	
		(222)	--	08	85		12	-	-	25	
		(223)	--	15	18		13	-	14	67	
		(224)	-	17	70		14	-	03	79	
		(225)	-	17	70		18	-	02	78	
		(226)	-	06	32		19	-	13	66	
							20	-	01	01	
15. Gindhokhar	113	(18)					21/1	-	-	51	
		16	-	02	28		21/2	-	5	56	
		17	-	06	83		22	-	03	54	
		24	-	11	38		(21)				
		(22)					1	-	11	13	
		4	-	11	38		10	-	11	38	
		7	-	11	38		11	-	11	38	
		13	-	03	04		20	-	7	08	
		14	-	08	60		21	-	-	51	
		17	-	02	02		(22)				
		18	-	09	36		16	-	04	55	
		23/1	--	01	26		25	-	10	88	
		23/2	-	10	12		(23)				
		(38)					5/1	-	04	05	
		24	--	--	51		5/2	-	05	56	
		25	--	14	42		6	-	11	38	
		(39)					14	-	02	78	
		3/2	-	07	33		15	-	07	08	
		3/3	-	04	05		16	-	01	77	
		8	-	11	38		(106)	-	01	77	
		9	-	-			(298)	-	01	01	
		12	-	08	60	17. Bikaner	221	(5)			
		13	-	07	34		10	-	05	56	
		19	-	03	56		11	-	11	13	
		20	-	06	07		20	-	11	13	
		21	--	04	55		21	-	11	12	
		(46)					(11)				
		4	-	08	60		5	-	03	04	
		5	-	03	54		6	-	09	10	
		6	-	-	25		15	-	10	12	
		7	-	09	61		(12)				
		14	--	11	64		1	-	04	05	
		17	-	11	13		10/1	-	02	28	
		24	-	11	13		(268)	-	01	01	
		(56)									
		4	--	11	13	18. Shekhupur-	224	(2)			
		7	-	11	13	Shikarpur					
		14	-	11	13		20	-	07	84	
		17	-	09	11		(12)				
		18	--	01	77		16	-	02	53	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
25	--	09	11			19. Mustafapur	256	(3)		03	79
(13)								10			
1	--	11	13					11			
10	--	11	13					(4)			
11	--	10	62					6		07	59
20	--	08	60					15/1		03	29
21/1	--	02	53					15/2		05	82
(20)								16		11	12
5	--	11	38					25		10	11
6	--	11	38					(5)			
15	--	11	13					5		11	12
16	--	11	13					6		11	12
24/2	--	--	25					14		02	53
24/3	--	--	51					15		08	60
24/4	--	01	26					16		02	53
25	--	09	11					17		08	60
(26)								24/1		01	01
4	--	07	59					24/2		09	86
5	--	03	54					(16)			
7	--	10	88					4/1		03	54
14	--	11	13					4/2		02	53
17/1	--	01	26					7		11	13
17/2	--	09	86					14		11	13
24	--	11	13					17		08	60
(32)								18		02	53
3	--	--	25					23		08	09
4	--	10	12					24		03	04
7/2	--	07	59					(19)			
8	--	03	54					3		11	13
13	--	07	33					8		10	12
14/2	--	1	01					13		11	13
18	--	11	38					18		11	13
23	--	11	13					23		11	13
(36)								(34)			
3	--	11	13					2		03	04
8	--	11	13					3		08	09
12	--	02	78					8		02	53
13/1	--	05	56					9		08	60
13/2	--	01	26					12		11	13
18	--	03	04					19		11	13
19	--	08	09					22		11	13
22/1	--	01	01					(39)			
22/2	--	08	60					2		11	13
(42)2	--	10	12					9		10	12
3/1	--	--	--					11/1		02	28
9	--	09	87					11/2		03	29
12	--	11	13					12		05	56
19	--	09	86					19		01	52
20	--	01	27					20		09	61
21	--	06	58					21		05	06
22	--	04	55					(61)		01	78
(46)								(223)		01	01
1/1	--	04	05					(227)		01	01
1/2	--	07	08								
2	--	--	--								
10/1	--	01	77					(7)			
10/2	--	03	04					18			25
(62)								19		08	60
2	--	01	26					22		11	13
(57)	--	2	78					(21)2		10	62
(60)	--	03	04					9		11	13
(62)	--	01	26					12		11	13
(244)	--	--	51					19		10	87
(233)	--	--	76					20		04	55
(254)	--	--	25					21		04	56
(351)	--	--	25					22		06	58
								(22)			
								1		10	12

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	2		—	01	26		20	—	11	13	
	10/1		—	10	12		21	—	07	33	
	11/1		—	—	76	(60)					
	11/2		—	10	63		1	—	11	13	
	20		—	11	13		10	—	11	13	
	21		—	09	86		11	—	07	08	
	(38)						20	—	01	77	
	1		—	—	76	(61)					
	(39)						14	—	04	05	
	5		—	10	12		16/1	—	06	57	
	(67)		—	01	26		16/2	—	01	52	
	(180)		—	11	01		25	—	11	13	
	(279)		—	01	01	(70)					
							5	—	11	13	
							6	—	11	13	
21. Rohrai	230	(11)					15	—	11	13	
		25		—	05	31	16	—	10	37	
		(12)					17	—	—	76	
		12/1		—	—	76	24	—	05	56	
		(14)					25	—	05	56	
		5		—	11	13	(83)				
		6		—	11	13	4	—	10	62	
		15		—	10	37	5	—	—	51	
		16		—	11	12	7	—	10	37	
		25		—	10	37	14	—	11	13	
		(23)					17	—	11	13	
		4		—	06	07	24	—	11	13	
		5		—	06	07	(90)				
		6		—	—	76	3	—	3	4	
		7		—	10	88	4	—	8	9	
		14		—	11	13	7	—	3	4	
		17		—	11	13	8	—	8	9	
		24		—	10	37	13	—	11	13	
		(26)					18	—	11	13	
		4		—	11	13	23	—	11	13	
		7		—	10	12	(101)				
		8		—	01	52	3	—	11	13	
		13		—	06	57	8	—	10	37	
		14		—	04	55	9	—	—	51	
		17		—	—	25	12	—	06	07	
		18		—	10	87	13	—	05	06	
		23		—	11	13	18	—	—	76	
		(37)					(107)	—	06	07	
		13		—	11	13	(114)	—	—	76	
		18		—	03	04	(118)	—	01	52	
		19/1		—	01	25	(560)	—	01	52	
		19/2		—	—	51	(567)	—	—	76	
		22/1		—	02	78	(593)	—	02	02	
		22/2		—	04	81	(609)	—	01	01	
		23/1		—	02	77	(625)	—	—	51	
		23/2		—	01	52	22. Red Basota				
		(42)					(55)				
		2		—	10	88	3	—	08	85	
		3		—	—	25	8	—	11	13	
		9/1		—	04	30	13	—	04	55	
		9/2		—	06	83	23. Rasulpur	234	(6)		
		12/1		—	07	84	22	—	01	26	
		12/2		—	03	29	23/1	—	02	53	
		19		—	11	13	(8)				
		21		—	—		2	—	08	09	
		22		—	11	13	3	—	02	53	
		(53) 1		—	03	54	8	—	—	50	
		2		—	07	59	9	—	10	88	
		9		—	01	26	12	—	11	13	
		10		—	08	09	19	—	10	12	
		11		—	08	85	22	—	03	31	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
			(19)					11		11	13
	2		--	09	85		20		10	88	
	9		--	09	11		21		00	60	
	10/1		-	01	26		(15)				76
	10/2		-	01	01		1/1				51
	11/1		-	03	54		1/2				
	11/2		--	04	81		(16)				
	20		--	11	13		5/1		02	53	
	21		--	11	13		5/2		06	07	
			(22)				6		10	37	
	1		--	11	13		15		07	69	
	10		--	11	13						
	11/1		--	10	88	26. Pahrajwas	239	(20)			
	20/2		--	06	83			7		07	84
	21/1		--	01	77			14/1		08	35
	(23)							14/2		02	78
	15		--	--	25			24		11	13
	16		--	04	05						
	25		--	03	55		(21)				
	(33)		--	01	77		4		11	13	
	(43)		--	01	26		7		07	08	
	(67)		--	04	55		8		04	05	
	(135)		--	03	79		13		11	13	
							18		11	13	
24. Palhawas	236		(53)				23		11	13	
	15		--	02	26		(36)				
	16/2		--	11	13		3/1		06	58	
	25/1		--	11	13		3/2		03	04	
	(63)						8		08	85	
	4		--	--	76		9		02	53	
	5						12		09	11	
	6		--	05	56		13/1		01	26	
	7		--	05	56		13/2			76	
	14		--	10	62		19		08	09	
	15		--	--	51		22		12	39	
	17		--	11	13		(37)				
	24		--	11	13		2		11	13	
	(78)						9		11	13	
	4		--	10	12		11		01	77	
	7		--	11	13		12		09	36	
	13		--	01	01		19		04	05	
	14/1		--	07	84		20		07	08	
	23		--	10	88		21		10	88	
	24/1		--	--	25		22				25
	(91)						(45)				
	3/1		--	03	54		1		01	26	
	3/2		--	05	06		2		02	53	
	8		--	09	35		(58)		01	77	
	9		--	--	76		(62)		01	77	
	13/1		--	01	26	27. Guravada	245	(101)		08	60
	13/2		--	09	36						
	18		--	11	13		(51)				
	22		--	--	51		18				
	23		--	04	05		23				
	(121)		--	02	53		(111)				
	(658)		--	--	51		5/2		04	30	
	(661)		--	01	01		6		07	58	
	(662)		--	01	01		7		03	54	
	(667)		--	01	01		14/1		07	08	
25. Chang	238		(13)				14/2		02	28	
	16		--	--			15/1		01	52	
	25		--	02	53						
	(14)						17		11	38	
	10		--	09	86		24/1		09	11	
							24/2		02	02	
							(114)				
							4/1		04	55	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		4/2	—	05	31			20/2	—	03	79
		7/1	—	09	61			(11)			
		7/2	—	01	52			16	—	06	58
		13	—	01	26			25/1	—	03	54
		14	—	09	86			25/2	—	03	79
		17/1	—	03	05			(22)			
		17/2	—	01	01			5	—	10	12
		18/1	—	03	54			6/1	—	05	31
		18/2	—	03	54			6/2	—	04	81
		23/1	—	06	58			7/2	—	01	52
		23/2	—	04	55			14	—	09	86
		24/1	—	—	25			15	—	01	26
		(145)						17	—	11	64
		3	—	11	13			24	—	10	62
		8	—	11	13			(25)			
		13	—	04	56			3	—	—	25
		18	—	02	02			4	—	08	85
		23/1	—	02	02			7	—	—	76
		23/2	—	07	34			8	—	10	62
		(151)						13	—	10	12
		2	—	10	37			18	—	11	13
		3	—	01	01			23	—	11	13
		9	—	11	13			(36)			
		12	—	11	38			3	—	11	13
		19	—	11	38			8	—	08	09
		22	—	11	13			9	—	01	77
		(177)						12	—	06	32
		1	—	05	06			13	—	02	53
		2	—	06	07			19	—	10	62
		9/2	—	—	76			22	—	07	58
		10	—	10	37			(38)			
		11	—	11	38			2	—	11	13
		20	—	11	38			9	—	11	13
		21/1	—	03	04			11	—	—	26
		21/2	—	08	09			12	—	09	86
		(183)						19	—	06	58
		5/1	—	—	51			20	—	04	55
		6/1	—	08	10			21/1	—	03	29
		15/2	—	10	62			21/2	—	04	56
		15/3	—	—	76			22	—	00	51
		16	—	11	38			(48)			
		25	—	11	38			25	—	01	77
		(184)						(49)			
		1/1	—	06	07			1	—	04	30
		1/2	—	01	52			10	—	11	13
		10/2	—	03	04			11/1	—	08	09
		(204)						11/2	—	01	52
		4	—	01	77			20	—	10	12
		5	—	12	39			21	—	09	36
		(244)	—	01	26			26	—	06	83
		(245)	—	02	53			(50)			
		(248)	—	—	50			1	—	03	54
		(253)	—	—	25			10/1	—	—	—
		(874)	—	01	01			(51)			
		(883)	—	03	54			5	—	07	84
		(920)	—	12	90			6	—	11	13
28. Hansawas	240	(9)						15	—	11	12
		19/2	—	09	86			16	—	11	13
		21	—	04	30			25	—	11	13
		22	—	06	83			(62)			
		(10)						4	—	07	08
		1/2	—	10	88			(101)	—	03	54
		2	—	—	25			(110)	—	01	52
		10	—	11	13			(111)	—	01	51
		11	—	11	1			(112)	—	01	52

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
			(264)	—	01 01		2	—	09 11		
			(270)	—	03 54		3/1	—	02 28		
			(271)	—	01 01		9/1	—	01 77		
			(290)	—	01 01		9/2	—	09 36		
			(291)	—	02 78		(41)				
			(294)	—	01 02		12/1	—	08 35		
			(297)	—	02 28		12/2	—	01 77		
29. Gandala							19	—	11 13		
			(26)				21/2	—	01 26		
		8	—	—	25		22	—	09 86		
		12	—	08	60		(56)				
30. Kahnora	241		(10)				1/1	—	04 55		
			16	—	10 88		1/2	—	03 29		
		24	—	09	61		2/1	—	03 54		
		(14)					10	—	10 12		
		4	—	04	55		11/2	—	11 13		
		5/1	—	02	78		20/2	—	11 13		
		5/2	—	33	04		21	—	10 12		
		6/3	—	—	—		(60)				
		7/1	—	02	78		1	—	05 56		
		7/2	—	05	56		(61)				
		14	—	11	13		5/2	—	06 58		
		17	—	11	13		6/1	—	04 81		
		23	—	01	77		6/2	—	04 05		
		24	—	01	26		15	—	12 14		
		(28)					(84/2)	—	60 32		
		3	—	08	35		(126)	—	04 05		
		4	—	01	77		(483)	—	01 01		
		8	—	10	12		(485)	—	01 01		
		13	—	11	13		(495)	—	01 01		
		18	—	11	13		(498)	—	02 38		
		22	—	02	53						
		23	—	08	60						
		(30)									
		2	—	08	09						
		3	—	03	04						
		9	—	11	38						
		(271)	—	07	34						
31. Kanori	242		(16)								
		6	—	02	02						
		15	—	02	78						
		16	—	08	60						
		25	—	11	13						
		(17)									
		10	—	06	07						
		11	—	08	60						
		20	—	02	53						
		(20)									
		5/1	—	02	28						
		5/2	—	07	84						
		6	—	11	13						
		15	—	10	12						
		16	—	08	09						
		17	—	03	04						
		24	—	09	61						
		25	—	01	52						
		(34)									
		4	—	11	13						
		7	—	10	12						
		13	—	07	33						
		14	—	03	79						
		18/1	—	—	25						
		18/2	—	10	88						
		23/1	—	07	33						
		(41)									

Tehsil : Bawal Distt. : Mahendragarh State : Haryana

Name of Village	No. Habbast No.)	(Mustateel Kila No.)	Area Hectare	Are	Cen- tiare
1	2	3	4	5	6
1. Khandoda	50	(4)	12	0	1 77
			18	0	1 27
			19	0	14 16
			21	0	10 12
			22	0	3 54
			(9)		
			5/2	0	0 25
			14	0	03 04
			17	0	12 39
			18	0	05 06
			23	0	13 66
			(10)		
			1/1	0	06 07
			1/2	0	02 53
			(25)		
			2	0	08 95
			3	0	04 80
			9	0	12 14
			10	0	01 01
			11	0	13 15
			12/1	0	00 25
			20	0	07 08
			(26)		
			16/1	0	06 07
			16/2	0	00 25

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		24/1	0	00	25			21	0	11	13
		25	0	12	39			22	0	01	01
		(29)						(33)			
		4	0	11	89			5/2	0	04	05
		5/1	0	01	27			6	0	13	41
		7/2	0	08	35			14/2	0	00	51
		8	0	05	31			14/3	0	07	58
		12	0	00	00			15/1	0	02	53
		13	0	13	41			15/2	0	01	01
		18	0	02	28			15/3	0	02	02
		19	0	11	38			17/1	0	08	60
		21	0	04	55			17/3	0	03	29
		22	0	09	61			18	0	00	51
		(50)						23	0	11	63
		1	0	13	66			24	0	01	52
		10	0	03	29			(34)			
		(51)						1	0	07	34
		06	0	10	12			(39)			
		14	0	01	52			2	0	03	04
		15	0	11	64			3	0	10	12
		16	0	00	25			8	0	00	00
		17	0	11	63			9	0	13	40
		23	0	06	58			11	0	07	08
		24	0	07	33			12	0	06	32
		(53)						20	0	13	15
		25	0	09	36			21/1	0	02	02
		(54)						(40)			
		2	0	00	25			16/1	0	00	25
		3/1	0	10	12			25/1	0	00	26
		3/2	0	01	52			25/2	0	08	85
		8	0	00	51			(51)			
		9/1	0	05	82			4/1	0	00	25
		9/2	0	04	30			4/2	0	03	54
		11	0	03	79			5	0	08	10
		12/1	0	07	08			6	0	00	26
		12/2	0	05	06			7	0	13	15
		20	0	13	66			13	0	05	57
		21	0	04	30			14	0	06	32
		(77)						18/1	0	04	05
		4	0	01	26			18/2	0	08	85
		5	0	11	89			19	0	00	00
		6	9	00	25			22	0	10	37
		7	0	04	30			23	0	02	78
		(81/10)	0	29	59			(61)			
		(89)	0	01	77			2	0	08	85
		(92)	0	01	77			11	0	06	07
		(532)	0	00	25			(62)			
		(545)	0	01	01			15	0	05	57
		(562)	0	03	54			16/1	0	04	55
2. Tikari	48	(19)						16/2	1	07	34
		15	0	09	10			24/1	0	00	25
		16	0	12	14			24/2	0	08	85
		17	0	01	26			25/1/1	0	02	02
		24	0	12	39			25/1/2	0	02	02
		25	0	00	51			(73)			
		(20)						3/2	0	02	53
		10	0	09	61			4	0	11	13
		11	0	03	34			7	0	00	25
		(22)						8/1	0	12	65
		3	0	04	55			12	0	06	07
		4	0	07	08			13	0	06	58
		8	0	13	41			19/1	0	00	51
		12	0	08	60			19/2	0	08	60
		13	0	04	81			21/2	0	09	61
		19	0	12	65			22	0	01	77
		20	0	00	76			(87)			

१	२	३	४	५	६	१	२	३	४	५	६
		1		0	05	06		(15)			
		(88)						3/1	00	01	51
		6		0	10	88		3/2	00	10	87
		7		0	01	77		4	00	02	28
		14		0	13	15		8	00	10	37
		15		0	00	25		9	00	03	04
		17		0	03	79		12	00	13	41
		18/1		0	10	88		13/1	00	00	00
		22		0	06	32		19	00	05	06
	48	(88)						20	00	08	60
		23		0	00	34		21	00	11	89
				0	00	51		(16)			
		(91)						25	00	01	52
		15		0	04	82		(20)			
		(92)						5	00	12	14
		1		0	01	26		6	00	07	33
		2		0	13	90		7	00	06	32
		9		0	00	51		13	00	00	25
		10/1		0	06	58		14	00	13	15
		10/2		0	06	83		17/1	00	02	02
		11		0	05	31		18/1	00	03	04
		(133)		0	06	58		18/2	00	07	33
		(136)		0	18	46		22/2	00	04	30
		(139)		0	01	52		23	00	09	86
		(144)		0	03	03		(21)			
		1(46)		0	01	52		(1)	00	00	25
		(147)		0	01	77		(25)			
		(148)		0	01	51		2/1	00	00	76
		(150/1)		0	01	77		2/2	00	10	12
		(267)		0	01	51		9	00	00	25
		(268)		0	01	26		10	00	10	62
		(292)		0	04	05		11	00	11	64
		(294)		0	02	53		20/2	00	00	25
		(297/1)		0	01	52		(26)			
		(297/2)		0	02	78		15	00	02	02
3. Narsinghpur	8	(2)						16	00	11	64
Gadhi		13/2		0	07	59		(33)			
		18		0	11	64		03	00	00	51
		19		0	00	76		4	00	13	15
		22		0	12	65		7	00	01	77
		23/1		0	00	51		8/1	00	07	84
		23/2		0	00	00		8/2	00	04	05
		(6)						12	00	03	79
		1/2		0	04	55		13	00	09	36
		2		0	09	61		19/1	00	02	78
		9		0	01	77		19/2	00	05	50
		(177)		0	01	26		21/2	00	09	86
4. Dharan	7	(4)						22	00	02	28
		13		00	12	14		(40)			
		14		00	03	54		1/1	00	08	60
		18		00	10	12		1/2	00	00	25
		19		00	03	29		(41)			
		22		00	13	15		5/2	00	00	00
		23/1		00	00	00		6	00	10	37
		(10)						14	00	06	58
		6/2		00	01	01		15	00	07	08
		15		00	12	65		17	00	12	39
		16		00	13	41		18	00	00	25
		17		00	05	31		23	00	11	88
		23/2		0	00	25		24	00	02	02
		24/1		00	10	62		26	00	05	31
		24/2		00	03	29		(45)			
		(11)						16	00	01	01
		1		00	08	85		25	00	12	64
		2/1		00	05	06		(46)			
		10		00	10	12		2/2/1	00	02	0
		11		00	01	01					

1	2	3	4	4	6	1	2	3	4	5	6	
		2/2/2	00	03	04			(71)	00	01	01	
		3/1	00	08	60	7. Piplapur	3	(16)				
		9/1	00	08	60			16/2	00	03	29	
		9/2	00	01	01			25	00	03	41	
		11	00	09	86			(17)				
		12	00	04	04			9	00	06	83	
7		(46)							11/1	00	00	00
		20	00	12	14				11/2	00	09	86
		21	00	00	75			12	00	03	79	
		(58)						20/1	00	07	34	
		04	00	04	55			20/2	00	03	79	
		05	00	09	15			21	00	00	00	
		07	00	13	40			(19)				
		13	00	01	77			4	00	09	36	
		14	00	03	79			5	00	04	05	
		(151)	00	13	66			7	00	12	90	
		(157)	00	02	53			8	00	0	51	
		(161)	00	01	77			13	00	11	64	
		(164)	00	04	30			14	00	01	52	
		(165)	00	01	52			18	00	10	36	
		(167)	00	01	77			(19)				
		(168)	00	01	52		13					
		(169)	00	01	52			22	00	12	90	
		(181)	00	04	55			(25)				
		(189)	00	00	51			15	00	08	85	
		(189/2)	00	00	25			16	00	12	90	
		(510)	00	00	25			17				
		(513)	00	02	02			24	00	09	36	
		(524)	00	01	01			25/1	00	01	26	
5. Birwal	5	(13)						25/2	00	00	76	
		1	00	03	04			(26)				
		10	00	00	76			1	00	05	56	
		(14)						0/1	00	07	84	
		5	00	01	52			10	00	13	41	
		6	00	13	40			1/1	00	03	79	
		14	00	05	56			(28)				
		15	00	06	57			4	00	01	77	
		17	00	13	40			(30)				
		18	00	00	25			(35)	00	01	27	
		23/1	00	11	38			(134)	00	00		
		24	00	02	02			(141)	00	00	25	
		(22)										
		16/1	00	01	27							
		25/1	00	08	85	8. Sulakha	20	(1)				
		25/2	00	02	78			25/1	00	00	00	
		(23)						25/2	00	01	26	
		2	00	04	05			(12)				
		3/1	00	08	35			4	00	06	58	
		3/2	00	00	25			5	00	07	34	
		(23)						7	00	12	90	
	5	9	00	13	66			8	00	01	01	
		11	00	09	10			13	00	13	15	
		12	00	04	55			14	00	01	01	
		20	00	12	39			18	00	06	32	
		21	00	00	76			19	00	06	58	
		(28)						21	00	01	52	
		4	00	06	32			22	00	12	65	
		5	00	07	34			(14)				
		7	00	12	14			6	00	09	11	
		(38)	00	01	25			14	00	02	02	
		(39)	00	01	77			15	00	11	63	
		(93)	00	01	26			16	00	00	25	
6. Bhadrana	4	(52)						17	00	12	39	
		3/2	00	00	76			23	00	09	36	
		4	00	10	88			24	00	04	30	
		7	00	01	77			(15)				
		8	00	11	89			1/1	00	03	29	
		12	00	04	05			1/2	00	10	62	
		13/1	00	09	86			2	00	00	25	
		19	00	13	66			10	00	05	06	
		21/1	00	05	31			(28)				
		21/2	00	04	30			3	00	13	66	
		22	00	04	30			8	00	00	00	
		(56)						9	00	05	31	
		1	00	08	09			(176)	00	01	52	
								(470)	00	01	27	

नई दिल्ली, 2 मई, 1989

का. प्रा. 1271.—यतः पेट्रोलियम और अन्निज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जित अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. प्रा. सं. 696 तारीख 5-2-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिश्चित भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को विद्वाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिश्चित भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिश्चित उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विद्वाने के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाश की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

के ऐन के फैस II की पाइप लाइन विद्वाने के लिए।

राज्य :- गुजरात	जिला :- कેद़ा	तालुका :- आनन्द		
गांव	क्षेत्रफल	हेक्टेयर	मारे	सेन्टी-
1	2	3	4	5
झाकरीया	97	0	09	40
	99	0	10	40
	89	0	01	36
	91	0	10	54
	90	0	05	46
	94	0	14	90
146/2+3)				
146/1 } }	0	10	50	
145	0	25	60	
100/पी)				
100 } }	0	10	67	
101	0	14	30	
102/3, 102/1}				
102/2+4 } }	0	23	40	
102/1, 107/2	0	06	50	
137/1, 137/3,	0	01	08	
137/2				
136/3/1,				
136/2/2,				
136/6,				
136/2/1/3/2+1 } }	0	28	60	
136/4, 136/5				

1	2	3	4	5
134/1, 134/2 } }				
134/3+6/1, } }	0	36	00	
134/4-5/6/2 } }				
133/1+2	0	20	73	
काईट्रेक	0	00	00	
5/1, 5/2	0	01	71	
132/1, 132/2	0	03	27	
101	0	49	82	
11/1, 11/2	0	11	70	
13	0	25	30	
काईट्रेक	0	01	60	

[सं. अंक - 11027/47/88-मो एन जी-डी - III]

New Delhi, the 2nd May, 1989

S.O. 1271.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 696 dated 5-2-1988 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline for KNK Phase II

State : Gujarat District : Kheda Taluka : Anand

Village	Block No.	Hectare	Acre	Centiares
1	2	3	4	5
Zankhriya	87	0	09	40
	89	0	10	40
	88	0	01	36
	91	0	10	54
	90	0	05	46
	94	0	14	90
	146/2+3 } }	0	10	80
	146/1 } }	0	25	60
	145	0	25	60
	100/P } }	0	10	67
	100 } }	0	10	67
	101	0	14	30
	102/3, 102/1 } }	0	23	40
	102/2+4 } }	0	06	50
	102/1, 107/2	0	01	36
	137/1, 137/3, }	0	01	08
	137/2			
	136/3/1, }			
	136/2/2, }			
	136/6, }			
	136/2/1/3/2+1 } }	0	28	60
	136/4, 136/5			

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
137/1, 137/3, 137/2		0	01	08	229/पी		0	17	10
136/3/1 136/2/2, 135/6,		0	28	50	229/पी		0	15	90
136/2/1/3/2+1, 136/4, 136/5		0	36	0	कार्ट्ट्रैक		0	01	40
134/1, 134/2 134/3+6/1 134/4+56/2		0	20	78	220		0	21	00
133/1+2 Cart track		0	02	00	217		0	15	90
5/1, 5/2		0	01	71	216		0	14	90
132/1, 132/2		0	03	27	कार्ट्ट्रैक		0	01	20
101		0	49	81	213		0	01	12
11/1, 11/2		0	11	70	210/पी		0	12	96
13		0	25	36	कार्ट्ट्रैक		0	01	40
Cart track		0	01	60	209		0	23	80

[No. O-1027/47/88-ONG-D-III]

को आ 1272—यतः पेट्रोलियम और जूनियर पाइपलाइन मूर्म में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन सारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को अधिसूचना का आ सं 2843 तारीख 7-9-1988 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुभूमि में विनिर्वाचन भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अधित करने का अपना आवश्यकोंदिन कर दिया था।

और यह भारत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दो है।

और आगे यह केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर शिवार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुभूमि में विनिर्वाचन भूमियों में उपयोग का अधिकार अधित करने का विनिर्वाचन किया है।

अब, यह उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त भूमियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा अधिकार अधिसूचना अधित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुभूमि में विनिर्वाचन उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के लिए एवं द्वारा अधित किया जाता है।

और आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित हुए की बजाय तेव और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी वाधाकारों से मुक्त है एवं घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुभूमि

लनवा जी, जी, ऐस III से श्रोक जो जो ऐस एवम् मी. डी. एक तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य—गुजरात	जिला—मेहसाना	नालका—आण समा	गाँव	सर्वतं	हेटेयर आरे	मेन्टी-
1	2	3	4	5	4	5
मोटप	256	0	17	30		
	234	0	04	20		
	233/3	0	06	30		
	233/2	0	12	25		
	231	0	11	80		

229/पी	0	17	10
229/पी	0	15	90
कार्ट्ट्रैक	0	01	40
220	0	21	00
217	0	15	90
216	0	14	90
कार्ट्ट्रैक	0	01	20
213/2	0	13	98
214	0	01	12
213	0	03	60
210/पी	0	12	96
कार्ट्ट्रैक	0	01	40
209	0	23	80
176/2	0	17	75
175/पी	0	11	80
174/पी	0	12	90
182/पी	0	08	55
182/पी	0	07	87
166	0	07	40
कार्ट्ट्रैक	0	00	90
150	0	00	12
151	0	16	10
154	0	16	80
153	0	05	55
158	0	12	60
157	0	12	80
124	0	05	00
123	0	12	60
120	0	17	50

[मे ओ-11027/163/प्री जन जी डी -III]

S.O. 1272.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 2843 dated 7-9-1988 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Lanva GGS III to Balol GGS/CTE.

State: Gujarat District: Mehsana Taluka: Chanasma

Village	Survey No.	Hectare	Acre	Cantiaire
1	2	3	4	5
Motap	256	0	12	30
	234	0	04	20
233/3		0	06	30
233/2		0	12	25
231		0	11	80
229/P		0	17	40
229/P		0	15	90
Cart track		0	01	40
220		0	21	00
217		0	15	90
216		0	14	90
Cart track		0	01	20
213/2		0	13	98
214		0	01	12
211		0	03	60
210/P		0	12	96
Cart track		0	01	40
209		0	23	80
176/2		0	17	75
178/P		0	11	80
178/P		0	12	90
182/P		0	08	55
182/P		0	07	87
166		0	07	40
Cart track		0	00	80
150		0	00	12
151		0	16	10
154		0	16	80
153		0	05	55
158		0	12	60
157		0	12	80
124		0	05	00
123		0	18	60
120		0	17	50

[No. O-11027/165/88-ONG-D-III]

का'ओ. 1273 :- यह एट्रोलियम और खनिय पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपधारा (1) के अधीन सारत सरकार के एट्रोलियम और प्राकृतिक गैस बोर्ड का ओपरेटर का आ.सं. 2952 तारोंख 1988 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को विभाने के लिए अर्जित करने का अपना आधार घोषित कर दिया था।

ओर यह समझ प्रधिनारां ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दा है।

ओर आगे, यह सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर चिनार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विभार्ते के लिए एतद्वाध अर्जित किया जाता है।

अब, अतः उक्त अधिनियम, का धारा 6 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वाध घोषित करता है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विभार्ते के लिए एतद्वाध अर्जित किया जाता है।

ओर आगे उस धारा को उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देता है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने का बाज़ तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मूक रूप में, धांधणा के प्रकाशन को इस तारोंख को निहित होगा।

अनुसूची

लनवा जी, जी, एस. से लवना I जी, जी, एस. III तक पाइप लाइन विभाने के लिए।

राज्य:- गुजरात जिला:- मेहसाना तालुका :- चाणसम

गाँव	सर्व.नं.	हेक्टेयर	आरे.	भूटी-यर
1	2	3	4	5
लनवा	321/6	0	20	60
	321/5	0	10	00
	321/4	0	20	00
	321/3	0	10	30
	481	0	07	25
	485	0	29	25
	449	0	05	00
	311/2	0	21	80
	309	0	13	90
	308	0	09	40
	307	0	07	70
कार्ट ट्रैक		0	03	50
	257/1	0	11	90
	256	0	15	00
	255	0	10	00
	254	0	10	20
	253	0	08	90
	238	0	14	00
	239	0	00	35
	240	0	08	50
	241	0	08	90
कार्ट ट्रैक		0	14	90
	16/1	0	03	00
	15/1	0	07	50
	15/2	0	07	50
	14	0	01	00
	18/1	0	15	30
	32	0	14	9
	25	0	02	70
	26/1	0	07	30
	26/2	0	04	00
	27	0	09	40
	45/1	0	00	25
	44	0	15	50
	51/पी	0	05	00
	52	0	10	30
	827	0	07	00
कार्ट ट्रैक		0	09	40
	594	0	07	00
	593	0	20	00
	625	0	40	00
काट ट्रैक		0	03	00

[सं. ओ.-11027/147/88-ओ. एन. जी. -III]

S.O. 1273.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 2952 dated 1-9-1988 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Lanva GGS I to Lanva GGS III
State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec.	Acre	Centare	
	1	2	3	4	5
Lanwa	321/6	0	20	60	
	321/5	0	10	00	
	321/4	0	20	00	
	321/3	0	10	30	
	481	0	07	25	
	485	0	29	25	
	449	0	05	00	
	311/2	0	21	80	
	309	0	13	90	
	308	0	09	40	
	307	0	07	70	
	Cart track	0	03	50	
	257/1	0	11	90	
	256	0	15	00	
	255	0	10	00	
	254	0	10	20	
	253	0	08	90	
	238	0	14	00	
	239	0	00	35	
	240	0	08	50	
	241	0	08	90	
	242/1	0	14	90	
	Cart track	0	01	60	
	16/1	0	03	00	
	15/1	0	07	50	
	15/2	0	07	50	
	14	0	01	00	
	18/1	0	15	30	
	32	0	14	90	
	25	0	02	70	
	26/1	0	07	40	
	26/2	0	04	00	
	27	0	09	40	

1	2	3	4	5
45/1	0	00	25	
44	0	15	50	
51/P	0	05	00	
52	0	10	30	
827	0	07	00	
Cart track	0	09	40	
594	0	07	00	
593	0	20	00	
625	0	40	00	
Cart track	0	03	00	

[No. O-11027/147/88-ONG-D-IIJ]

का.प्रा. 1274.—यह ऐतिहासिक और खनिज पाइपलाइन मूर्मि में उत्तरायण के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उत्तरायण (1) के अधीन भारत सरकार के हाथों पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस निवालय की अधिमूचना का.प्रा.सं. 2961 तारीख 13-9-88 हाथा केन्द्रीय सरकार ने इस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट मूर्मियों में उत्तरायण के अधिकार का अधिकार अर्जित करने का अपना आवश्यक घोषित कर दिया था।

और यह सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उत्तरायण (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दें दी है।

और आगे, यह केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात इस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट मूर्मियों में उत्तरायण का अधिकार अर्जित करने का विनिष्टय किया है।

प्रब्र. अन्तः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उत्तरायण (1) हाथा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं हाथा प्रदत्त शक्तियों में उत्तरायण का अधिकार केन्द्रीय सरकार ने निहित होने की बजाय तेव और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से नुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

लनवा जो.जी.एस. I से लनवा जो.जी.एस. III तक पाइप लाइन विछाने के लिए।

संघ	जिला	महानगर	नगरको	वाणसंभा
प्राची	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेक्टोर
1	2	3	4	5
पिंडोज	2779	0	35	40
	2792	0	03	75
	2791/1	0	33	60
	2791/2	0	11	80
	2790	0	14	00
	काट्टेक	0	02	80
	2860	0	08	00
	2882	0	26	00
	2881	0	08	00
	2892	0	19	80
	2893	0	15	20
	91	0	14	00

1	2	3	4	5
धिनोज	90	0	24	90
94	0	04	00	
87	0	09	60	
95	0	25	50	
काट्टेक	0	01	25	
119	0	12	00	
120	0	14	80	
116	0	08	80	
116/1	0	08	00	
108	0	23	60	
109	0	17	00	
490/1	0	12	60	
490/2	0	12	60	
489/1	0	08	40	
489/2	0	07	00	
499	0	16	90	
510	0	12	80	
509	0	04	00	
513	0	16	40	
514	0	02	25	
512	0	10	00	
517	0	10	60	

[सं. ओ. 11027/168/88-ओ. एन. औ. डी.-III]

S.O. 1274.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 1961 dated 13-9-1988 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Lanva GGS I to LANVA GGS III.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
1	2	3	4	5
Dhinoj	2779	0	35	40
	2792	0	03	75
	2791/1	0	33	60

1	2	3	4	5
Dhinoj	2791/2	0	11	80
	2790	0	14	00
	Cart track	0	02	80
	2860	0	08	00
	2882	0	26	00
	2881	0	08	00
	2892	0	19	80
	2893	0	15	20
	91	0	14	00
	90	0	24	90
	94	0	04	00
	87	0	09	60
	95	0	25	50
	Cart track	0	01	25
	119	0	12	00
	120	0	14	80
	116	0	08	80
	116/1	0	08	00
	108	0	23	60
	109	0	17	00
	490/1	0	12	60
	490/2	0	12	60
	489/1	0	08	40
	489/2	0	07	00
	499	0	16	90
	510	0	12	80
	509	0	04	00
	513	0	16	40
	514	0	02	25
	512	0	10	00
	517	0	10	60

[No. O-11027/168/88-ONG-D-III]

का. आ. 1275.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिन में यह प्राथमिक है कि गुजरात राज्य में कूर नं. 29 में कूप सं. 15 से डबका जी.एस.सी. तक पेट्रोलियम के परिष्कृत के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिलाने के प्रयोजन के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपचारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एवं द्वारा घोषित किया है।

अब: इब एंट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपचारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एवं द्वारा घोषित किया है।

बगते कि उक्त भूमि में हिन्दूश जौर्दार अधिकार का अर्जन के लिये आवश्यक सभी प्राधिकारी सेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्बाचन और वेल जाति प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिकृतना की सारीश से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आवश्यक करने वाला हर अधिकारी विनियोगी यह सी कठन करेगा कि क्या वह यह आवाहा है कि उसको सुनवाई अधिकृतगत रूप से ही या किसी विधि अवश्यकीय की मार्फत।

४ अनुसूची

कूप नं. 29 से कूप नं. 15 से डबका जी० सी० एस. तक पाइपलाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	ज़िला : बड़ोदा	तालुका : पाद्रा	गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	भारे.	सेन्टीमीटर
1	2	3	4	5			
कुराल	397	0	03	30			
	396	0	13	80			
	395	0	02	25			
	394	0	06	00			
		0	02	25			

[सं. ओ.-11027/53/89-ओएनजी. ओ.-III]

S.O. 1275.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. 29 to W. No. 15 to Dabka G. C. S. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. 29 to Well No. 15 to Dabka GCS.

State : Gujarat District : Baroda Taluka : Padra

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Cent-taire	1	2	3	4	5
Kural	397	0	03	30					
	396	0	13	80					
	395	0	02	25					
	394	0	06	00					
	Cart track	0	02	25					

[No. O-11027/53/89-ONG-D-III]

का. मा. 1276:—यह केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिन में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं. 29 से कूप नं. 15 से डबका जी० सी० एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेज तरीका प्राप्ति के लिये आवश्यक है।

और यह: यह प्रतीत होता है कि पेसी भाइर्नों का बिछाने के प्रयोजन के लिये एनुसूचित अनुसूची में वर्णित भूमि में उत्तरोत्तर वाहनों का अधिकार अर्जित करता आवश्यक है।

अतः भूमि पेट्रोलियम और बनिज पाइपलाइन (भूमि में उत्तरोत्तर के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा)द्वारा प्रबल शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार

ने उपर्योग का अधिकार अर्जित करने का प्रयत्न आशय एवं विवाद घोषित किया है।

वर्णते कि उत्तर सूची में दिखवाये गये ब्लॉक, जो मूल के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आवश्यक सक्षम प्राधिकारी तेज तरीका प्राप्ति के लिये आवश्यक, निर्माण और देख जाते प्रत्याग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 का इस अधिकृतना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर लक्ष्य।

और ऐसा आवश्यक करने वाला हर व्यक्ति विनियमित: यह भी कथन करता है कि जो यह वह आहता है कि उत्तरोत्तर सुनार्ह अर्जित हो तो हो या किसी विधि व्यवसायी की वारंग।

अनुसूची

कूप नं. 29 से कूप नं. 15 से डबका जी० सी० एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	ज़िला : बड़ोदा	तालुका : पाद्रा	गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	भारे.	सेन्टीमीटर
पिंडापाठ	592				0	13	00
	616				0	00	50
	590				0	03	00
	591				0	06	75
	589				0	11	10
	588				0	14	10
	585				0	06	75
	571				0	01	30
	570				0	00	20
	572				0	18	15
	574				0	12	15
	566				9	09	00
	565				0	11	25
	547				0	16	95
	548				0	06	75
					0	01	20
	543				0	07	95
	523				0	13	35
	524				0	09	75
	525				0	09	75
					0	01	35

[सं. ओ.-11027/51/89-ओ एन जी. ओ.-III]

S.O. 1276.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. 29 to Well No. 15 to Dabka G.C.S. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. 29 to Well No. 15 to Dabka GCS.

State : Gujarat District : Baroda Taluka : Padra

Village	Block No.	Hec-tare	Arc-tiare	Centi-tiare
1	2	3	4	5
Pindapa	592	0	13	00
	616	0	00	50
	590	0	03	00
	591	0	06	75
	589	0	11	10
	588	0	14	70
	585	0	06	75
	571	0	01	30
	570	0	00	20
	572	0	18	15
	574	0	12	15
	566	0	09	00
	565	0	11	25
	547	0	16	95
	548	0	06	75
	Cart track	0	01	20
	543	0	07	95
	523	0	13	35
	524	0	09	75
	525	0	09	75
	Cart track	0	01	35

[No. O-11027/51/89-O NG-D-III]

का. प्रा. 1277.—यह केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकवित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में टी. पोइंट ए बी जी एन से आर. एस. नं. 49/1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाह्य पाइप लाइन सेवा तथा प्राकृतिक गैस आपोग द्वारा विभाई जानी जाएगी।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपों वो विभाने के प्रयोग जन के लिये एन्डपाइप अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्राप्ति करना आवश्यक है।

प्रत. अब पेट्रोलियम और अनिच पाह्य पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अस्तित्वों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्राप्ति करने का अपना आशय एन्डपाइप घोषित किया है:

बायाँ कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाह्य पाइप लिये विभाने के लिए आक्षेप, समझ प्राप्तिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आपोग, निर्माण और देखभाल प्रयोग, मफरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिकूचा की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्ट है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से ही या फिसी दिशि व्यवसायी की मार्फत।

अनुमति

टी. पोइंट ए. बी जी एन से आर. एस. नं. 49/1 तक पाह्य पाइप लाइन विभाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : भरुच	नामुका : अंकलेश्वर		
गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर. एस. नं.	केंद्रीय
1	2	3	4	5
अंकलेश्वर	834	0	17	10
	146	0	18	75

1	2	3	4	5
	147	0	07	00
	157	0	22	80
	काटं ट्रैक	1	53	20
	156	0	02	50
	155/1	0	01	40
	155/2	0	00	10
	173/2	0	00	30
	173/3	0	01	40
	173/4	0	00	20
	50/B	0	03	30

[सं. ओ-11027/49/89-ओप्पनजी-सी-III]

S.O. 1277.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from T. Point on ABGL to R. S. No. 49/1 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from T. Point on ABGL to R.S. No. 49/1
State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Ankleshwar

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centi-tiare
1	2	3	4	5
Ankleshwar	834	0	17	10
	146	0	18	75
	147	0	07	00
	157	0	22	80
	Cart track	1	53	20
	156	0	02	50
	155/1	0	01	40
	155/2	0	00	10
	174	0	03	15
	162	0	00	20
	163/2/P	0	01	95
	173/2	0	00	30
	173/3	0	01	40
	173/4	0	00	20
	50/B	0	03	30

[No. O-11027/49/89-O NG-D-III]

1278.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में लनवा-2 से लनवा ईपी.एस.4 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एन्ड्रेपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्राप्ति करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्राप्तन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपस्थापा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्राप्ति करने का प्रपत्ता आशय एतद्वारा घोषित किया है :

बास्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये आवश्यक समझौते प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, नियाण और देखभाल प्रभाग, मकारपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप में हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत।

अनुसूची

लनवा-2 से लनवा ईपी.एस.4 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए
राज्य: गुजरात जिला : मेहसांवा तालुका : चाणगम्भा

गांव	स्लाइन नं.	हेक्टेयर	आर	सेंटीयर
दानोदारा	332	0	06	12
	331	0	09	60
	330	0	09	36
	416	0	06	00
	423	0	03	84
	422	0	04	44
	421	0	05	28
	420	0	05	88
	428	0	04	20
	436/2	0	14	52
	440	0	09	36
	439	0	08	40
	500	0	10	56
	498	0	05	63
	497	0	04	08

[सं. ओ-11027/40/89-ओएनजी-सी-III]

S.O. 1278.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lanwa-2 to Lanwa, EPS-4 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent

Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Lanwa-2 to Lanwa EPS 4

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec-tare	Acre	Centiare
1	2	3	4	5
Danodarda	332	0	06	12
	331	0	09	60
	330	0	09	36
	416	0	06	00
	423	0	03	84
	422	0	04	44
	421	0	05	28
	420	0	05	88
	428	0	04	20
	436/2	0	14	52
	440	0	09	36
	439	0	08	40
	500	0	10	56
	498	0	05	63
	497	0	04	08

[No. O-11027/40/89-ONG-D-III]

का. प्रा. 1279.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में मोटावान जी.सी.एस से जी. जी. एस-2 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एन्ड्रेपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्राप्ति करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्राप्तन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपस्थापा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्राप्ति करने का प्रपत्ता आशय एतद्वारा घोषित किया है :

बास्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आवश्यक समझौते प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, नियाण और देखभाल प्रभाग, मकारपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप में हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत।

अनुसूची

मोटावान (जी. सी.एस.) से जी. जी. एस-2 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला: भरुच तालुका: मांसेनवर

गांव	स्लाइन नं.	हेक्टेयर	आर	सेंटीयर
मोटावान	120	0	42	51
	119	0	03	64
	123	0	08	19

[सं. ओ-11027/52/89-ओएनजी-सी-III]

S.O. 1279.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Motwan GCS to G.A.S-2 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Motwan (GCS) To GCS-2.

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Alirkeshwar	Block No.	Hec-tare	Are	Centiares	
Village	1	2	3	4	5
Motwar.	120	0	42	51	
	119	0	03	64	
	123	0	08	19	

[No. O-11027/52/89-ONG-D-II]

का. आ. 1280.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन. के. एच. एल. से एन. के. ओ. आई से एम. के. सी. टी. एफ. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाहों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्यावद् अन्तर्मुखी में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और अनिंज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अंजित करने का आपना आयाम प्रक्रिया घोषित किया है :

बत्तें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आवश्यक सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देशभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आवश्यक करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी मुनाफाई व्यक्तिगत रूप से ही या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अन्तर्मुखी

एन. के. एच. एल. से एन. के. ओ. आई से एम. के. सी. टी. एफ. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाना	तालुका : कठी		
गांव	सर्वे नं.	हेक्टेडर	आर.	सेन्टीयर
मुरज्ज	762/1	0	13	32
	762/3	0	11	28

[सं. आ-11027/48/89-ओग्न-जी-III]

S.O. 1280.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKHL to NKGI to NKCTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :-

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from NKHL to NKGI to NKCTF.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiares	
Village	1	2	3	4	5
Surej	762/1	0	13	32	
	762/3	0	11	28	

[No. O-11027/48/89-ONG-D-III]

का. आ. 1281.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन. के. ओ. एस. से एन. के. जी.ओ.एस. III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाहों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्यावद् अन्तर्मुखी में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और अनिंज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की (1) उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अंजित करने का आपना आशय एतद्यावद् घोषित किया है :

बत्तें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आवश्यक सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देशभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आवश्यक करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी मुनाफाई व्यक्तिगत रूप से ही या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एन. के. जी. एस. से एन. के. जी. जी. एम. III तक पाल्पत्र लाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला व तालुका : मेहसाना

गांव	मवे नं	हेक्टेयर	आर.	मेटीयर
धनपुरा	473	0	04	44
	474/1	0	04	44
	474/5	0	05	15
	475	0	08	88
	476	0	04	44
	477	0	03	96
	492	0	01	68
	486/2	0	00	60
	491	0	03	72

[म. श्रो. - 11027/47/89-ओएन जी-III]

S.O. 1281.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKGS to NKGGS-III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDE

Pipeline from NKGS to NK GGS III

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tares			Cen- tiare
		2	3	4	
Dhanpura	473	0	04	44	
	474/1	0	04	44	
	474/5	0	05	15	
	475	0	08	88	
	476	0	04	44	
	477	0	03	96	
	492	0	01	68	
	486/2	0	03	60	
	491	0	03	72	

[No. O-11027/47/89-ONG-D-III]

का. आ० 1282.—यतः फेड्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकृति में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन. के. जी. यू. से एन. के. सी. श्रो. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाल्पत्र लाइन तेल तथा प्राचीन तैन प्रांतों ताला विभाजित जानी चाहिए।

ओर यतः 'यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एनदुपाल्प ग्रन्तिसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।'

यतः अब पेट्रोलियम श्रो. व्यनिज पाल्प लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपायाग (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने जूमे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एनदुपाल्प घोषित किया है :

वर्णन कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाल्प लाइन बिछाने के लिए आशेष मक्षम प्राविकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देवसाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, अड़िया-9 को हस अधिसूचना वी नारील 31 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर. श्रो. आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उम्मी गुनवार्ह व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की सार्वतंत्रता।

अनुसूची

एन. के. जी. यू. से एन. के. सी. श्रो. तक पाल्प लाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला व तालुका : मेहसाना

गांव	मवे नं	हेक्टेयर	आर.	मेटीयर
धनपुरा	540	0	06	00
	542	0	02	16
	514	0	03	96
	513	0	00	96

[म. श्रो. 11027/41/89-श्रो. एन. जी. ई-III]

S.O. 1282.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKGU to NKCO in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDE

Pipeline from NKGU to NKCO

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tares	Are Centi- are	5
1	2	3	4	5
Dhanpura	540	0	06	00
	542	0	02	16
	514	0	03	96
	513	0	00	96

[No. O-11027/41/89-ONG-D-III]

का, या, 1283—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि सुनरात राज्य में एन. के. बी. पी. से एन. के. जी. जी. एम. III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस उपयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबुद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अब: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एनद्वारा घोषित किया है।

मार्गे कि उक्त भूमि में हितबुद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देवभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करते वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एन. के. बी. बी. से एन. के. जी. जी. एम. III तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : व तालुका : महमाना

गांव	सर्वोन्न.	ट्रैक्टर	आर.	सेन्ट्रीयर
धन पुरा	588/2	0	08	04
	589	0	08	76
	590	0	06	60
	591/2	0	04	80
	591/4	0	02	88
	591/1	0	02	76

[सं. आ.-11027/46/89-ओ. एन. जी. -ी-III]

S.O. 1283.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKBV to NK GGS-III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specially whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from NKEV to NK GGS III

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-	Arc-	Con-	tiare
1	2	3	4	5	
Dhangura	582/2	0	08	04	
	589	0	08	76	
	590	0	06	60	
	591/2	0	04	80	
	591/4	0	02	88	
	591/1	0	02	76	

[No. O-11027/46/89-ONG-D-III]

का. या. 1284.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि सुनरात राज्य से कृषि नं. 29 से, कृषि नं. 15 से डबका जी. सी. एम. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस उपयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबुद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अब: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एनद्वारा घोषित किया है।

मार्गे कि उक्त भूमि में हितबुद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देवभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करते वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

कृषि नं. 29 से कृषि नं. 15 से डबका जी. सी. एम. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : बड़ौदा तालुका : पादग

गांव	सर्वोन्न.	ट्रैक्टर	आर.	सेन्ट्रीयर
कोभा	1464	0	10	20
	1471/3	0	00	50
	1471/41पी	0	07	50
	1471/41पी	0	07	20
	1471/1	0	08	55
	1519	0	03	00
	वेस्टलैंड	0	06	00
	54	0	03	30
	55	0	12	90
	58/3	0	04	95
	57	0	09	00
	58/1	0	06	15
	65/2	0	06	30

1	2	3	4	5
65/1	0	08	55	
66	0	01	63	
64/3	0	10	35	
64/1	0	13	80	
63/1	0	08	70	
Kans	0	03	30	
74	0	04	50	
75	0	12	45	
76/1/A	0	05	70	
Cart track	0	01	50	

[S. O. 11027/50/89-ONG-D-III]

S.O. 1284.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. 29 to Well No. 15 to Dabka G.C.S. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. 29 to Well No. 15 Dabka GCS.

State : Gujarat District : Baroda Taluka : Padra

Village	Survey No.	Hec- tare	Arc-	Cen- tiaic
Mobha	1464	0	10	20
	1471/3	0	00	50
	1471/41P	0	07	50
	1471/41P	0	07	20
	1471/1	0	08	55
	1519	0	03	00
	Waste land	0	06	00
	54	0	03	30
	55	0	12	90
	58/3	0	04	95
	57	0	09	00
	58/1	0	06	15
	65/2	0	06	30
	65/1	0	08	55
	66	0	01	65
	64/3	0	10	35
	64/1	0	13	80
	63/1	0	08	70
	Kans	0	03	53
	74	0	04	30
	75	0	12	45
	76/1/A	0	05	70
	Cart track	0	01	50

[N.O. O-11027/50/89-ONG-D-III]

का. प्रा. 1285.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकसभा में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जाटोना-14 से जाटोना-33 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस उपयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

प्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एटद्वारा अनुसूचित में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

प्रतः प्रबंध पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रबंध शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का प्रयत्न आमाय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्धु कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस उपयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

प्रीर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या यह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत स्पष्ट स्तर पर हो। किसी विधि व्यवसायी की माफ़त।

अनुसूची

स्थाना—14 से स्थाना—33 तक पाइप लाइन बिछाने के लिये	जिला मेहसाना	तालुका : मेहसाना
राज्य : गांव	ब्लॉक नं.	हेस्टियर प्रा. सेन्टीयर
मोकनज	1100	0 15 96
	1094	0 03 96
	1089	0 02 28
	1094	0 03 12
	1093	0 05 28
	1091	0 11 40

[S. O. 11027/42/89-ओएनजी-ई-III]

S.O. 1285.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Jotana-14 to Jotana-33 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Jotana--14 to Jotana -33

State : G.jar at District : Mehsana Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hec-tare	Acre	Centia-re
1	2	3	4	5
Manknaj	1100	0	15	96
	1094	0	03	96
	1089	0	02	28
	1094	0	03	12
	1093	0	05	28
	1091	0	11	40

[No. O-11027/42/89/ONG-D-III]

का०आ० 1286—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बी.एल. के डी (109) संभाक ई.पी.एस.-II तक पैद्योलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

ओर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईंगों को बिलाने के प्रयोजन के लिये एतदुपायद ग्रन्तसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैद्योलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का ग्रन्ता आवश्यक एतद्वारा घोषित किया है।

बास्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाईन बिलाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी नेत्र तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निमण और देव भाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ओर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विट्टः यह भी कथा करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि अवसायी की मार्फत।

ग्रन्तसूची

बी.एल.के.डी. (109) से ड्वोक ई.पी.एस.- तक पाइन लाईन बिलाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाना	तालुका :	मेहसाना
गांव	संख्या नं.	हैंडेक्यर	भार. सेन्टीयर
दलोली	790	0	07
	797	0	08
	798	0	09
	800	0	05
झोट्ट द्रेक	0	00	72
6/1	0	14	16
7	0	06	48
8	0	07	44
93/1 एड 2	0	09	36
94/1	0	03	36
94/2	0	04	20
95/1	0	03	48

[सं. ओ-11027/43/89-ग्रो एन जी-III]

S.O. 1286.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from BLKD-(109) to Balol-EPS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from BLKD (109) to Balol EPS-II

State : G.jar at Dist. : M-hsana Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Acre	Centia-re
Deloli	790	0	07	68
	797	0	08	76
	798	0	09	72
	800	0	05	16
Cart track	0	00	72	
6/1	0	14	16	
7	0	06	48	
8	0	07	44	
93/1 & 2	0	09	36	
94/1	0	03	36	
94/2	0	04	20	
95/1	0	03	48	

[No. O-11027/43/89-ONG-D-III]

का०आ० 1287.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस.ई. डब्ल्यू. से ए.म.शी.टी. तक पैद्योलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

अतः अब पैद्योलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का ग्रन्ता आवश्यक एतद्वारा घोषित किया है।

बास्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाईन बिलाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी सेन तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निमण और देव भाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ओर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विट्टः यह भी कथा करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि अवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एम.ई.डब्ल्यू. से एम.डी.टी. तक पाइप लाईन विभाने के लिए।

राज्य : गुजरात

ज़िला : व तालुका : मेहसाना

गांव	ठाक नं.	हेक्टेयर आर.	सेंटीयर
रामपुरा	209	0	06 12
	184	0	07 56
	185	0	08 40
	186	0	16 80
	189	0	00 84
	186	0	04 20
	194	0	05 76
	193	0	09 96
	192	0	16 08

[सं. ओ-1102 / 14/89-ओ एन.डी-3]

S.O. 1287.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SEW to SDT in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from SEW to SDT

State : Gujarat	District & Taluka : Mehsana			
Village	Block No.	Hectare	Arc Centiyo	
1	2	3	4	5
Ranipura	209	0	06 12	
	184	0	07 56	
	185	0	08 40	
	186	0	16 80	
	189	0	00 84	
	186	0	04 20	
	194	0	05 76	
	193	0	09 96	
	192	0	16 08	

[No. O-11027/44/89-ONG-D-III]

का.आ. 1288.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि नोकहिंग में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन.डी.पी. से एन.डी.पी.एस.-3 तक पैद्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन तेल नथा प्राकृतिक रौप्य आयोग द्वारा विभाने चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी नाईंगों को विभाने के प्रयोजन के लिये एस.डब्ल्यू.एस. अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करता आवश्यक है।

यतः श्रव पैद्रोलियम और ब्लैन्ज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अस्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आवश्यक एतद्वारा संघित किया है।

वर्तमान कि जक्त भूमि में हितबद्ध कोई अस्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाईन विभाने के लिए आक्षेप संशम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक रौप्य आयोग, निर्माण और वेखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अविसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकता।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह वह आहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी भी मार्फत।

अनुसूची

एन.डी.पी. से एन.डी.पी.एस.-3 तक पाइप लाईन विभाने के लिए

राज्य : गुजरात	ज़िला व तालुका : मेहसाना		
गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर आर.	सेंटीयर
फटोसन	644	0	06 72
	645	0	06 96
	647	0	07 20

[सं. ओ-11027/45/89-ओ एन.डी-III]

के. विवेकामत्थ, डेस्क अधिकारी

S.O. 1288.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NWBV o NK GCS-III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of their in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from NWBV to NK GCS III

State : Gujarat	District & Taluka : Mehsana			
Village	Survey No.	Hec-tare	Arc Centiyo	
Katosan	644	0	06 72	
	645	0	06 96	
	647	0	07 20	

[No. O-11027/45/89-ONG-D-III]

K. VIVEKANAND, Desk Officer

नई लिपि, 18 मई, 1989

का. आ. 1289.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मन्त्रालय की अधिमूलना वा आ में 214 तारीख 28-1-89 द्वारा केंद्रीय सरकार ने उस अधिमूलना में गवलन अनुमूली में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को अनोइ बेड और केबल्स के लिए अर्जित करने का अपना आण्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्तम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

ओर आगे, यतः केंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिमूलना में संलग्न अनुमूली में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियम किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केंद्रीय सरकार में निहित होने की आजाय रैम अथोरिटी आफ इंडिया पि. रैमन विलिंग, आर सी दत्त रोड, बोडीशन मधी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की हम तारीख को निहित होगा।

अनुमूली

श्रेनोइ बेड और केबल्स के लिए हजारी-भीजयपुर-जगदीशपुर पाईप लाईन
राज्य: गुजरात जिला: सूरत तहसील: मांगरोल

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर	सेंटीयर
कोसम्बा	125	0	07	45

[स. ओ-14016/1/89-जी.पी.]

New Delhi, the 18th May, 1989

S.O. 1289.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and N.G. S.O. 213 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline, for Anode bad and Cables.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline for Anode bad and cables.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in

Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

For Anode bad and Cables in Hazira-Bijaipur-Jagdishpur State Gujarat, District- Surat Taluka Mangrol

Village	Survey No.	Hec-	Are	Cen-
		tate		teare
Kosamba	435	0	07	45

[No. O-14016/1/89-GP]

का.आ. 1290—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मन्त्रालय की अधिमूलना वा.आ.म. 214 तारीख 28-1-89 द्वारा केंद्रीय सरकार ने उस अधिमूलना से संलग्न अनुमूली में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियम किया था।

आगे अतः सक्तम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) को रिपोर्ट दे दी है।

ओर आगे, यतः केंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिमूलना में संलग्न अनुमूली में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियम किया है।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 6 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एन्ड्वारा घोषित करती है कि इस अधिमूलना में संलग्न अनुमूली में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपधारा का अधिकार श्रेनोइ बेड और केबल्स के लिए एन्ड्वारा अर्जित किया जाना है।

ओर आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार लिरेंग देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केंद्रीय सरकार में निहित होने के आजाय रैम अथोरिटी आफ इंडिया पि. रैमन विलिंग, आर सी दत्त रोड, बोडीशन मधी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की हम तारीख को निहित होगा।

अनुमूली

श्रेनोइ बेड और केबल्स के लिए हजारी-भीजयपुर-जगदीशपुर पाईप लाईन
राज्य: गुजरात जिला: पंचमहल तहसील: बेवगढ़ बारीआ

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर	सेंटीयर
शेरपुरा	61	0	06	05
	63	0	02	26
	81/1	0	02	80

[स. ओ-14016/2/89-जी.पी.]

S.O. 1290.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 214 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline: for Anode bad and Cables.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline for Anode bad and cables.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from all encumbrances.

SCHEDULE

For Anode bad and Cables in Hazira Bijapur--
Jagdishpur

State : Gujarat, District : Panchmahal Taluka : D. Baria

Village	Survey No.	Hec-tor	Acre	Cent- tearo
Sherpura	61	0	06	05
	63	0	02	26
	81/1	0	02	80

[No. O-14016/2/89-GP]

का. आ. 1291.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पार्किंगलैन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का.आ.सं. 215 तारीख 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुमूली में विनिश्चित भूमियों में उपयोग के अधिकार को घेनोड बेड और केवल्स के लिए अंजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्रम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

ओर आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुमूली में विनिश्चित भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 6 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुमूली में विनिश्चित उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार घेनोड बेड और केवल्स के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अंजित किया जाता है।

ओर आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजाय गैस अथोरीटी ऑफ इंडिया लि. वर्षण बिल्डिंग, आर. सी. दह रोड, वडोदरा सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन को इस तारीख को निहित होगा।

अनुमूली

राज्य : गुजरात	जिला : बडोदरा	तहसील : करजण		
गांव	सर्वेन.	हेक्टर	आर.	सेटीयर
बेमार	350	0	00	80
	355	0	06	72

[स. ओ-14016/3/89-जी फी]

S.O. 1291.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 215 dated 28th January, 1989 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for Anode bad and cables.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline for Anode bad and cables.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

For Anode bad and Cables in Hazira--Bijaipur--
Jagdishpur

State : Gujarat, District : Baroda Taluka : Karjan

Village	Survey No.	Hec-tor	Acre	Cent- tearo
Vemar	350	0	00	80
	355	0	06	72

[No. O-14016/3/89-GP]

का. आ. 1292.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पालामाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का.आ.सं. 216 तारीख 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुमूली में विनिश्चित भूमियों में उपयोग के अधिकार घेनोड बेड और केवल्स के लिए अंजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्रम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

ओर आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुमूली में विनिश्चित भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनिश्चय किया है।

अब; अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुमूली में विनिश्चित उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार घेनोड बेड और केवल्स के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अंजित किया जाता है।

ओर आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजाय गैस अथोरीटी ऑफ इंडिया लि. वर्षण बिल्डिंग, आर. सी. दह रोड, वडोदरा, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन को इस तारीख को निहित होगा।

धनुसूची

ओनोड बेड और केबल के लिए हजारीगढ़ीजगदीश्वर पार्श्व पार्श्व
लाइन

राज्य—गुजरात, जिला—पंचमहाल तहसील—लोभोड़ा

गांव	सर्वे नंबर	हेक्टर	आर	सेन्टीयर
जावाहरीया	150	0	14	07

[सं. ओ-14016/4/89-जी. पी.]

S.O. 1292.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 216 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline, for Anode bad and Cables.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline. For Anode bad right of user in the said lands shall instead of vesting in and Cables.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

For Anode bad and Cables in Hazira-Bijaipur-Jagdishpur
State : Gujarat District : Panchmahal

Taluka : Limkheda

Village	Survey No.	Hec-tor	Are	Cen-teare
Jadkher	150	0	14	07

[No. O-14016/4/89-G.P.]

का.आ. 1293.—यतः पेट्रोलियम और धनिया पाल्प लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रतीक्षी भारत सरकार के पेट्रोलियम भवालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिकृतना का, आ. सं. 217 तारीख 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार से उस अधिभूतना से मूलगत धनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को ओनोड बेड और केबल के लिए अर्जित करने का अग्राम घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देनी है।

आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिभूतना से मूलगत धनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिभूतना में सूलगत धनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार ओनोड बेड और केबल के प्रयोगन के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाना है।

और आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार ओनोड और केबल से निहित होने की वजाय गैस अयोरोटी पांफ हस्तिया तथा, वर्णग विलंग, आर. सी. वस रोड, वडोवरा, सभी वाधाओं ये मूल रूप में धोखणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

धनुसूची

ओनोड बेड और केबल के लिए हजारीगढ़ीजगदीश्वर पार्श्व
लाइन

राज्य—गुजरात जिला :—पंचमहाल तहसील :—हालोल

गांव	सर्वे नंबर	हेक्टर	आर	सेन्टीयर
सुलतानपुरा	61	0	02	79
	62	0	06	25

[सं. ओ-14016/5/89-जी. पी.]

S.O. 1293.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 217 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline; for Anode bad and cables.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline. For Anode bad and Cables.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

For Anode bad and Cables in Hazira-Bijaipur-Jagdishpur

State : Gujarat District : Panchmahal

Taluka : Halol

Village	Survey No.	Hec-tor	Are	Cen-teare
Sultanaura	61	0	02	79
	62	0	06	25

[No. O-14016/5/89-GP]

का. आ. 1294.—यम् पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. स. 218 तारीख 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम् अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को ऐनोड बेड और केबल्स के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था;

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को गिरोह देंदी है;

और आगे, यदि केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विविच्य किया है;

अब; अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय गैम ओयोरिटी और इन्डिया लि. दर्जन विलिंग, आर. सी. दस्त रोड, बडोदरा, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन के दृश्य तारीख को निहित होगा;

अनुसूची

ऐनोड बेड और केबल्स के लिए हजारी-वीजयपुर-जगदीणपुर पार्श्व लाईन राज्य—गुजरात, जिला—बडोदरा तहसील—बाघोड़ीया

गाँव	मर्वे संघर	हेक्टर	आरे सेन्टिमीटरे
बाघोड़ीया	गाडावाट	0 03	75

[सं. ओ-14016/6/89-जी. पी.]

S.O. 1294.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 218 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for Anode bad and cables;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline. For Anode bad and cables;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

For Anode bad and Cables in Hazira—Bijaipur—Jagdishpur State : Gujarat District : Baroda Taluka : Waghdodia

Village	Survey No.	Hec.	Arc.	Cent-
	Cart-Track	0	03	75
Waghdodia				

[No. O-14016/6/89-GP]

का. आ. म. 1295.—यम् पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय या अधिसूचना वा. आ. स. 219 तारीख 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम् अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विविच्य किया है;

अब; अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को गिरोह देंदी है;

और आगे, यदि केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विविच्य किया है;

अब; अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विविच्य किया है;

अब; अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाता है;

अब; आगे उग धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय गैम ओयोरिटी और इन्डिया लि. दर्जन विलिंग, आर. सी. दस्त रोड, बडोदरा, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन कि इस तारीख को निहित होगा;

अनुसूची

ऐनोड बेड और केबल्स के लिए हजारी-वीजयपुर-जगदीणपुर पार्श्व लाईन राज्य—गुजरात, जिला—बडोदरा तहसील—बाघोड़ीया

गाँव	मर्वे नं०	हेक्टर	आरे सेन्टिमीटरे
बाघपुरा	4	0	05 20
	7	0	02 50
	8	0	01 85
	9	0	94 10

[सं. ओ-14016/7/89-जी. पी.]

S.O. 1295.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 219 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for Anode bad and cables;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline for Anode bad and cables;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

For Anode bad and Cables in Hazira-Bijaipur-Jagdishpur
State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Waghadia

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
Vaghpara	4	0	05	20
	7	0	02	50
	8	0	01	85
	9	0	94	10

[No. O-14016/7/89-G.P.]

का. आ. 1296.—योः पेट्रोलियम और खनिज पार्हालाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का व्यवस्था) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपवारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय, पेट्रोलियम विमान के अधिकृतना का. आ. न. 220 द्वारा 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम अधिसूचना से सम्बन्धित अनुसूची में विनियित भूमियों में उपयोग के अधिकार को अनोडबेड और केवलन के लिए अंजित करने का अपना आशय प्राप्ति कर दिया था;

ओर यह : सरकार अधिनियम ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपवारा (1) के अधीन सरकार को दिया है ;

और आगे, यह : केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात हम अधिसूचना से सम्बन्धित अनुसूची में विनियित भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनियय दिया है ;

अब, अब : उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपवारा (1) द्वारा प्रदत्त यक्ति का प्रदेश करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा धारित वर्गों हैं कि इस अधिकृतना में सम्बन्धित अनुसूची में विनियित उपयोग भूमियों में उपयोग का अधिकार अनोड बेड, और केवलन के प्रयोजन लिए एवं द्वारा अंजित दिया जाना है,

और आगे उन धारा की आधारा (4) द्वारा प्रदत्त यक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित हैं कि वजाय गैस अण्डीरिटा और इंडिया लि., उपर्युक्त विलडा, आर. सी. इत रोड बड़ेदरा, सभी बांधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस गोप्यता को निर्दित होता।

अनुसूची

वार्धार्डी का आई पी सी एन पार्श्व लॉटेशन

संख्या ३५८०८८८ विमा बड़ेदरा, तहसील बड़ेदरा,

रोड	सर्वे नंबर	हेक्टर	आरे	सेटियर
हरणा	607	0	35	41
	608/2	0	36	42

[म. ओ-14016/8/89 जीपी]

S.O. 1296.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 220 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline; for Anode bad and cables;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification,

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline for Anode bad and cables;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd, free from all encumbrance.

SCHEDULE

Vaghodia to I.P.C.I., Gas Pipe Line

State : Gujarat District : Baroda Taluka : Baroda

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
Harni	607	0	35	41
	608/2	0	36	42

[No. O-14016/8/89-G.P.]

का. आ. 1297.—यह : केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बांधार्डीया से आई पी सी एन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पार्श्वपालाईन तैस और्डरिटी और इन्डिया लि. द्वारा दिया जाने चाहिए ;

अंतर्याम : यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों की अनोडबेड और केवलन के लिये एतत्पावद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित होना आवश्यक है ;

अब : अब पेट्रोलियम और खनिज पार्श्वपालाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का व्यवस्था) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपवारा (1) द्वारा प्रदत्त यक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उपयोग का अधिकार अंजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है :

बास्ते कि उक्त भूमि में हितवद्धु काई अफिल उक्त भूमि के निचे लाइन विलडा के लिए आधीरा मध्यम प्राधिकारी, जैस और्डरिटी

आप हार्दीया लि. धर्म विलोग, शार सी. वस नोड, बड़ोदरा का।
इस अधिसूचना की तारीख 21 विनों के भेटर कर सकता।

मीर एमा आक्षेप करने वाला हर डिल विनियोजन महं भी
कथन करेगो कि यह चाहता है कि उसकी सुनवाई विकल्प हो या
विधि अवसायो को भारत।

अनुसूची

अनोड भेड श्रीर केबल्स के लिए बांदोड़ा से आई पां सो.
एल गेस पाइप लाईन,

राज्य	गुजरात	जिला-बड़ोदरा	तहसील बड़ोदरा	
गांव	सर्वेनवर	हेक्टर	भार	सेटिम्पर
रणोली	गांधारा	0	02	50

[सं औ. 14016/9/89-जो दो]
राकेश कक्षण, उप सचिव

S.O. 1297.—Whereas it appears to the Central Government
that it is necessary in the public interest that for the transport
of Petroleum from Vaghodia to IPCL in Gujarat State pipe-
line should be laid by the Gas Authority India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such
pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the
land described in the Schedule annexed hereto for Anode and
Cables.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-
section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals
Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act,
1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares
its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may,
within 21 days from the date of this notification, object to the
laying of the pipeline under the land to the Competent
Authority, Gas Authority of India Ltd. Darpan Building
R. C. Dutt Road, Vadodara-5.

And every person making such an objection shall also state
specifically whether he wishes to be heard in person or by legal
practitioner.

SCHEDULE

For Anodebed and Cables in Waghodia—IPCL Pipe Line

State : Gujarat District : Baroda Taluka : Baroda

Village	Survey No.	Hec tor	Arc tear	Cent tear
Ranoli	Cart-track	0	02	50

[No. O-14016/9/89-G.P.]
RAKESH KACKER, Dy. Secy.

कृषि भवालय

(कृषि भीर सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1989

का. घा. 1298—कृषि सरकार, राजभाषा (संस्कृत भास्त्राय प्रयोगमें
के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उपनियम (4)
अनुसरण में एतद्वारा कृषि भवालय (कृषि भीर सहकारिता विभाग)

के निम्नलिखित कार्यालयों को भिसके कामचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक
जान प्राप्त कर लिया, अधिसूचित करते हैं :

1. राष्ट्रीय तिलान और बनस्पति

लेल विकास बोर्ड,
पोस्ट बाक्स नं. 22, 975,
सेक्टर-14
गुडगांव-122001

2. केन्द्रीय भेड प्रजनन कार्यालय

पोस्ट बाक्स नं. 10 हिसार

(हरियाणा)

केन्द्रीय कार्यालय,
नेशनल लाइस कार्पोरेशन लि.,
62 मालवीय नगर,
भोपाल-462003

3. प्रभागीय कार्यालय, नेशनल सोइल कार्पोरेशन लि. 165, चिकित साईंस, बरेली

[नं. 3-24/86-Hindi (Neeti)]

जगदंश प्रसाद, निदेशक (राजभाषा)

MINISTRY OF ARGICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 6th April, 1989

S.O. 1298.—In pursuance of sub-rule 4 of rule 10 of the
Official Language (Use for Official Purposes of the Union)
Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following
officers of the Ministry of Agriculture (Department of
Agriculture and Cooperation), the staff whereof have acquired
the working knowledge of Hindi :—

1. National Oilseeds and Vegetable Oil Development.

Board,
Post Box No. 22,
975, Sector 14,
Gurgaon-122001 (Haryana)

2. Central Sheep Breeding Farm, Post Box No. 10, Hissar (Haryana)

3. Regional Office, National Seeds Corporation, 62 Malviya Nagar, Bhopal-462003.

4. Divisional Office, National Seeds Corporation, 165, Civil Lines, Bareli (Uttar Pradesh)

[No. 3-24/86-Hindi (Neeti)]

JAGDISH PRASAD, Director (OL)

धर्म भवालय

नई दिल्ली, 15 मई, 1989

का. घा. 1299—श्रीशोधिक विभाग धर्मिनियम, 1947 (1947 का 14)
की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डिपार्टमेंटल नैटोन निकिल
एवीएशन, देहनी एयरपोर्ट पायाम, नई दिल्ली, के प्रबन्धनाल से सम्बद्ध
नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में
केन्द्रीय सरकार श्रीशोधिक धर्मिनियम, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती
है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-4-89 प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 15th May, 1989

S.O. 1299.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Departmental Canteen Civil Aviation, Delhi Airport, Palam, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 28-4-89.

ANNEXURE

BEFORE SHRI G. S. KALRA, PRESIDING OFFICER
GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL : NEW DELHI

I. D. No. 53/87

IN THE MATTER OF DISPUTE BETWEEN

(1) Amar Bahadur s/o Shri Padam Bahadur

(2) Ramesh s/o Shri Bachu Ram

(3) Joga Lal s/o Shri Hira Lal

c/o Shri H. K. Pathak,
1st Floor, Rear Entrance,
'Caxten House', 2E, Rani Jhansi Road,
New Delhi-110055.

Versus

The Management of Civil Aviation
Departmental Canteen,
Delhi Airport, Palam,
New Delhi-110010.

APPEARANCES :

Workmen in person.

Shri Umesh Kumar for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-11011/14/86-D.II(A) dated 21st June, 1987 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Departmental Canteen Civil Aviation in terminating the services of S/Shri Amar Bahadur, Ramesh and Joga Lal who were employed as temporary workmen w.c.f. 12-9-85 is legal and in order ? If not, to what relief the workmen are entitled to?"

2. As this dispute has ended in settlement it is not considered necessary to set forth in detail the various contentions of the parties. Suffice it to say that the evidence of the parties had already been recorded and the case was at the argument stage when the parties settled the dispute. All the three workmen have been provided fresh employment. Shri Amar Bahadur has been offered the job of Chowkidar at Varanasi Airport, Shri Joga Lal has been offered the post of Chowkidar at the Civil Aviation Training Centre, Allahabad and Shri Ramesh has been offered the post of Bearer in the National Airport Authority Staff Canteen, I.G.I.A. Palam. The workmen have accepted the offer of employment and have stated that they do not want to pursue the present dispute any more. Hence no dispute award is given and this reference stands disposed of accordingly.

G. S. KALRA, Presiding Officer

21st April, 1989.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

21st April, 1989.

G. S. KALRA, Presiding Officer
[No. L-11011/14/86-D.II(B)]

नई दिल्ली, 19 मई, 1989

वा. श्र. 1300—ओद्योगिक विभाग अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार धारा 33ए के तहत, श्री डी. पी. वैद्य की पूछताएँ एक विवाद उत्पन्न हो जो, सेन्ट्रल ओर्डनेंस डिपोट, जबलपुर के प्रबन्धनतामन सम्बद्ध, भ्रुवूष्य में निर्वाचित केंद्रीय मन्त्रालय ओद्योगिक प्रधिकरण, जबलपुर के पंचायत का प्रबलागि करता है, जो केंद्रीय गुरुकार को 10-5-89 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th May, 1989

S.O. 1300.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in respect of complaint u/s. 33A of the said Act filed by Sh. D. P. Vaidya, UDC Central Ordnance Depot, Jabalpur against the management of Central Ordnance Depot, Jabalpur which was received by the Central Government on the 10-5-89.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR M.P.)

Case No. CGIT/LC(A)(4)/1989

Under Section 33-A of I.D. Act

PARTIES :

Shri D. P. Vaidya S/o Shri D. C. Vaidya, U.D.C.
Central Ordnance Depot, Jabalpur—Applicant/Com-
plainant.

Versus

Management in relation
to the Commandant,
Central Ordnance Depot,
Jabalpur (M.P.)—Non-Applicant/Managemeint.

APPEARANCES :

For Applicant—Shri D. P. Vaidya, Applicant.

For Non-applicant—Shri H. R. Sarote.

INDUSTRY : Ordnance Depot.

DISTRICT : Jabalpur.

(M.P.)

AWARD

Dated April 24, 1989

This is an application/complaint under Sec. 33-A of the Industrial Disputes Act, 1947.

2. It is a common ground that Reference No. CGIT/LC-(R)(164)/87 in respect of a workman, Shri Chandrabhan, and another Case No. 29/88 under Sec. 33-A are pending which were initiated by the Depot Kamgar Union, Central Ordnance Depot, Jabalpur Shri D. P. Vaidya one of the complainants has filed this separate application on 3-3-1989 with the prayer that his case be separated from other applicants in Case No. 2/89 (under Sec. 33-A) pending before this Tribunal. A notice was issued to the Non-applicant management why stay should not be granted but in the meantime Non-applicant relieved the workman vide order dated 3-4-1989. This Court rejected the application for stay as having become infructuous Non-applicant filed their reply on 7-4-1989 and did not produce any documents in support of their reply.

3. It is the further case of the applicant that he is the office bearer of Depot Kamgar Union, Central Ordnance Depot Jabalpur (hereinafter referred to as the Union) and has been declared a protected workman by the management of Central Ordnance Depot, Jabalpur for the year 1985-86 to 1988-90 vide Annexures A to D in accordance with Rule 61 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. That during the pendency of above referred industrial dispute he was working as I/C

Receipt in Control (A) of C.O.D. Jabalpur vide letter dated 9th May 1985 (Annexure E) which entitled him a special pay of Rs. 35 p.m. with effect from 1st April, 1985 as per D.P.C. Panel dated 23-2-1985 (Annexure F). N.A. issued a letter dated 10th May 1985 that till the finalisation of disciplinary proceedings contemplated against the workman he is deprived of to draw the Special Pay of Rs. 35 p.m. This was done by the N.A. with the ulterior motive and with malafide intention in violation of the provisions of Sub-section (3) of Sec. 33 of the I.D. Act by changing the service conditions of the workman who was a protected workman which amounted to unfair labour practice.

4. Further more the N.A. vide their order dated 3rd January 1989 (Annexure H) transferred the workman applicant from Control (a) to Control (O) with the malafide intention under the garb of following the management policy which also amounts to unfair labour practice within the meaning of Part I Sl. 7 of Schedule V of the I.D. Act. It is the further case of the workman that on 3rd January 1989 when the arguments were being addressed by Shri D. P. Vaidya in case No. CG11/I/C(C)(29) 1988 the officers of the N.A. were present. Annoyed of his arguments he was transferred as above, hence this complaint for the appropriate orders and reliefs.

5. The case of the N.A. is that there is no change in the conditions of service of the applicant/complainant. He holds the post of U.D.C. which is being still held by him in the same Central Ordnance Depot. He was transferred in the exigency of service which is the prerogative of the management from one section to another. The application is, therefore, not maintainable.

6. The claim of the applicant/complainant to draw special pay of Rs. 35 p.m. was withdrawn as disciplinary proceedings were pending against him. He had filed a case under Sec. 15 of the Payment of Wages Act which was rejected by the Labour Court in Case No. 12/86 vide order dated 21-9-1987. This order has become final between the parties. Therefore he is not entitled to get special pay which is attached to the post and granted under F.R. 9 (22) which cannot be claimed as of right. It is not true that there was conspiracy between the N.A.s to transfer him or that it amounted to unfair labour practice. As a rule and in the exigency of service the workman is liable to be transferred to any place in India being a Central Government employee.

7. The points for determination before me are—

1. "Whether the applicant workman is a protected workman for the purpose of Sub-section (3) of Sec. 33 of the I.D. Act?"
2. If so, whether the stoppage of his Special Pay and his transfer from one post to another during the pendency of the aforesaid proceedings amounts to infringement of Sub-section (3) of Section 33 and it amounts to unfair labour practice under the I.D. Act, 1947.
3. If so, to what relief if any the workman applicant is entitled?

Findings with reasons:—Points No. 1 to 3.—

8. Workman Shri D. P. Vaidya was the Treasurer of the said Union from the year 1985-86 to 1988-89 and he was so recognised by the N.A. as is apparent from Annexure A to D, in accordance with Rules made in this behalf. N.A. neither filed any documents nor adduced any evidence to rebut the case of the workman. Therefore it is proved that he was a 'protected workman'. The relevant provision on which the applicant has placed reliance is Sub-section (3) of Sec. 33 of the I.D. Act which for the sake of convenience is being reproduced below:—

"(3) Notwithstanding anything contained in sub-section (2), no employer shall during the pendency of any such proceeding in respect of an industrial dispute, take any action against any protected workman connected in such dispute—

- (a) by altering, to the prejudice of such protected workman, the conditions of service applicable to

him immediately before the commencement of such proceedings; or

- (b) by discharging or punishing, whether by dismissal or otherwise, such protected workman,

save with the express permission in writing of the authority before which the proceeding is pending.

Explanation.—For the purposes of this sub-section, a "protected workman", in relation to an establishment, means a workman who, being (a member of the executive or other office bearer) of a registered trade union connected with the establishment, is recognised as such in accordance with rules made in this behalf.

Workman has relied on the case of Air India Corporation, Bombay Vs. V. A. Reballow (1972-I-LLJ p. 501) wherein it has been laid down —

... . Sub-section (3) protects "protected workman" and the reason is obvious for the blanket protection of such a workman. The Legislature in his case appears to be anxious for the interest of healthy growth and development of trade union movement to ensure for him complete protection against every kind of order of discharge or punishment because of his special position as an officer of a registered trade union recognised as such in accordance with the rules made in that behalf. This explains the restricted protection in sub-s. (1) and (2)."'

9. On the other hand, the contention of the N.A. is that Case No. 2/89 (under S. 33-A) is not an industrial dispute. His special allowance was withdrawn as disciplinary proceedings were contemplated against him. In any case, transfer of the workman from one post to another in the same station is the prerogative of the management and it does not amount to change of service conditions.

10. The plea of the workman is that the Case No. 2/89 (Under Sec. 33-A) has been relied on to show the vindictive act and the victimisation by the N.A. It has also been pointed out on behalf of the applicant that Reference No. 16/86 of Shri Chandrabhan a temporary labour whose services were terminated was sponsored by the General Secretary of Depot Kamgar Union C.O.D. Jabalpur of whose the applicant workman was a Treasure. The law referred above affords blanket protection to any of the members of the executive of the Union as a matter of policy to protect the interest of the office bearers of the Union. It has been further pointed out that the applicant was authorised to draw a special pay of Rs. 35/- p.m. with effect from 1st April, 1985 vide order dated 23rd February, 1985 (Annexure F). Annexure E further goes to show that in view of the above order of the N.A. Shri D. P. Vaidya of Control (A) was reported to have been entrusted with the duties of complex nature as I/C Receipt Section with effect from 1-4-85. Letter dated 10th May, 1985 goes to show that he was disentitled to draw the special pay of Rs. 35/- p.m. till the finalisation of the disciplinary proceedings (vide order dated 10th May, 1985 Annexure G). This goes to show that the management had granted special pay from 1st April, 1985 (Annexure F & E) and it was withdrawn vide order dated 10th May 1985 (Annexure G). This amounts to changing the service condition of the protected workman.

11. On behalf of the N.A. it has been contended that this Special pay was withdrawn on account of disciplinary proceedings earlier and the claim of the workman under the P. W. Act was rejected in case No. 12/86 vide order dated 21-9-1987. In this regard I find that the management has not filed any record to show the result of Case No. 12/86 or the order dated 21-9-1987. In the absence of record this contention cannot be accepted. However, assuming for the sake of arguments that the contention of the N.A. may be true in connection with some earlier case but as already pointed out Annexure F to G go to show that this transpired between 23rd February, 1985 and 10th May 1985 at the time when the applicant was admittedly a protected workman during the period. In this regard the plea of the management

is that the special pay is attached to the post and not the person therefore its withdrawal does not amount to change of service condition. As a normal rule this may be true but in the case of a protected workman law as laid down above throws a blanket cover which means 'protects' whether it is a case of withdrawing special pay or some allowance or termination or dismissal or punishment. In this connection the relevant words of Sub-section (3) of Sec. 33 (quoted above) are material which clearly says that —

"Notwithstanding anything contained in sub-section (2), no employer shall during the pendency of any such proceeding in respect of any industrial dispute, take any action against any protected workman concerned in such dispute (underlining is done by me)."

Therefore if any action is taken against the protected workman by altering to the prejudice of such protected workman conditions of service applicable to him immediately before the commencement of such proceedings without express permission in writing of the authority before which the proceeding is pending, it contravenes the provisions of Sub-section (3) of Sec. 33 of the I. D. Act. Therefore during the pendency of Reference Case No. 164/87 if the special pay is withdrawn it contravenes the said provisions of the I. D. Act.

12. However, in the alternative assuming for the sake of arguments that the punishment awarded of withdrawing the special pay was on account of some proceedings anterior to the reference under consideration, the question still remains whether the order of transfer of applicant during the pendency of the above reference contravenes the provision of Sub-section (3) of S. 33 and amount to unfair labour practice.

13. In this regard the plea of the management is that special pay cannot be claimed as of right, it is attached to the post and not to the person. To my mind, this itself goes to show that the N. A. were aware that the allowance is attached to the post therefore transfer of the workman (resulting in withdrawal of the allowance) amounts to taking action against the protected workman by altering his service condition to his prejudice. Therefore it contravenes the provision of Sub-section (3) of Section 33 of the I.D. Act.

14. Coming to the transfer order, nodoubt it is the prerogative of the management to transfer their employees but in the case of protected workman a blanket cover is thrown for his protection so that the management may not victimise the office bearer of a Union as has been laid down in the case of Air India Corporation (Supra). Clause 7 of the Fifth Schedule lays down that it amount to unfair labour practice to "transfer a workman mala fide from one place to other under the guise of following the management policy". This is exactly what has happened in the instant case that under the guise of following the management policy of exigency of service or requirement of the management to transfer a protected workman mala fide from one place to other amounts to unfair labour practice.

15. It is the contention of the N. A. management that in any case the transfer does not amount to be mala fide one because it is on the same post and in the same station. As such the allegation of malafides or victimisation cannot be imputed. I am of the opinion that though the transfer is on the same post and in the same station but the consequences are far reaching. It is not the case of the N.A. management that the other post also carries special allowance. Therefore this transfer will deprive the applicant of special allowance for ever which will not only amount to taking an action against a protected workman by altering to the prejudice of such protected workman the condition of service applicable to him immediately before the commencement of such proceedings but it will also amount to unfair labour practice within the meaning of Sl. 7 of Schedule V as it will also amount to mala fide transfer under the guise of following management's policy.

16. In the case of I. H. Sugar Factories & Oil Mills Ltd. Vs. State of U.P. (1961-I-LLJ p. 686 to 696-Civil Misc. Writ No. 755 of 1961 dated 22nd Feb. 1961) decided by Allahabad High Court it has been held that "any systematic attempt by the employer to use his powers of management to disrupt the trade union of his employees will be condemned by the court as unfair labour practice." It has been further laid down that "what is unfair labour practice or victimisation is a question of fact to be decided by a labour tribunal upon the circumstances of each case." In the case of I. H. Sugar Factories (supra) case of Rohtas Industries Ltd. Vs. Brijnath Pandey (1956-II-111 444) was referred wherein it was held :—

"That an industrial tribunal is not fettered by the law of contract or the terms of agreement between the employer and the employee and it may create new obligations or modify contracts in the interest of industrial peace, to protect legitimate trade union activities and to prevent unfair labour practice or victimisation."

Similarly in the case of Bharat Bank Ltd. New Delhi Vs. the Employees Union, Delhi (1950 SC 948 & 949) it has also been held that a labour tribunal can confer rights and privileges on either party which it consider reasonable and proper. It can create new rights and obligations between them.

17. As far the contention that there is a pending enquiry against the workman it will suffice to cite the case of V. Joeswar Rao Vs. Post Master General Andhra Circle (1978 Sl. 201) wherein it has been held that "in any event pendency of the disciplinary proceedings cannot be a ground for overlooking the petitioner when he has been otherwise found suitable for promotion even by the Departmental Promotion Committee." In the instant case also the D.P.C. had found the workman fit to be granted serial pay, yet it has been withdrawn even before conclusion of the enquiry.

18. For the reasons discussed above I find that it is proved that the act of the management amounts to infringement of Sub-section (3) of Section 33 and Sl. 7 of Schedule V of I. D. Act. Therefore it is liable to be set aside with a direction to the N.A. management to repost the protected workman Shri D. P. Vaidya, to Control (A) of Central Ordnance Depot and grant him special pay of Rs. 35/- which has been disallowed vide letter No. 27584/UDC/SP/Adm.(Civ) dated 10th May, 1985.

19. Consequently, the applicant workman is entitled to an award under Sec 33-A of the I. D. Act. I accordingly give my award as under :—

1. That the applicant workman Shri D. P. Vaidya, be reposted to Control (A) of Central Ordnance Depot, Jabalpur.
2. That the workman, Shri D. P. Vaidya, be allowed to draw special pay of Rs. 35/- from the date it has been disallowed i.e. from May, 1985.
3. No order is made as to costs.
4. The arrears be paid within one month from the date of publication of this award.

V. S. YADAV, Presiding Officer

[No. Z-13011/2/89-IR (DU)]

का.आ. 1301—श्रीसोनिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में केन्द्रीय सरकार साउथ मेट्रो रेलवे हृष्णी के प्रबल्लर्व में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुंदित में निर्विष्ट श्रीसोनिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीसोनिक अधिकारण, बैगलोर के पंचाट को प्रशाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-5-89 की प्राप्त हुआ था।

S.O. 1301.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Central Railway, Hubli and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-5-89.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT BANGALORE

Dated 27th Day of April, 1989

Central Reference No. 157/87

I PARTY

Shri Honnappa Venkappa
Khalasi (Sweeper)
Indranagar,
Hubli-20

Vs.

II PARTY

Divisional Railway Manager
South Central Railway,
Hubli.

APPEARANCES :

For the I Party Shri Anant P. Sacedi, Advocate.

For the II Party Shri P. P. Hiremath, Advocate.

AWARD

By exercising its powers under Section 10(1) (d) of the I. D. Act, the Government of India, Ministry of Labour made the present reference on the following point of dispute by its order No. L-41012/8/86-D. II(B) dated 21st September, 1987.

POINT OF REFERENCE

"Whether the action of the management of South Central Railway, Hubli in terminating Mr. Honnappa Venkanna C & W. Khalasi Sweeper from service is legal and justified ? If not, whether he is entitled to reinstatement and of any other relief?"

2. The I party workman has filed his claim statement and his statements, in brief, are as follows.

The I party workman was employed in the II party Railways and he has put in service of 28 years. By letter dated 1-12-1977, the Divisional Mechanical Engineer dismissed him from service with effect from 25-12-1977. It was alleged that he was guilty of remaining unauthorisedly absent on several occasions without taking prior permission from the competent authority. He was suffering from Asthma and he used to take treatment in the Railway Hospital. Proper Chargesheet was not issued to him. Principles of natural justice were not observed. The Divisional Mechanical Engineer was not competent to pass the order of dismissal. He never remained absent unauthorisedly. He did not commit any misconduct. Hence, it is prayed that the order dated 25-12-1977 may be held as null and void. It may be held that the order of dismissal dated 25-12-1977 is illegal and that he may be reinstated with back wages and costs.

3. The II party has filed its counter statement and its contentions, in brief, are as follows :

There is a separate forum such as administrative Tribunal for the present dispute and the jurisdiction of this Tribunal is barred under the provisions of the Administrative Tribunal Act 1985. He has raised the dispute after 11 years and since there is delay and laches, he cannot claim relief.

Divisional Mechanical Engineer the competent authority and he has been dismissed from service by due presence of law. It is not true and correct that he was suffering from Asthma and that he was taking any treatment in any hospital. It is not true that he had never remained absent unauthorisedly or that he did not commit any act of misconduct. He remained unauthorisedly absent between March 1976 and December 1976 and he was removed from service from 25-12-77. He had preferred an appeal dated 26-12-77. He was given full opportunity in the domestic enquiry. He had accepted the charges. He pleaded that his absence was due to his illness. The Appellate authority considered his case carefully and taking a sympathetic view, he was re-appointed as a fresh entrant on the scale of Rs. 196-232 by order No. H/P. 90/460 dated 21-11-1978. He accepted the same and commenced working from 9-12-1978 but again remained absent unauthorisedly from 14-1-1980 and even on 31-10-1980. As per rule 732 if an employee remains absent after exhausting all kinds of leave, it is deemed that he has relinquished his service. It was deemed that he had resigned from his job with effect from 16-9-1980 as per the order dated 1-1-81. He is not entitled to any relief.

4. One preliminary issue was framed in view of the said pleadings as follows :

"Whether this Tribunal has no jurisdiction to entertain the matter, as contended by the II party".

5. The parties were heard on the same.

6. An order is passed on the same on 5-7-88, stating that the said point of law has been already decided by this Tribunal in C. R. 155/87 and for the same reasons, it has been held that this Tribunal has the jurisdiction.

7. On the merits of the case, the II party has examined one witness and has got marked Exm. M-1 to M-12.

8. The I party has not adduced any evidence.

9. My finding on the point of reference is as follows :

It is not a case of termination of service of Mr. Honnappa Venkappa C & W Khalasi. Sweeper, but it is a case of deemed resignation. However, it is found that under Section 11-A of the I.D. Act, he should be given relief as shown below.

REASONS

10. The evidence of MW-1 Doravavar shows that the I party workman was working as a Khalasi and that he remained unauthorisedly absent from March 1976 to December 1976 and therefore he was removed from service. In that connection, he has produced the records at Exs. M-1 to M-12. The attendance record at Exs. M-1 and M-2 support the evidence of MF-1 that the I party used to remain absent often and unauthorisedly. The evidence of MW-1 then shows that the I party had filed an appeal as per Ex. M-3 and in view of the contentions raised by him, he was sent to the doctors for medical check-up. Ex. M-4 is the letter showing that he had been sent for medical check-up. Exs. M-5, M-6 and M-7 show that there were reminders in that connection and he was asked to pay Rs. 8/- as the medical examination fee. The evidence of MW-1 then shows that he did not go and appear before the Medical Officer in the first instance and therefore a reminder was sent as per Ex. M-5 and since no reply was sent as per Ex. M-6. His evidence further shows that when a subsequent notice was sent as per Ex. M-8, he paid the amount and got himself checked-up. It is an admitted fact that then he was reinstated and that he worked from 24-11-78 but again abandoned his duties from July 1980. Exs. M-9 and M-10 are the documents showing his absence in 1980. Ex. M-8 dated 21-11-1978 is the order passed in the appeal filed by the workman as per Ex. M-3. The order passed in Ex. M-8 reads as follows :

"purely on mercy consideration, he may be given a chance as a fresh entrant. It may be decided that he may be considered for appointment as a fresh entrant as a C & W Khalasi on pay of Rs. 197/-

in the grade of Rs. 196-232. If he accepts the above, please report to CTXR/UBL".

The evidence of MW-1 implies that the workman had accepted the said order and had reported to duty on 24-11-1978. MW-1 has further sworn that on 1-1-1981 he was removed from service and a notice as per Ex. M-11 had been sent to him in the cover Ex. M-11 (a), but that it was returned to the sender for want of complete address.

11. Ex. M-12 dated 24-2-1986 is an application submitted by the I party, seeking for voluntary retirement with full benefits. He has prayed for mercy and has stated that he was absent due to long illness from 1976 and has requested to accept his case as a case for voluntary retirement.

12. The workman has not been examined before me. The order of reference is on the point whether the management has terminated his service and whether it is legal and justified. In the claim statement, the workman has contended that his service has been terminated with effect from 25-12-1977. It is reiterated that as per Ex. M-8 dated 21-11-78, he had been re-appointed and that he accepted such appointment and in fact worked for several months on the strength of that appointment. The challenge made by him against the order dt. 25-12-77 is not at all the subject matter of reference. The I party is aggrieved by the order dated 1-1-81 at Ex. M-11 (a) and there is inherent defect in the case of the I party in as much as he has challenged the order dt. 25-12-77 only. The order at Ex. M-11 (a) is self-evident on the point that it has been passed under Note 2 below Exception 2 of Rule 732-R. On going through the evidence, I find that the order passed by the II party is justifiable, since there is no explanation at all for his continued absence after he was re-appointed as per Ex. M-8. Subject for the Relief shown as follows.

13. The provisions of Section 11-A of the ID. Act would indicate that in cases wherever it is deemed expedient, the Tribunal can alter the final order passed by the management. One cannot lose sight of the fact that he has put in several years of service and that he was nearing superannuation. The alleged misconduct on the previous occasion was also of absenteeism only. The management had been indulgent enough to provide him an opportunity but it is not known as to why he did not present himself. However, he has pleaded that he was suffering from Asthma and he was under medical treatment. Taking into account all these circumstances, I am of the view that the prayer made by him in Ex. M-12 deserves to be accepted.

14. The learned counsel for the I party strongly contended that there was no chargesheet issued to the workman, no notice was issued and no retrenchment compensation was paid before his service was terminated and that the action of the management is illegal. The management has contended that it has been deemed that he has resigned his appointment as per Note 2 to Exception 2 to Rule 732 and for treating the workman to have deemed to have resigned, there was no necessity to issue any chargesheet or to hold any enquiry. The learned counsel for the I party submitted that the authorities of Tulasiram, Robert D'Souza and S. K. Varma show that the I party is entitled for reinstatement and back wages. He was requested to make available at least the back copies of the authorities. They have not been made available. It is difficult to appreciate the contentions raised by him.

15. From the pleadings and evidence produced by the management it is manifest that the I party workman himself abandoned his work and that the II party Railways was amply justified in treating him same as deemed resignation as per Note 2 to exception (ii) to Rule 732, except for the relief granted herein below.

16. In the result, an award is passed to the effect that it is no a case of termination of service of Mr. Honnappa Venkappa, C&W Khalasi Sweeper by the management of South Central Railway, Hubli but that it is a case of deemed resignation for continued unauthorised absence.

However, under Section 11-A of the ID. Act which is awarded to the effect that the management shall treat that his service has come to an end on 25-12-1977 and as a result of his own voluntary retirement as per Ex. M-12, and secondly he shall be paid all the terminal and other benefits.

(Dictated to the Stenographer, taken down by her, got typed and corrected by me.

B. N. LALGI, Presiding Officer

[No. L-41012/8/85-D.II (R)]

वा. आ. 1302—ओद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय बरकार जनरल मेनेजर बैंक नोट प्रेस, देवास के प्रबन्धताल में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्विष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकारण, जबलपुर के पंचवट को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-5-89 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 1302.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of General Manager, Bank Note Press, Dewas Government on the 10-5-589

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M. P.).

Case No. CGIT/IC(R)(9)/1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank Note Press, Dewas and their workmen Shri Arjun Dayal Nagar C/o. Shri B. K. Nagar, 5, Usha Phatuk, Indore (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri M. L. Sabbarwal.

For Management.—Shri B. G. Nama, Advocate.
INDUSTRY : Bank Note Press DISTRICT : Dewas (M.P.).

AWARD

Dated : 24-4-1989.

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, made by the Central Government referring the following dispute for adjudication vide Notification No. L-16012/2/85-D.II(B), dated the 20th January, 1987 :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of General Manager, Bank Note Press, Dewas in removing Shri Arjun Dayal from employment vide their order dated 13-11-1983 is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled to ?"

2. On receipt of the order of reference, parties filed their respective pleadings and documents and written arguments. It is common ground that the workman Shri Arjun Dayal was appointed in Bank Note Press, Dewas w.e.f. 20-9-1973 as a Sweeper. He was earlier charge-heated for his unauthorised long absence from 4-4-76 to 22-6-77 and he was issued a show cause notice dated 4-12-77 for removal from service. However, at that time there was problem arising out of implementation of Group Incentive Scheme. When the Union agreed to accept the said scheme, as a gesture of goodwill, the management agreed to withdraw

all the pending cases against the employees, as such the notice dt. 4-12-77 against the workman was also withdrawn.

3. He was again suspended for drunken and riotous behaviour during duty and charge-sheeted on 10-4-79. He was issued a show cause notice for removal from service. However, the workman submitted a mercy appeal, therefore he was only awarded the punishment of reduction of his pay to the minimum of the scale of Rs. 196—232 with cumulative effect.

4. The case of the management further is that the applicant did not show any improvement in his attendance of behaviour. He again absented himself from March, 1982 and did not resume his duty in spite of notices dated 29-3-82 and 22-5-82. He was, therefore, charge-sheeted vide memo dated 1-8-82 for long and unauthorised absence from duty.

5. This charge-sheet was sent to him on his known residential address and also on his permanent address but it was received back undelivered. Therefore, a formal enquiry was ordered and Shri Ashok Saxena was appointed as Enquiry Officer.

6. Enquiry Officer issued a memo for appearance and workman appeared and accepted the charges. Enquiry Officer submitted his report on the basis of which Disciplinary Authority imposed a penalty of removal from service. His appeal and review petition were also rejected by the General Manager on perusal of record of enquiry.

7. The management has further alleged that during his absence he was arrested by the police for offence of robbery U/s. 392 of I.P.C. and done Shri M.C.K. Chourasia had also complained that the workman had threatened him under drunken state and had broken glasspans of his shop on 4-9-83, but the management took no steps because he was already facing an enquiry for major misconduct.

8. The management has taken a preliminary objection that Bank Note Press is performing sovereign function of printing currency bank notes therefore it is not an industry and this Court as such has no jurisdiction.

9. The case of the workman is that his previous and subsequent conduct is irrelevant for the purpose of this case. His case further is that he had some urgent work, therefore, he proceeded on leave w.e.f. 28-2-82 and as per the prevalent practice he submitted his leave application to Head Sweeper Shri Inderpal who failed to inform him that his leave application has been rejected. After sometime he fell seriously ill and his family resorted to treatment by "vaidcini" system by traditional methods. On recovery was not allowed to join his duties instead he was subjected to departmental enquiry. He has not been paid his salary and allowances though he was removed from service w.e.f. 13-11-83.

10. Bank Note Press is an industry and this Tribunal has jurisdiction to entertain this dispute.

11. The workman has challenged the enquiry on various grounds and in the interest of avoiding repetitions I will take them at their appropriate stage.

12. I framed the following issues which with my reasons and findings are given below :—

ISSUES

1. Whether the enquiry held was fair and just and if not, what is the effect ?
- 2(a) Whether the removal from service was justified on facts of the case ?
- 2(b). If not, to what relief the workman is entitled ?

Reasons for my findings :

Before I take up the issues I will like to site a decision of our own High Court of M. P. that Security Paper Mill is an industry for the purpose of Sec. 21 of the I.D. Act. This case settled the objection of the management in the case of G. M., Security Paper Mill Vs. Hari Shankar reported in 1979 JLJ 559.

13. I will next take up issue No. 1 and 2(a) and (b). At the outset the so called domestic enquiry has been challenged on the ground that it was only a preliminary enquiry commonly known as fact finding enquiry, therefore, it could not have been converted and treated as regular domestic enquiry in order to inflict major punishment of removal from service. I have gone through the original enquiry papers and I find that the contention cannot be said to be baseless. The Enquiry Officer Shri Ashok Saxena not only in his enquiry report but also on his proceedings dt. 15-10-82 has mentioned :

"श्री अशोक सेक्यूरिटी पापर (मफाई बाला) की दिनांक 5-10-82 को जापन देके 15-10-82 को प्रारंभिक औच हेतु, घटाहस्ताश कर्ता के कापालिय में प्राप्त : 10 बजे बलाया था"

Same thing is repeated in proceedings dated 15-10-82 and 10-2-83. This shows that he treated this as a preliminary fact finding enquiry. This also find support from the way learned Enquiry Officer conducted the proceedings. Instead of reading out the charges and asking him whether he admits his guilt or claims to be tried, he straight away started questioning the workman. In fact he cross-examined him and based his findings on his reply. Thus it is apparent that the enquiry was not conducted in accordance with well established procedure as per the C.C.S.(C.C.A.) Rules.

14. Next it has been pointed out that no charge-sheet was received by the workman. During the enquiry, as has been admitted by the management in para No. 4 of their rejoinder dated at 1-7-87, wherein management has stated that the charge-sheet was sent under registered cover to his home addressed which was received back unserved with the remark "Not available at given address." Such a case came up for consideration before Hon'ble Supreme Court in the case of Bata Shoe Co. Ltd. Vs. D. N. Ganguly reported in AIR 1961 SC 1158 1961 SCL Page 3322) :

"Where charge-sheets sent to workman returned unserved, the proper course for the company is to publish notices in some newspapers in the regional language, in the absence of a provision in the Standing Orders for their display in the notice board of the company. When that course is not adopted it must be held that the workman had no notice of charges against them and the date by which they had to submit their explanation and the date of enquiry. In this case the dismissal order cannot be upheld."

15. In the instant case C.C.S. (C.C.A.) Rules No. 14 provide that a chargesheet should be issued and the Enquiry Officer shall ask him whether he admits the same or deny it. The Enquiry Officer even at the stage of enquiry did not draw the attention of the workman towards the charge-sheet which was returned undelivered.

16. Thus the enquiry has neither been conducted in accordance with principles of natural justice nor in accordance with Rule 14 of the C.C.S. (C.C.A.) Rules. The enquiry is, therefore, liable to be vitiated on the two grounds mentioned above alone. However, I will point out certain other irregularities committed during the enquiry by the Enquiry Officer as well as by the disciplinary authority.

17. Firstly the proceedings dated 1st December, 1982 goes to show that the workman had demanded the help of defence assistant and the workman has named Shri S. P. Verma, L.D.C. but a condition was put that he should produce not only his consent but also the consent of his Head of Department. It appears that he could not do so, therefore, ultimately on 10th February, 1983 he was compelled as it appears, to defend himself without the help of defence assistant. The result was that instead of Management proving his case

first the workman had to defend himself by facing cross-examination.

18. The proceedings dated 10th February, 1983 go to show that the workman had not specifically admitted the guilt but in fact he had tried to justify his absence on account of illness, inability to inform as per procedure on account of illiteracy and knowledge of procedure. This, therefore, should not have been taken as acceptance of his guilt.

19. Even the Enquiry Officer in his report has stated:

“प्रार्थी ने अपने को कर्तव्य में बिना सूचना दिए जाने से इकार किया एवं सूचना उसने आपने हैड स्वीपर श्री हारदलल को दी थी उसके बाद श्री अर्जुन धमाल बोमार हो गये”

The Enquiry Officer further goes on to say in the last para:

“प्रार्थी के कम पढ़े भिक्खे हृष्ण में एवं नियमों के अनियमित होने की वजह से इस प्रकार की गलती हुई और प्रार्थी 28-2-82 से इन्सुलिन रहा, जिसे उसने स्वीफर किया था मरविय में इसे न करने का आपदाता दिया”

To my mind this qualified statement justifying his absence could not have been taken as his admission by the Enquiry Officer.

20. The Disciplinary Authority in his order-sheet dated 24th February, 1983 has realised this position and returned the file to the Enquiry Officer with the remark that he should give clear findings whether the charges are proved or not. Without doing any thing further the Enquiry Officer wrote back on 10th April, 1983 that the charges are proved on his admission. The Disciplinary Authority accepted this and passed the impugned order of dismissal.

21. From the above it is crystal clear that the workman was not only denied reasonable opportunity to defend himself but all canons of natural justice, fairplay and procedure were flouted and thrown to the wind. In fact, it appears that he was meted with this severe penalty for his past and subsequent conduct which was neither the subject matter of enquiry nor any material was placed for the workman to give his explanation in that regard.

22. The workman was not also granted any opportunity to prove his defence by examining the Head Sweeper. Thus the principles of natural justice has also been violated in this case.

In view of above I need not decide Issue No. 2(a).

23. Looking to the facts of the case it is rather unfortunate that in their pleadings throughout Management nowhere pleaded that if the enquiry is held to be vitiated on any ground, the Management be given an opportunity to prove misconduct before this Tribunal. Therefore, by simply taking this stand in the written arguments does not entitle the management to prove misconduct before this Tribunal as has been held in the case of Shambhu Nath Vs. Bank of Baroda (AIR 1984 S.C. 289).

24. As such, as a normal course workman is entitled to be reinstated as the domestic enquiry stands vitiated but looking to the fact that the workman himself is partly responsible for removal and further looking to the fact that he has already suffered by way of removal of service w.e.f. 13th November, 1983, it will meet the end of justice if the workman is disallowed his back wages including the wages for his absence without sanction of his leave from 28th February, 1982.

25. Consequently I answer the reference as under:

The action of the management of General Manager, Bank Note Press, Dewas in removing Shri Arjun Dayal from employment vide their order dated 13th November, 1983 is unjustified. The workman is, therefore, entitled to be reinstated w.e.f. 13th November, 1983 but without back wages. However he will be entitled to wages on reinstatement which he was getting prior to the date of termination.

No order as to costs.

V. S. YADAV, Presiding Officer

[No. L-16012/2/85-D. II(B)]

का. न्रा. 1303—ओद्योगिन विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार द्वारा एम बैलन रेलवे, राजकोट के प्रबन्धन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुसंध में निविष्ट ओद्योगिन विवाद में आंशिक अधिनियम, अहमदाबाद के पंचाट को प्राप्ति घर्ता है, जो केन्द्रीय सरकार का 5-5-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1303.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of D.R.M., Western Railway, Rajkot and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th May 1989.

ANNEXURE

BEFORE SHRI G. S. BAROT B.Com., LLB., PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT AHMEDABAD.

Reference (ITC) No. 1 of 1986

ADJUDICATION : BETWEEN

Management of Divisional Railway Manager, Western

Railway, Rajkot

FIRST PARTY

AND

Their workmen

SECOND PARTY

In the matter of terminating the service of Sh. Suresh Kantilal, etc. and transfer allowance to Shri Bhikha Chhagan.

APPEARANCES :

Shri Satram das, A.P.O., W. Rly, Rajkot for the first party ; and

Sarvashri S. B. Nigam and B. K. Sharma for the second party.

AWARD

The industrial dispute between Management of Divisional Railway Manager, Western Railway, Rajkot and their workmen has been referred for adjudication to me u/s. 10(1)(d) read with Section 10(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947, by Government of India, Ministry of Labour, New Delhi. Order No. L-41011/5185-D.II(B) dt. 16-1-86, in respect of the following two demands.

1. Whether the action of the management of Divisional Railway Manager, Western Railway, Rajkot in terminating the service of Sh. Suresh Kantilal with effect from 25-9-82 and further in not paying him wages for the intervening period after his re-employment is justified ? If not, to what relief the workman is entitled and with what effect ?

2. Whether the action of the management of Divisional Railway Manager, Western Railway, Rajkot in not paying transfer Allowance to Shri Bhikha Chhagan, Temporary Khalasi of the office of JOW, Mehsana on his transfer from Mehsana to Patan and then from Patan to Mehsana is justified ? If not, to what relief he is entitled ?"

2. The sponsoring union Patschim Railway Karmachari Parishad, hereinafter referred to as 'the union' has filed its statement of claim at ex. 2 wherein it has stated inter alia that so far as demand no. 1 is concerned Shri Suresh Kantilal is working as a temporary khalasi since 2-12-79 under Inspector of Works, Kadi ; that he was terminated with effect from 21-9-82 in violation of the provisions contained in S. 25F, 25G of the Industrial Disputes Act, hereinafter referred to as 'the Act' and Rule 78 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, hereinafter referred to as 'the Rules' ; that at the time of termination of Shri Suresh, his junior Shri Galaji Asthaji was continued ; that on the representation being made by Shri Suresh he was again re-employed on 3-11-83. The grievance of Shri Suresh is that the order of terminating being illegal, he should be paid wages for the period he remained unemployed i.e. from 26-9-82 to 2-11-83 with all the consequential benefits treating him to be in continuous service all through out.

3. So far as demand no. 2 is concerned, the say of the union is that Shri Bhikha Chhagan is working as temporary casual labour in the office of Inspector of Works, Mehsana ; that he was transferred from Mehsana to Patan and retransferred from Patan to Mehsana ; that he has not been given transfer allowance on both the occasions which is illegal, unjust and against the rules and principles of natural justice. The grievance of Shri Bhikha is that the action of the Railway in not granting him transfer allowance being illegal and unjust, the same should be granted to him.

4. The Railways has filed its written statement at ex.4 wherein it has been stated inter alia so far as demand no. 1 is concerned that Shri Suresh was served with termination notice due to non-availability of work. It has admitted that retrenchment compensation etc. has not been paid to him. It has further submitted that as soon as the work was available on 13-6-83 a notification was published on notice board for their engagement and when Shri Suresh turned up for work on 4-11-83 he was taken on duty. The Railway is prepared to grant him leave from 25-9-82 to 13-6-83, if leave is due to him and if he so desires. So far as demand

no. 2 is concerned, the Railway has stated in its written statement that on account of posting of a regular candidate under IOW-Patan there was no provision to continue Shri Bhikha and therefore instead of terminating him, the Railway offered employment under other subordinate office, viz. IOW-Mehsana and further contended that there is no provision under the Rules to grant him transfer allowance. However, as a special case, Shri Bhikha has been granted transfer allowance for his transfer from IOW-Patan to IOW-Mehsana.

5. None of the parties have led any other oral as well as written evidence.

6. One Shri Satram Das A.P.O., W. Rly, Rajkot has appeared on behalf of the Railway and Sarvashri S. B. Nigam and B. K. Sharma have appeared on behalf of the union for the workmen concerned.

7. At the bar Shri Sharma so far as demand no. 1 is concerned has stated that Shri Suresh has put in more than 10 years of service. Shri Suresh has not been paid retrenchment compensation at the time of his termination as required u/s. 25F of the Act. Again, the Railway has not followed provisions contained in S. 25G of the Act in as much as his junior Shri Galaji was continued in service while Shri Suresh though senior to Shri Galaji was retrenched. Thus principle of last come first go has not been followed. Again, when the Railway recruited certain persons on 6-6-83 they failed to intimate the employee concerned for recruitment as required under Rule 78 of the Rules. So far as the concession extended by the Railway that leave due will be granted to Shri Suresh, the union has stated that when the Railway has contravened the provisions of law, it should grant full payment instead of leave due and some compensation also should be paid in cash. So far as demand no. 2 is concerned the union has contended that the Railway has paid travel allowance for the retransfer of Shri Bhikha from Mehsana to Patan and hence it is not pressed.

8. Shri Satram Das, A.P.O. W. Rly. has contested the claim of the union on the 1st demand. He has stated that these are casual labourers and they have no right whatsoever. Notice u/s. 25F is given. He has further admitted that no Registered Notice is given at any time.

9. I have gone through the papers and heard the arguments of both the sides. After careful consideration of both the demands, I am of the opinion that the case of the union in both the demands is quite genuine and in accordance with the law. The Railway has admitted in its written statement that Shri Suresh has not been paid retrenchment compensation and Shri Satram Das has also admitted at the bar that no Registered Notice as required under Rule 78 of the Rules has been given to Shri Suresh at the time of recruitment. The Railway has not challenged the say of the union that Shri Galaji who is junior to Shri Suresh was not retrenched while Shri Suresh was retrenched. From the admissions made I am convinced that the Railway has contravened the provisions contained in S. 25F and S. 25G of the Act and Rule 78 of the Rules, so far as Shri Suresh is concerned. I, therefore, direct that the termination of Shri Suresh is declared to be null and void and the Railway to pay him full wages for the period from 26-9-82 to 2-11-83 along with bonus, if due, and leave encashment if otherwise due and all other consequential benefits as if Shri Suresh was on continuous duty including the period from 26-9-82 to 2-11-83. The amount becoming due on account of the directions given in this award shall be paid to Shri Suresh within 3 months from the date this award becomes effective. So far as demand no. 2 is concerned as the Railway has paid the amount, the same is not pressed and it is dismissed. The Railway to pay costs of Rs. 150 (Rs. One hundred fifty only) to the union.

Ahmedabad :

Dt. 26-4-1989.

G. S. BAROT, Presiding Officer.

[N. L-41011/5185-D.II(B)]

HARI SINGH, Desk Officer.

नई दिल्ली, 16 मई, 1989

का. नं. 1304—आंशिक विभाद अधिनियम, 1957 (1917 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार अ. बैटर्न कालफॉल्ड्स ए. पी. को गारसी कॉलियर के प्रबन्धनात्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट आंशिक विभाद में केंद्रीय सरकार और्योगिक अधिकारण जबलपुर के पक्षवट की प्रतिक्रिया करती है, जो केंद्रीय सरकार को 5-5-89 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 16th May, 1989

S.O. 1304.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sasti Colliery of M/s. Western Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-5-89.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(203)/1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sasti Colliery of Western Coalfields Limited and their workman Shri Sakinala Annaya, Daftary represented through the Organising Secretary Rashtriya Koyalak Khadon Mazdoor Sangh (INTUC) C/o G.M.'s Office of WCL, P.O. and District Chandrapur (M.S.).

APPEARANCES :

For Workman—Shri G. C. R. Sharma, Organising Secretary, R.K.K.M.S. (INTUC).

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal DISTRICT : Chandrapur (M.S.)
AWARD

Dated, the 25th April, 1989

By Notification on No. L-21012/61/87-D.III (B), dated the 18th September, 1987, the Central Government in the Ministry of Labour referred the following industrial dispute for adjudication to this Tribunal under Section 10(1)(d) (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947 :—

SCHEDULE

“Whether the management of Sasti Colliery of Western Coalfields Limited is justified in not promoting Shri Sakinala Annaya as a Daftary w.e.f. 1-1-1981 in Grade ‘F’ of National Coalmines Wage Agreement-II ? If not, what relief the workman concerned is entitled to ?”

2. On receipt of reference order parties filed their respective statements of claim and the case was fixed for filing rejoinder documents by parties and framing issues but on several dates no one appeared on behalf of the workman and ultimately the case proceeded ex-parte against the Union. Then the case was fixed for evidence at Nagpur on 9-3-89 but the tour programme was cancelled and the case was kept undated.

3. In the meantime good sense prevailed in the parties and they settled the matter mutually and filed and verified memorandum of settlement on 4-4-1989, terms of which are as under :—

TERMS OF SETTLEMENT

- (i) That Shri Sakinala Annaya, Peon presently posted in Sasti sub-area office will be regularised/up-graded in Grade ‘F’ under NCWA-III notionally w.e.f. 1st January, 1981. His basic pay will be fixed in Grade ‘F’ notionally accordingly i.e. as if he was Daftary on and from 1st January, 1981. However, he will be paid the wages/salary of Daftary with effect from 1-10-1988.
- (ii) That the upgradation as agreed in para (i) will be implemented within 30 days from the receipt of consent Award from the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in terms of this settlement.
- (iii) This will be the full and final settlement of this dispute and Shri Sakinala Annaya will have no claim whatsoever for the earlier period on this account.
- (iv) Both the parties agreed to the this memorandum of settlement before the Hon'ble CGIT, Jabalpur and request for an Award in terms of this settlement.

4. I have considered the terms of settlement and am of the opinion that they are reasonable, fair, just and in the interest of the workman concerned Shri Sakinala Annaya. I, therefore, give my award in terms of the settlement and make no order as to costs.

V. S. YADAV, Presiding Officer
[No. L-21012/61/87-D.III (B)/IR(C-II)]

R. K. GUPTA, Desk Officer

नई दिल्ली, 18 मई, 1989

का. नं. 1305—आंशिक विभाद अधिनियम, 1957 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार गारसी कॉलियर, पटना के प्रबन्धनात्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट आंशिक विभाद में गारसी सरकार और्योगिक अधिकारण, मध्य-1, धनबाद के पक्षवट की प्रतिक्रिया करती है, जो राजीव गांधी को 9 मई, 1989 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 18th May, 1989

S.O. 1305.—In pursuance of section 7 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. I, Dhanbad, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employees in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th May, 1989.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 61 of 1983

PARTIES :

Employer in relation to the management of State Bank of India, Patna.

AND

Their Workman.

APPEARANCES :

For the Employers : Sri A. S. Prasad, Asstt. Labour Officer and Sri S. N. P. Nandkulioor.

For the Workman : Sri G. K. Verma, General Secretary.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Bank.

Dated, the 27th April, 1989

AWARD

By Order No. L-12012/109/82-D.II(A), dated the 25th August, 1983, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of State Bank of India, Patna in relation to their Main Branch, Patna in not confirming Shri Surendra Mishra, Watchman in service with effect from 3rd February, 1970 i.e. After completion of 9 months' service is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?"

2. The case of the management of State Bank of India, Patna as disclosed in the written statement submitted, details apart is as follows :

3. The concerned workman, Sri Surendra Mishra was appointed as a temporary Godown Watchman at Patna Main Branch on 3-5-69 and was posted at the godown of M/s. Paper Board Industries situated at Industrial Estate, Patna. On several occasions it was observed by the Inspecting Officials of the Branch that he did not remain on duty and was found absent without permission and when asked verbally, he failed to give any valid reason for his unauthorised absence on 20-1-71. He was called upon to explain about his reported absence; he was also directed to see that stocks were not removed without prior payment by the Borrower namely M/s. Paper Board Industries. Despite the warning it was found on 25-8-71 by the Field Officer of Patna Main Branch that the pledged goods worth a considerable amount were removed from the godown of the borrower. He was asked to explain about the unauthorised removal of pledged goods by the borrower, that is, M/s. Paper Board Industries. His reply was evasive and not convincing. Since he was considered highly irresponsible in the matter of discharge of duties as a workman, his services were terminated w.e.f. 11-10-71. He was a temporary Godown Watchman and continued to be so when his services were terminated. Being aggrieved by the order of termination he raised an industrial dispute and the appropriate government referred the dispute for adjudication by Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad. The reference was registered as Reference Case No. 3 of 1972 in the said Tribunal. It was held by the said Industrial Tribunal that the termination of services of Sri Mishra w.e.f. 11-10-71 was not proper and that the action of the Bank in doing so was not justified. It was also held by the Tribunal that since Bank could not prove that he was guilty of moral turpitude, he was entitled to get reinstatement in service with back wages. In terms of the Award the Bank reinstated him as a temporary Watchman after giving full back wages and since then he has been working as a temporary Godown Watchman at Patna Main Branch of the Bank. According to the established procedure followed in the Bank the temporary

employees eligible for absorption in permanent service are required to appear for interview before proper authorities with a view of assessing their eligibility/suitability of being absorbed in permanent cadre. Circular No. 144 of 1977 dated 9-12-77 of the Bank is a pointer in this matter. Sri Mishra was asked to appear in the interview on 4-3-78 for assessing of his eligibility/suitability for absorption in permanent cadre, but for reasons best known to him, he did not appear in the interview. He relied upon certain observations made in the award of the Presiding Officer of Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad and asserted that in terms of the award, he for all intents and purposes was a permanent employee and that he should be confirmed in his appointment with retrospective effect. The assertion of Sri Mishra is misconceived and without any basis as the award rendered could not have given such a finding in view of the terms of Reference. He submitted a representation on 2-3-78 for making him permanent w.e.f. 3-2-70. He did not appear at the interview held on 4-3-78 and as such his representation was turned down. He filed a Writ Petition in Hon'ble Patna High Court for directing the Bank to treat him as a permanent employee and for a further direction to the Bank not to insist on appearing at any interview for his permanent absorption. The Writ Petition was registered as C.W.J.C. No. 3497 of 1979, but as the same was going to be dismissed by the Hon'ble Court, he had withdrawn it. He is still continuing as a temporary employee and cannot be made permanent unless the established procedure of the Bank is followed by him for his permanent absorption.

4. The case of the concerned workman, as appearing from the written statement submitted, by the General Secretary of the sponsoring union, that is, State Bank of India Employees' Union (Bihar State), Patna, shorn of details, is as follows :

5. The State Bank of India, Patna Main Branch appointed Sri Surendra Mishra as temporary Watchman though the post was of permanent nature on 13-5-69. In view of the Desai Award which still governs the service condition of the Bank Employees of India, the concerned workman cannot be treated as temporary; his status is that of a probationer. He does not fit in even under the definition of temporary employee as given in the Desai Award. Bank's Circular No. 247 of 1966 lays down the guidelines with regard to absorption of temporary subordinate employees in permanent employment of the Bank. Temporary Subordinate Cadre Employees who had continued in temporary employment for periods aggregating to nine months or more were to be offered permanent appointment straightway. In pursuance of this policy the Bank in 1969 and 1970 and thereafter also confirmed the aforesaid class of employees straightway in permanent service without subjecting them to any written test/viva-voce. The Bank however did not follow the same procedure in the case of the concerned workman. The Bank kept him temporary although the post and the nature of duties attached with the post of Watchman was of permanent nature. He continued his service uninterruptedly till 11-10-71 when all of a sudden his services were terminated illegally. Upon a Reference by the Central Government, the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad rendered an award directing the Bank to reinstate him in service with back wages and continuity of service. The Bank reinstated him on 5-8-77 with back wages and continuity of service, but implemented the award in part as they treated him again as a temporary hand. The Tribunal held in the award that the concerned workman should have been made permanent after nine month's of service from the date of his initial appointment and that he was a permanent employee of the Bank for all intents and purposes though the Bank authorities kept him in temporarily roll arbitrarily and unjustifiedly. The award of the Tribunal bears out this position. The concerned workman requested the Bank to absorb him in a permanent capacity with retrospective effect after his reinstatement in service. The Bank did not however give reply to his letter. On 28-1-78 the Bank by its letter marked CM/B No. 92 dated 14-1-78 informed him that an exclusive interview for Subordinate Temporary Staff would be held and the question of continuing his temporary service or eventual absorption in permanent service would depend upon his being found suitable in the said interview. He replied to the Bank on 2-3-78 stating that his case stood on a different footing and that he was to be absorbed in permanent cadre retrospectively and not prospectively. The Bank did not give any reply to his letter.

Thereafter he wrote a spate of letters to the Bank dated 4-11-77, 2/3-3-78, 5-4-78, 15-2-79, 9-3-80 and 8-6-81 requesting them to advise him the precise reasons for which it was considered essential by the Bank to take his interview and judge his suitability or otherwise for his eventual absorption in permanent service or for continuing his temporary service. The Bank did not, however, give any reply to all these letters. Sri R. K. Prasad, an officer who represented the Bank before Tribunal No. 3 informed the Chief Regional Manager, Patna by his letter dated 12-3-81 that in conformity with the judgement of Central Government Industrial Tribunal No. 3 and in all fairness Sri Mishra be confirmed in his present appointment with retrospective effect. The Bank ignored his recommendation. It is alleged that the Bank by its illegal action have been depriving the concerned workman of his Provident Fund, seniority in service, promotion to clerical cadre etc. Since all the letters of the concerned workman and the demand of the union were of no avail, the union raised an Industrial Dispute before the A.L.C. (C), Patna. The Chief Regional Manager, Patna adopted a needlessly rigid posture and has been dragging the poor workman from Court to Court. It was contended by the Chief Regional Manager that the view of Tribunal No. 3 with regard to the permanent status of the concerned workman and that he should have been absorbed in permanent cadre were only observation. The conciliation proceeding ended in a failure because of the inflexible stand of the Bank and the appropriate government was pleased to refer the present dispute for adjudication by this Tribunal.

In the context of these facts and circumstances the sponsoring union has prayed that Sri Surendra Mishra, Watchman be confirmed in permanent service w.e.f. 3-2-70 and that he is entitled to get all benefits of Provident Fund, seniority of service and promotion to clerical cadre.

6. In rejoinder to the written statement of the sponsoring union the management of State Bank of India, Patna has contended that the implications of Circular No. 247 of 1966 have been misconceived by the union. The management has also asserted that the nature of duties attached to the post of Watchman is not of permanent nature. It has been urged that the Award rendered by the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad has not been properly appreciated by the union. Hence the concerned workman, by not appearing in interview, has denied himself the benefits of Provident Fund, seniority of service and promotion to clerical cadre. It was not considered necessary for the Bank to make any communication with the workman over the interpretation of the award of Tribunal No. 3.

7. In rejoinder to the written statement of the management of the State Bank of India the sponsoring union has asserted that the management of the Bank made false allegations against the concerned workman regarding removal of stocks to cover up the fault of Bank Officials. Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad has held that if there had been any unauthorised removal of stocks by the owner of the factory, it cannot be said that it was done at the instance or connivance of the concerned workman. The Tribunal has further held that the concerned workman was not guilty of the charge complained of and set aside the order of termination of his service. The sponsoring union has stuck to the view that the award rendered by Tribunal No. 3 has been properly interpreted by it and that the concerned workman was never intimated that his representations have been turned down by the management.

8. The management, in order to prove its case, has examined 2 witnesses viz. MW-1 Sri Mahendra Narain Chowdhury and MW-2 Sri P. K. Sarkar and laid in evidence a mass of documents which have been marked as Exts. M-1 to M-10. The sponsoring union has examined as many as 8 witnesses, viz. WW-1 Ram Ekhil Shaw, WW-2 Shyambihari Singh, WW-3 Jamuna Prasad Yadav, WW-4 Krishna Kumar Rajak, WW-5 T. P. Sineh, WW-6 Balram Sharma, WW-7 Saligram Sharma and WW-8 Surendra Mishra, the concerned workman and laid in evidence plethora of documents which has been marked Exts. W-1 to W-24.

9. The case of the sponsoring union is that Sri Surendra Mishra, the concerned workman, was appointed as Temporary Watchman on 13-5-69 by the State Bank of India, Patna Main Branch. The management of the State Bank of India,

in its written statement, has stated that he was appointed as a temporary Godown Watchman at Patna Main Branch on 3-5-69. The letter of his appointment Ext. M-1 discloses that he was appointed as a temporary Watchman by the State Bank of India, Patna Main Branch on 13-5-69. This being so, the statement of the management that he was appointed on 3-5-69 is fraught with inaccuracy. Hence it is concluded that he was appointed as temporary Watchman by the State Bank of India, Patna Main Branch on 13-5-69.

10. The letter of appointment Ext. M-1 further discloses that he was appointed for a period of one month from 13-5-69. There is no dispute that the period of his employment was extended by the Bank. Admittedly his services were terminated by the Bank w.e.f. 11-10-71 (Ext. M-4). The management has taken plea that the concerned workman committed dereliction of duty by his failure to explain satisfactorily unauthorised removal of pledged goods by the borrower viz. M/s. Paper Board Industries and he having behaved in a highly irresponsible manner in the discharge of his duties as a Watchman, his services were terminated w.e.f. 11-10-71. This plea of the management has been hotly disputed and denied by the sponsoring union.

It appears that over this termination of service an industrial dispute was raised by the sponsoring union and that was heard and adjudicated upon by the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad. The learned Tribunal considered at length the propriety of the order of termination of services of the concerned workman and came to a finding of fact that the management could not prove the fact of dereliction of duties by him and of his having behaved in a highly irresponsible manner in respect of the pledged goods of the borrower. The learned Tribunal also, upon consideration of materials on record, held that the termination of the services of the concerned workman w.e.f. 11-10-71 was not at all proper and the action of the Bank in doing so was not justified. The learned Tribunal directed his reinstatement in service with full back wages (Ext. M-5 = Ext. W-1). Admittedly the management of Bank has reinstated the concerned workman in service as per Award of the Tribunal. Since the award of the Tribunal has not been assailed by the management in any other higher forum, the findings of fact of the Tribunal shall be considered to be conclusive in the matter of alleged dereliction of duties and irresponsible behaviour of the concerned workman. Accordingly the plea of the management that the concerned workman committed dereliction of duty and behaved in a highly irresponsible manner is not sustainable and must perforce founder on the ground as it is hit by the principles of res judicata.

11. The case of the sponsoring union is that the concerned workman was appointed as temporary Watchman though the post was of permanent nature. This has been disputed by the management.

Sri G. K. Verma, General Secretary of the sponsoring union has submitted before me that the provisions of Sastry Award and Desai Award and the evidence on record will amply bears out the position that the concerned workman was appointed as a temporary Watchman against the post which was of permanent nature.

12. Sri Anil Kumar, authorised representative of the management has contended that the plea of the sponsoring union that the concerned workman was appointed as a temporary Watchman against post of permanent nature is hit by the principles of constructive res judicata as this plea could have been taken in the earlier industrial dispute between the sponsoring union and the management, that is in Reference case No. 3 of 1972 which was heard and adjudicated upon by the Central Government Industrial Tribunal No. 3 at Dhanbad.

13. Paragraph 508(C) of Sastry Award runs as follows :

Temporary employee means an employee who has been appointed for a limited period for work which is of essentially temporary nature or who is employed temporarily as an additional employee in connection with a temporary increase in work of a permanent nature.

Paragraph 2120 of Desai Award will be as follows:

Temporary employee will mean an employee who has been appointed for a limited period for work which is of essentially temporary nature or who is employed temporarily as an additional employee in conjunction with temporary increase in work of a permanent nature and includes an employee other than a permanent employee who is appointed in a temporary vacancy of permanent workman.

13. It appears from evidence that upon termination of services of the concerned workman, Sri Krishna Rajak was appointed in his place and he was confirmed in service w.e.f. 9-8-74 (Ext. W-21). The concerned workman has also stated in his evidence that he was appointed against a permanent post.

It is necessary to consider the letter of appointment of the concerned workman once again in order to decide the issue in controversy. The letter of appointment of the concerned workman discloses that he was appointed as a temporary Watchman for a period of one month from 13-5-69. There is nothing in this letter of appointment that he was appointed against a post of permanent nature. The definition of temporary employee as given in the Saxty Award and Desai Award does not appear to lend sustenance to the plea that the concerned workman was appointed against a permanent post because temporary employee may be appointed for a limited period for work which is of essentially temporary nature. The fact of Sri Rajak being appointed in place of the concerned workman after the latter's termination of service and of Rajak's subsequent confirmation are not considered to be a pointer to hold that the concerned workman was appointed against a permanent post, for Rajak might have been confirmed in service in due course according to rules although his appointment was as a temporary Watchman.

14. The question whether the concerned workman was appointed against a permanent post or not fell for consideration by the learned Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad. The Tribunal held as follows:

"It is not disputed that Sri Mishra was a temporary hand and was appointed temporarily. There is nothing on record to show that he was appointed against a permanent vacancy and was working in temporary capacity."

15. This finding of fact has remained undisturbed and this being the position, I hold that there is substantial force in the contention of Sri Anil Kumar that the plea of the sponsoring union that the concerned workman was appointed against a permanent post is hit by the principles of res judicata. Thus the position is reached that the concerned was appointed as a temporary Watchman by the State Bank of India, Patna Main Branch on 13-5-1969.

16. It appears from evidence that he got two annual increments before his services were terminated by the management on 11-10-71. It is also in evidence that he has been getting normal annual increments after his reinstatement in service by the order of the Tribunal.

17. The present controversy centres round the confirmation of the concerned workman in service. It is the case of the sponsoring union that as per Bank's Circular No. 247 of 1966 which lays down the guidelines with regard to absorption of temporary subordinate employees in permanent employment of the Bank, the concerned workman is entitled to be confirmed in service w.e.f. 3-2-70 that is after a period of nine months from the date of his appointment. It is the contention of the management that according to the established procedure followed in the Bank temporary employees eligible for absorption in permanent service are to appear in interview before proper authorities for assessing his eligibility/suitability and that Bank's Circular No. 144 of 1977 dated 9-12-77 is a guideline in this direction. It is the further case of the Bank that Sri Mishra was directed to appear in the interview on 4-3-78 for assessing of his eligibility/suitability, but he having not appeared, the care of his

confirmation does not arise. It has been contended by the sponsoring union that the concerned workman is not required to appear in any interview for his confirmation in service as per rules.

18. The management has taken the plea that as per establish procedure temporary employees are required to appear in interview for confirmation in service. Not a whit of paper, except the circular in question, has been filed by the management to bolster up this position. MW-2 Sri P. K. Sarkar now holding the post of Regional Manager-IV, Regional Office, Patna has stated that to the best of his knowledge the Bank has got established procedure to take interview of workmen in temporary subordinate cadre for absorbing them in permanent subordinate cadre. No recorded procedure supportive of this position has been placed before me save and except the circular the import of which I will presently discuss. On the other hand, the witnesses of the sponsoring union, most of whom are workmen of the Bank, have stated that they are not aware of any such established procedure.

19. It appears that Circular No. 144 of 1977 dated 9-12-77 is one of the sheet anchors of the management's case that the temporary employees of subordinate cadre are required to appear in interview for confirmation in service on subordinate cadre. This Circular refers to Circular No. 27 of 1977 which has not been produced or placed before me by the management. Any way, an excerpt from the Circular is gleaned herein below:

With reference to our Circular Per No. 27 of 1977 with a view to considering permanent absorption of temporary subordinate employees who have put in a minimum of 240 days' service in 12 calendar month is in the Bank (not in one calendar year) and are protected under the Industrial Disputes Act, it has been decided to hold their interviews in near future. Please, therefore, obtain necessary applications (as per the Annexure A) from all temporary eligible employees (working against permanent as well as leave vacancy) in the subordinate cadre (i.e. guards, watchmen, messengers, water boys, cash collies, faresh, etc.) employed a your Branch or Sub-Office(s), if any, under your control, and forward the same, duly verified by you to the Personnel Department at this Office so as to reach them latest by the 16th January 1978. For this purpose, only such protected temporary employees who are still in service or whose services were terminated on or after 1-1-1975 will be considered for absorption in the permanent cadre. Accordingly, applications from employees whose services were terminated before 1-1-1975 need not be obtained.

Thus it is evident from this Circular that it is applicable to those temporary subordinate employees who have put in a minimum of 240 days' service in 12 calendar months in the Bank (not in one calendar year) and are protected under the Industrial Disputes Act. Rule 61 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957 envisages that every registered trade union connected with an industrial establishment to which the Act applies, shall communicate to the employer before the 30th of April every year the names and addresses of such officers of the union who are employed in the establishment and who, in the opinion of the union should be recognised as 'protected workman'. There is no evidence on record that the concerned workman is a protected workman within the meaning of Rule 61 of Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. That being so, this circular has got no manner of application in so far as Sri Mishra is concerned.

20. The management has relied on another Circular No. 527 of 1969 dated 8-11-69 (Ext. M-10) styled Staff—Miscellaneous. Temporary Godown-keepers and Godown Watchmen. Paragraph 1(b) relates to temporary Godown-keeper, and it envisages that temporary Godownkeeper, who had completed less than one year's service as on 1-4-69 will be given opportunity to appear at written tests and interviews along with outside candidates, at the time of filling permanent vacancies of Godown-keepers after the panel mentioned in paragraph 1(a) above is exhausted. Where, however, a temporary Godown-keeper has appointed through written tests and interview, he will not be required to appear at a further test.

Paragraph (ii) under the heading 'Godown Watchman' envisages that in so far as the employees in this category are concerned, the same procedure would apply as for temporary godownkeepers except that a written test would not be necessary.

21. The concerned workman has stated in his testimony that in May 1969 he was appointed as temporary Godown Watchman in the Main Branch of the State Bank of India, Patna, after interview and that interview was held in the month of April '69 and that Sri Subodh Thakur interviewed him along with Yamuna Yadav, Chunilal and others for the post of temporary Godown Watchman. WW-3 Yamuna Prasad Yadav has given firm support in his testimony to the Statement of the concerned workman. He has stated that he was appointed in the temporary subordinate cadre of the Bank on 1-5-69 after interview and that Sri Subodh Thakur, the then Acting Agent of the Bank, since the regular Agent of the Bank was on leave, interviewed him and that Sri Surendra Mishra and Chunilal were the other two candidates who appeared in the interview along with him. The testimony of the concerned workman and his co-worker Sri Yamuna Prasad Yadav has not been wittled down in cross-examination even a whit. This being so, I come to the conclusion that the concerned workman along with Sri Yamuna Prasad Yadav and Chunilal were interviewed by Sri Subodh Thakur, Acting Agent of the Bank before they were appointed in the post of temporary employee on subordinate cadre.

22. It transpires from evidence that the Godown Watchman works under Godownkeeper. The concerned workman has stated that Godownkeeper was his immediate supervisor. Bank's Circulars No. 527 of 1969 (Ext. M-10) envisages the claim for absorption of temporary Godownkeepers in permanent cadre and lays down that in case of Godown Watchman the same procedure would apply as for temporary Godownkeepers except that written test would not be necessary. This Circular was published in respect of category of Godownkeepers and Godown Watchmen who had completed one year's service on 1-4-69. The circular envisaged mutatis-mutandis that where a temporary Godown Watchman was appointed through interview, he would not be required to appear at a further interview for absorption in permanent cadre. The concerned workman was appointed as temporary Watchman. The evidence on record discloses that at the time of his appointment he was interviewed by the acting Branch Manager of the Bank. That being so, even in consideration of this Circular Ext. M-10, he is not required to appear in any further interview.

23. The sponsoring union has relied upon a Circular issued by the Bank bearing No. 247 of 1966 dated 22-8-66. (Ext. W-13). The first part of the circular envisages that temporary subordinate employees who have put in more than nine months aggregate service in the Bank and who are considered suitable, should be offered permanent appointment in the Bank. As and when vacancies arise in different Branches the candidates in the list submitted by the Agent will be offered appointment straightway. That this Circular does not envisage confirmation in service of temporary employee on subordinate cadre by interview. Presumably, in order to dilute the effect of the circular, MW-2 Sri P. K. Singh stated that as far as he remembers the concept of employing Godown-Watchman came into existence during the year 1967-68. The falsity of his statement is borne out from the evidence on record. Ext. W-19 is the letter of appointment of Sri Syambihari Singh as temporary Godown Chowkidar. This letter is dated 18-1-64. Sri Shyambihari Singh figuring as WW-2 has stated that he was appointed as temporary Godown Watchman of State Bank of India on 18-1-64 and that Nathuni Saheb who was then Branch Manager interviewed him and thereafter he was appointed as temporary Godown Watchman. WW-5 Sri T. P. Singh is now working as Officializing Head Clerk at Judge's Court Branch of State Bank of India, Patna, he has stated that he was appointed as temporary Godown Watchman of the State Bank of India at Industrial Estate Pay Office under Patna Main Branch of State Bank of India on 11-8-64 and that in April, 1965 he was confirmed in the post of Godown Watchman w.e.f. April, 1965. He has further stated that no interview was held while he was confirmed in the post and that at the time of his appointment as Temporary Godown

Watchman the management formally interviewed him. Thus it is obvious from evidence that the concept of employing Godown Watchman was very much in the field during the year 1967-68.

24. From the Circulars of the Bank discussed herein above, it is evident that no further interview is necessary for temporary Godown Watchman at the time of confirmation in service provided interview was held at the time of their appointment. The evidence of the witnesses for the sponsoring union also buttresses this position. WW-1 Sri Ram Ekbal Shaw has stated that he was appointed as temporary Godown Watchman at Industrial Estate Office of the main branch of the State Bank of India after interview and that he was confirmed in his service as permanent Watchman and he was not required to appear before being permanent. WW-2 Sri Shyambihari Singh, WW-3 Sri Yamuna Prasad Yadav, WW-4 Sri Krishna Kumar Rajak and WW-5 Sri T.P. Singh, all employees of the State Bank of India, Patna have stated emphatically that they were appointed as temporary Godown Watchmen on subordinate cadre after interview and that at the time of their confirmation in service no interview was held or required. The concerned workman has figured as WW-8; he has stated that he was appointed as temporary Godown Watchman of the Bank after interview and that Sri Subodh Thakur (acting Manager of the Branch) interviewed him. Hence, I came to the inescapable conclusion that no interview is required for confirmation of the concerned workman in service on subordinate cadre.

25. It appears that the concerned workman made consistent demand for his confirmation in service by a series of letters dated 4-11-77 (Ext. W-2) and 11-3-78 (Ext. W-3). But the Bank informed him to appear in interview by letter dated 14-1-78 (Ext. W-15). The concerned workman replied to the Bank stating that the question of interview did not arise in his case (Ext. W-4, W-5 and W-6). The union also pressed the case of the concerned workman with the management Exts. W-9 and W-10. But the management did not yield and consequently the present industrial dispute has arisen.

26. From my discussion above it is evident that the concerned workman is entitled to be confirmed in service on subordinate cadre. The learned Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad has also held that "for (to) all intents and purposes the concerned workman was a permanent employee".

As per Bank's Circular No. 247 of 1966 dated 22-8-1966 (Ext. W-3) the concerned workman is entitled to be confirmed in service on subordinate cadre after completion of nine months service. He was appointed as a temporary Godown Watchman on subordinate cadre on 13-5-69. He completed nine months service on 12-2-70. This being so, he is entitled to be confirmed in service on subordinate cadre w.e.f. 13-2-70 and not from 3-2-70. He is also entitled to get the other consequential benefits resulting from his confirmation in service w.e.f. 13-2-70.

The evidence on record also discloses that the Bank has given retrospective effect of confirmation in service (Exts. W-10, W-20 and W-21). There is no reason why the Bank would make a departure from that position in the present case.

27. Accordingly the following award is rendered—The action of the management of State Bank of India, Patna in relation to their Main Branch Patna in not confirming Sri Surendra Mishra, Watchman in service is not justified. The concerned workman is entitled to be confirmed in service w.e.f. 13-2-70 and not from 3-2-70 after completion of nine months' service. He is also entitled to other benefits resulting from his confirmation in service with effect from 13-2-70.

In the circumstances of the case I award no costs.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-12012/109/82-D.II(A)]

P. V. SREEDHARAN, Desk Officer

गई दिनी, 19 मई, 1989

का. आ. 1306.—आंदोलिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार नैसर्ज भारत कोकिं कोल लि., प्रोट्रो प्रसिडा नं. 11 के प्रबंधतंत्र के बिल थीं वी. के. सिंह, ड्रिल एक्सेक्यूटर द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 33 के अधीन दायर की गई शिकायत के संबंध में अनुबंध में दर्शाए गए केंद्रीय सरकार औंडोलिक अधिकारण (सं. 1) असवाद के पंचाट को प्रक्रियित करती है, जो कि केंद्रीय सरकार को 9-5-1989 प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th May, 1989

S.O. 1306.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1) Dhanbad as shown in the Annexure in respect of complaint u/s 33-A of the said Act filed by Shri B. K. Singh, Drill Operator against the management of Bhowra Area No. XI of M/s. Bharat Cocking Coal Limited which was received by the Central Government on the 9-5-1989.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

(Complaint Under Section 33-A of the Industrial Disputes Act)

COMPLAINT NO. 1 OF 1988

PARTIES :

B. K. Singh, Drill Operator, Parsiabad O.C.P. Bhowra (North), P.O. Bhowra, Dist. Dhanbad Complaint

Vs.

(1) The General Manager, Bhowra Area No. XI of M/s. B.C.C. Ltd., P.O. Bhowra, Dist. Dhanbad,
(2) The Agent, Bhowra (North) O.C.P. P.O. Bhowra, Dist. Dhanbad. Opp. Parties

APPEARANCES :

For the Applicant—Shri B. B. Pandey, Advocate.

For the Opp. Parties—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, the 28th April, 1989

AWARD

This petition of complaint, preferred by B K. Singh is directed against the Opp. Parties, namely (1) General Manager, Bhowra Area No. XI of M/s. B.C.C. Ltd., PO Bhowra, Dist. Dhanbad and (2) Agent, Bhowra (North) O.C.P., P.O. Bhowra Dist. Dhanbad, for contravention of provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act.

2. The case of the petitioner—complaint is that he had been working as Drill Operator prior to 22-8-84. He has been working as Asst. Foreman at Parsiabad O.C.P. under Bhowra (North) O.C.P. of M/s. BCC Ltd., since 22-8-84. He raised an industrial dispute through his union for being regularised as Asst. Foreman and placed in supervisory Grade 'C' on the basis of his working continuously for more than three years in the said post and to the entire satisfaction of the management. The said industrial dispute being Reference No. 44 of 1988 has been pending in Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad. The management has altered matter connected with the dispute to the prejudice of the petitioner—complainant and the condition of his service has been disbursed. He has been working as Asst. Foreman for about the last four years continuously, but the Opp. Parties by their letter dated 22-4-88 made Annexure-I has asked to work as Drill Operator instead of his continuance as Asst. Foreman. This order of the Opp. Parties has direct impact on the terms of reference as stated in the schedule to the order of reference which has been made Annexure-II. The Opp. Parties have been compelling him to obey the said unlawful and unjustified order and on his refusal to oblige them, they stopped him

from work as Asst. Foreman from 1-5-88. During the course of conciliation proceeding as well, the said Opp. Parties directed him to work as Drill Operator instead of as Asst. Foreman, but at the intervention of the Asst. Labour Commissioner (C) they maintained status quo. It has been submitted that the action of the Opp. Parties is a contravention of provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this petition of complaint.

3. The Opp. Parties have contested the matter. They contended that the petition is not legally maintainable. The complainant holds substantive post of Drill Operator in Excavation Group 'C' and has been getting the wages of Group 'C' which is higher than the wages of Supervisory Grade 'C'. There has been no change in substantive post or salary and hence there can be no violation of condition of service by directing him to carry out his normal job in substantive post. He was given authorisation to work as Asst. Foreman (Mechanical) which post carries the emoluments of supervisory Grade 'C'. He was not appointed as probationer to fill up permanent vacancy by the competent authority and so he has not been regularised in the substantive post of Asst. Foreman (Mechanical). He has no right to refuse to carry on work in substantive post of Drill Operator. The Opp. Parties were compelled to allow him temporarily to work as Asst. Foreman in view of the pressure from the union, the status quo order of A.L.C. (C) and the present proceeding against the norms fixed by the management. He cannot demand for his regularisation in an irregular and illegal manner.

4. In rejoinder the Opp. Parties have denied that the complainant has been continuously working as Asst. Foreman for the last three years. They have also denied that by directing the complainant to carry on his substantive job and to stop him from continuing his temporary post tantamount to change in condition of service.

5. In rejoinder to the written statement of the Opp. Parties the complainant has stated that the Opp. Parties had made misleading and evasive statement in its written statement. The authorisation was issued by the Opp. Parties to carry on job of Asst. Foreman against permanent vacancy. The authorisation was never issued temporarily nor has the same been cancelled or superseded. It has been denied that the union has put any pressure on the Opp. Parties; it has been asserted that the A.L.C. (C) has acted rightly in directing the Opp. Parties to maintain status quo.

6. The complainant has examined himself and relied on the Annexure submitted along with the petition of complaint to prove his case. The Opp. Parties have not examined any witness nor have they filed any document in support of their case.

7. Sri B. Joshi, learned Advocate for the management has contended that the petition of complaint is not legally maintainable since the complainant is not a 'workman' within the meaning of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act and so his petition under Section 33-A of the Industrial Disputes Act should be dismissed. He has further contended that the service condition of the complainant has not been changed and so the provisions of Section 33-A is not attracted in the present case.

8. Sri B. B. Pandey, learned Advocate for the complainant has contended that the complainant is a 'workman' and so the present petition is maintainable. According to him the Opp. Parties tried to change the service condition of the complainant by directing him to revert to the post of Drill Operator during the pendency of the industrial dispute before Central Government Industrial Tribunal No. 1 and this being the position the Opp. Parties are answerable under section 33-A of the Industrial Disputes Act.

9. The complainant has stated in his testimony that his remuneration is Rs. 2200 per month. He has further stated that he has been working as Asst. Foreman and that the Asst. Foreman belongs to the category of Supervisory Grade 'C' and that he has been performing supervisory duties.

'Workman' as defined in Section 2(s) of the Industrial Disputes Act does not include any person who, being employed in supervisory capacity, draws wages exceeding Rs. 1600 per mensum. That being so, the complainant is not a 'workman' within the meaning of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act. Complaint can be made by any employee under Section 33-A of the Industrial Disputes Act for contravention of provisions of Section 33 of the said Act during the pendency of proceeding before Conciliation Officer, Board, Arbitrator, a Labour Court, Tribunal or National Tribunal. Section 33 of

the Industrial Disputes Act puts an embargo on the employer during the pendency of any conciliation proceeding before Conciliation Officer or Board or of any proceeding before Arbitrator or a Labour Court or a Tribunal or National Tribunal in respect of an industrial dispute, not to alter, to the prejudice of the workman concerned in such dispute, condition of service applicable to them immediately before the commencement of the such proceeding in regard to any matter connected with the dispute. Thus it is seen that only a workman as contemplated under Section 2(s) of the Industrial Disputes Act, can make a complaint under Section 33-A of the Industrial Disputes Act.

10. From the evidence discussed above it is obvious that the complaint is not a 'workman' within the meaning of Sec. 2(s) of the Industrial Disputes Act since he has been working in a supervisory capacity and drawing wages more than Rs. 1600 per month. This being the position, the present position filed by him is not maintainable.

11. It appears that although the Opp. Parties directed him to revert to his original substantive post of Drill Operator, they have not compelled him to join the post. As a matter of fact, the complainant has himself admitted that he was allowed to join his post of Asst. Foreman by the management on 13-8-88. It also transpires from the evidence of complainant that he did not join the post of Drill Operator and remained idle from 1-5-88 to 12-8-88. It has remained in explicable as to why he remained idle for the period in question. Since the Opp. Parties did not insist on his joining the post of Drill Operator he is now claiming remuneration for the period from 1-5-88 to 12-8-88. This claim cannot be allowed in this forum.

12. Accordingly, the following award is rendered—the claim of the petitioner—complainant Sri B. K. Singh that the Opp. Parties have contravened the provision of Section 33 of the Industrial Disputes Act during the pendency of Reference No. 44 of 1988 pending before this Tribunal is not sustainable.

In the circumstances of the case, I award no cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer
[No. L-20025/7/89-IR (Coal-I)]

प्रा.या. 1307.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 वा 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मेस्टे भारत कोइंग कोल लिमिटेड की युनियर कोमियरी के प्रबन्धन से यस्तु नियोजकों और उनके अन्तर्बोर्डों के बीच, अन्तर्बोर्ड में निविल औद्योगिक विवाद से केंद्रीय सरकार औद्योगिक प्रशिक्षण, (प. 2) धनबाद के तंत्राट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-5-1989 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1307.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Kustore Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 9-5-89.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 62 of 1988

In the matter of an industrial dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kustore Colliery and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri S. P. Singh, General Secretary, Khud Mazdoor Congress.

On behalf of the employers—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 2nd May, 1989

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under section 10(1)(d) of the I.D.

Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(210)/87-D. III(A), dated the Nil.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kustore Colliery of Kustore Area VIII of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Kustore, Dt. Dhanbad in reverting back S/Shri Bhujawan Harijan and Kanhai Singh to the post of Tyndal after the Award in the Reference 99/85 is justified ? If not, to what relief the concerned workmen are entitled to?"

The case of the workmen is that the concerned workmen Bhujawan Harijan was previously working as Prop. Mistry in Cat. IV. He met with an accident in the mine and one medical ground he was allotted duty of Fan Operator Cat. II in the year 1978. The other concerned workmen Shri Kanhai Singh was previously working as Tyndal in Cat. IV. The management transferred him due to the exigency of work in August, 1978 as Fan Operator Cat. II. Both of them were working in Kustore colliery of M/s. B.C.C.L. After sometime the management reduced their wages and were paid wages of Cat. II. Both the concerned workmen filed a claim case under Section 33C(2) of the I.D. Act before the Central Government Labour Court No. 3, Dhanbad and the said case was numbered as LC. 54/79. It was held by the Labour Court that the reduction of wages was illegal and the claim of the two concerned workmen were allowed. Thereafter the union of the concerned workmen raised an industrial dispute for their regularisation in Cat. IV. On failure of the conciliation held before the ALC (C), the Government referred the dispute for adjudication to Central Govt. Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad and the same was registered as Ref. No. 99/85. The said reference was decided in favour of the concerned workmen. The management being aggrieved with the order of the Labour Court and the Award passed by Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad decided and by way of punishment issued a notice under Section 9(A) of the I.D. Act against the concerned workmen and transferred them back to work in their previous job of Tyndal. Both the concerned workmen submitted their replies to the notice under Section 9(A) of the I.D. Act protesting that their transfer to the previous job was illegal and with a view to victimise them. On the pretext of section 9A of the I.D. Act the management stopped the concerned workmen from their work of Fan Operator with effect from 2-12-86. The action of the management stopping the concerned workmen from the work of Fan Operator was illegal and motivated. The provision of section 9A of the I.D. Act has been wrongly interpreted with a motive to deprive them of the benefits of the Award passed in Ref. No. 99 of 1985 by CGIT No. 2, Dhanbad. On the above facts it has been prayed that it may be held that the stoppage of the concerned workmen from the job of Fan Operator from 2-12-86 is illegal and amounts to illegal termination of service and as such the concerned workmen are fit to be reinstated on the job of Fan Operator, with full back wages for the idle period.

The case of the management is that the concerned workman Shri Kanhai Singh was working as Tyndal and was in Cat. IV whereas the other concerned workman Shri Bhujawan Harijan was working as Timber Mistry and was in Cat. IV. Both the concerned workmen had requested the management to provide them light duty expressing their inability to perform their cat. IV job. The management accepted their request and put them on the light duty of Fan Operator in Cat. II in good faith and no notice under section 9(A) of the I.D. Act was issued to them for changing them from Cat. IV to Cat. II, as the management never anticipated on the bad faith on the part of the concerned workmen. The concerned workman at the instigation of the interested person raised an industrial dispute for their placement in Cat. IV which was their original category. The said industrial dispute was adjudicated by Central Govt. Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in Reference No. 99/85 and an Award was passed in favour of the concerned workmen. The management implemented the Award. In the said reference the Tribunal had accepted the plea of the workman that the concerned workman had never applied for light duty and the management on its own had transferred them from the job of Cat. IV to the job of Cat. II. The Tribunal also held as no notice under section 9(A) of the I.D. Act was served on the concerned workmen for changing their categories from Cat. IV

to Cat. II adversely effecting their wages without their consent or option, the demand of the concerned workmen was held to be justified and the concerned workmen were given Cat. IV from the date of the transfer to the job of Cat. II. The management paid difference of wages to the concerned workmen in implementation of the Award passed in Reference No. 99 of 1985. The management issued notice dated 2-9-86 under section 9(A) of the I.D. Act and reverted the concerned workmen on their previous job of Cat. IV. After the said notice under section 9A of the I.D. Act the concerned workmen started absenting from their duty without permission or authorised leave and hence they were charge-sheet for commission of misconduct of absence without permission. The management has every right to ask the workman to carry on the duties attached to the category to which he belongs and if a workman is incapable of performing his duties and does not carry on duties he cannot claim wages for the period he has not worked. Whenever any workman is incapable of performing higher category duties due to accident, permanent ill health or on medical ground and applies to the management for the job of lighter category, he is provided with light job subject to availability of vacancies and is given the category fixed for that particular job. The concerned workmen alleged that they had not approached any officer for light job of Cat. II and were not willing to accept Cat. II wages and therefore the management has right to put them on their original job of category IV. The management cannot show favour to the concerned workmen and give them cat. IV wages for performing category II jobs whereas workman performing the same job in different shift and different mine under similar circumstances are getting Cat. II wages. The Tribunals have accepted in principle that whenever any workman of higher category wants his regularisation on lower category job, he cannot claim the higher category. If the management transfers any workman of higher category to lower category job without his consent or application the management has to pay higher category wages. The management cannot be forced not to take higher category work from higher category workman. The concerned workmen were asked to carry on their higher category job for which they were paid category IV wages and as such they are not entitled to any relief.

The points for consideration are (1) whether the action of the management in reverting back the two concerned workmen to the post of Tyndal after the Award passed in Ref. No. 99 of 1985 is justified and (2) whether the concerned workmen are entitled to continue as Fan Operator in Cat. IV.

The management and the workmen each examined one witness in support of their respective case. The documents of the workmen are marked Ext. W-1 to W-9. No document has been exhibited before the Tribunal on behalf of the management.

It is the admitted case of the parties that the concerned workmen Kanhai Singh was formerly working as Tyndal and was placed in Cat. IV and that the other concerned workmen Shri Bhujawan Harijan was working as Timber Mistry and was placed in Cat. IV. It is also admitted that both of them were transferred as Fan Operator in Cat. II and that on an industrial dispute raised by the concerned workmen Award was passed in Reference No. 99 of 1985 in which it was held that the action of the management of Kastore Colliery in denying regularisation of the two concerned workmen as Fan Operator in Cat. IV was not justified and the management was directed to regularise them as Fan Operators in Cat. IV and the management was further directed to pay them the difference of wages of Cat. II and Cat. IV of the period for which they had not been paid the wages of Cat. IV. The Award passed in Reference No. 99/85 is Ext. W-2 in the case. Prior to the said reference two concerned workmen had filed application under section 33C(2) of the I.D. Act before the Central Govt. Labour Court No. 3, Dhanbad and it was numbered as LC. 54/79. The order passed in LC. 54/79 dated 25-5-81 is Ext. W-1 in the case. The Labour Court had allowed the difference of wages of Cat. II and Cat. IV to the concerned workmen. It is also admitted that the management had paid the difference of wages to the concerned workmen in accordance with the order passed in LC. 54 of 1979 and the order passed in the Award in Ref. No. 99 of 1985.

The present dispute was raised after passing of the Award in Ref. No. 99 of 1985 dated 18-2-86. Notices under Section 9A of the I.D. Act were issued to the concerned workmen vide Ext. W-3, W-4 dated 2-9-86. Ext. W-3 and W-4 show that the management issued notice to the two concerned workmen under section 9(A) of the I.D. Act with an intention to effect the change with regard to the nature of their jobs from 2-9-86. It has further stated that in view of the cadre scheme declared by the CIL for the Coal Industry there is no post of Fan Operator in Cat. IV and hence the two concerned workmen of Kastore colliery are reverted back from the post of Fan Operator to work as Tyndal on their original jobs. Exts. W-5 and W-6 dated 29-10-86 are the reply of the two concerned workmen to the notice under section 9(A) of the I.D. Act dated 21-10-86. The reply of the two concerned workmen are in similar language. They stated that in accordance with the order passed in Ref. No. 99 of 1985 the concerned workmen were regularised as Fan Operator in Cat. IV and that by the said notice under Section 9(A) of the I.D. Act the workmen have been deprived of the advantages given to them by the Award. They also stated that the notice under Section 9(A) of the I.D. Act was illegal and motivated and that the concerned workmen are not bound to accept the reversion under Section 9(A) of the I.D. Act. Ext. W-7 dated 25/27-11-86 is a copy of the letter sent to the concerned workmen by the Agent/Dy. C.M.E. Kastore colliery by which the concerned workmen were advised to report for their duty as Tyndal Mazdoor to the Attendance Clerk of 4 Pit Kastore South section Kastore colliery failing which suitable action was to be taken against them as per Standing Order applicable for the workmen of Kastore Colliery. Ext. W-8 and W-9 are applications sent by the concerned workmen Kanhai Singh, Bhujawan Harijan to the Agent, Kastore Colliery under Regd. cover stating that they received the letter dated 25/27-11-86 on 2-12-86 when they were working in the second shift. They have stated that from that day their attendance was not marked and that the management's order that they should report for their duty as Tyndal Mazdoor is illegal. The reason of reverting the concerned workmen to their original job of Cat. IV as stated in the notice under Section 9(A) of the I.D. Act is that there is no post of Fan Operator in Cat. IV in the Coal Industry and as such the concerned workmen were being reverted back to their old jobs of Cat. IV. WW-1 Kanhai Singh has stated that the management had issued letter after the Award passed in Reference Case No. 99 of 1985 for giving them Cat. IV and thereafter the management gave them letter to go back as Tyndal. He has further stated that he protested the action of the management in posting the concerned workmen as Tyndal and that when they did not join as Tyndal the management stopped their work with effect from 2-12-86. There is absolutely no order passed by the management stopping the concerned workmen with effect from 2-12-86 or from any other date. On the contrary it appears that the concerned workmen did not join as Tyndal in Cat. IV as advised by the management to revert back and join in their previous job of Cat. IV. In cross-examination WW-1 has stated that originally he was appointed as Tyndal and was made permanent as Tyndal. He has stated that the management had posted him as Fan Operator against his wish and after the passing of the Award the management has again posted him as Tyndal which was his original job. MW-1 Shri Binod Kumar Singh is working as Dy. Personnel Manager in Kastore Colliery. He has stated that originally Kanhai Singh was working as Tyndal and Bhujawan Harijan was working as Timer Mistry in Cat IV and they were provided on their request light duty of Fan Operator which is a Category II job. He has stated that the management issued notice to both the concerned workmen under section 9(A) of the I.D. Act after the Award passed in Ref. No. 99 of 1985 and then they were given their original job of Cat. IV. He has asserted that the action of the management in giving original job to the concerned workman is justified. Under Section 9(A) of the I.D. Act an employer who proposes to effect any change in the condition of service applicable to any workman in respect of any matter specified in the 4th schedule can effect the change after giving to the workmen likely to be affected by such change a notice in the prescribed manner of the nature of the change proposed to be effected. It is the admitted case of the parties that notice under Section 9(A) of the I.D. Act was given to the concerned workmen on 2-9-86 and vide Ext. W-7 dated 25/27-11-86 the concerned workmen were advised to report for duty as Tyndal at Kastore Colliery. It appears therefore that the provision of Section 9(A) of the I.D. Act had been complied with by the management prior to their reversion to their original job of Cat. IV.

It cannot be argued that the management has no right to transfer its workmen specially when the concerned workmen who were originally in the job of Cat. IV were again placed to the same job after some period when they were working as Fan Operator and were being paid the wages of Cat. IV although the Fan Operators are not entitled to wages of Cat. IV. The management has given reason for the transfer in the notice under Section 9(A) of the I.D. Act that as there is no post of Fan Operator of Cat. IV the management was reverting them back to their original job of Cat. IV. The grouping, designation/nomenclature job description of time rated workers shows that Fan Khalasi operating Fan of 75 H.P. and above are placed in Cat. III and that there is no Fan Operator in Cat. IV. Thus the reason for transferring the concerned workmen to their original job of Cat. IV appears to be in accordance with the job description and category as provided in NCWA-I.

In the Industrial Dispute raised in Ref. No. 99/85 the question was whether the action of the management of Kustore colliery in denying regularisation as Fan Operator in Cat. IV to the concerned workman was justified. The Tribunal after discussing the evidence adduced before it decided that the concerned workmen were transferred by the management from the job of Cat. IV to Fan Operator due to the exigency of the work of the management and as such the concerned workmen were entitled to the wages of Cat. IV even when they were working as Fan Operator which fetches wages of lower category. The management complied with the order passed in the Award and paid the difference of wages to the concerned workmen and thereafter issued notice under Section 9(A) of the I.D. Act. proposing to revert the concerned workmen to their original job of Cat. IV as there was no job of Cat. IV for the Fan Operators. In view of the above I am of the opinion that the management was quite justified in transferred in the concerned workmen to their original job of Cat. IV and the concerned workmen cannot ask the management to take work of Fan Operator fetching wages of lower category and paying them the wages of higher category IV. The concerned workmen were themselves stating that they had been transferred as Fan Operator at the instance of the management and that they had not given their consent for the said job and as such the action of the management in sending back the concerned workmen to their original job of Cat. IV does not at all appear to be illegal or unjustified. In the above view of the matter I hold that the action of the management in reverting back the two concerned workmen to the post of Tyndal after the Award passed in Ref. No. 99 of 1985 is justified.

Point No. 2

In view of my above discussion and finding made in respect of point No. 1, I further hold that the concerned workmen are not entitled to continue as Fan Operator in Cat. IV.

In the result, I hold that the action of the management of Kustore Colliery of Kustore Area No. VII of M/s. BCCL in reverting back the concerned workmen S/Shri Bhuiyan Harijan and Kanhai Singh to the post of Tyndal after the Award in Ref. No. 99 of 1985 is justified and accordingly the concerned workmen are entitled to no relief.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer
[No. L-20012/210/87-D.III(A)]

नई दिल्ली, २२ मई, १९८९

सं. धा. 1308:—आंशोधिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का ११) की धारा १७ के अनुसारण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स भारत कॉलिन गोलुकड़ी की गोलुकड़ी कॉलेक्टर के प्रबंधनकार से सम्बद्ध नियोजकों और उनके वकीलों के; बीच, अनुसंधान में निर्विट आंशोधिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंशोधिक अधिकरण (सं. २) घनवाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को ५-५-1999 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 22nd May, 1989

S.O. 1308.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Golukdih Colliery of M/s.

Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 5-5-1989.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 7 of 1988

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Golukdih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

APPLARANCES :

On behalf of the workmen.—None.

On behalf of the employers.—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSIRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 28th April, 1989

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to the then Central Govt. Industrial Tribunal No. 3 Dhanbad vide Ministry's Order No. L-20012/246/83-D.III(A) dated, the 6th January, 1984. Subsequently vide Minstry's Order No. S-11025/7/87-D.IV(B) dated 31-12-87 the said reference was transferred to this Tribunal for adjudication.

SCHEDULE

“Whether the action of the General Manager, Bastacola Area of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad, in ordering dismissal of Sarvashri Kishore Bhujia, Buldelwa Bhujia and Janki Bhujia, all Miners of Golukdih Colliery vide his Order No. BCCL/LX/6A/83/L-4/372 dated the 15th April, 1983, is justified in the light of enquiry proceedings held against these workers ? If not, to what relief are they entitled ?”

The case of the management is that the 3 concerned workmen S/Shri Kishore Bhujia, Buldelwa Bhujia and Janki Bhujia were all miners of Golukdih colliery of M/s. B.C.C.L. They were individually issued with chargesheet dated 5/8/10/81 containing allegations of then threatening and assaulting superiors and inciting to violence. It was alleged that they had organised a mob of about 100 persons armed with lathi and stones and they surrounded Shri N. Ahmed, Asstt. Colliery Manager of Golukdih Open Cast Project, manhandled him and threatened him with dire consequences. The date of occurrence was 1-10-81 at about 5.30 P.M. at No. 10 seam Quarry. On the alleged misconduct they were charged under sub-clause (r) and (t) of Clause 18 of the Certified standing Orders applicable to Golukdih colliery. The concerned workman submitted joint reply to the chargesheet stating that they were present in the mob and protested to the Asstt. Colliery Manager for carrying on blasting in the quarry near the vicinity of their quarters on the surface. After blasting there were flight of stones damaging roof tops and other properties and also injuring the residents. The mob brought to the notice of the Asstt. Colliery Manager that he was doing illegal act which would lead to serious consequences. The concerned workmen denied the allegation that they had threatened and manhandled the Asstt. Colliery Manager and were inciting to violence. A departmental enquiry was conducted by Shri Samir Sinha, Personnel Manager in presence of the chargesheeted concerned workmen and their representative. The management's witnesses gave their statement in presence of the chargesheeted workmen who were given full opportunity to cross-examine the management witnesses and to produce their own defence witness. The enquiry was conducted in accordance with the principles of natural justice. The enquiry officer drew up the enquiry report after considering all the materials on record and held the 3 concerned workmen guilty of the alleged misconduct. The chargesheet, the enquiry proceeding, enquiry report and all other relevant papers were considered at different levels of the management and there-

after the concerned workmen were dismissed from their service by letter dated 15-4-83. The misconduct committed by the concerned workmen was of grave nature as the place of occurrence was the mine and the officer on duty was Asstt. Manager of the mine holding position of supervision control and management and direction of the mine. The said Asstt. Colliery Manager was manhandled and threatened with dire consequences thereby undermining the very authority of the management. The action of the management in dismissing the concerned workman was legal bonafide, and in accordance with provision of the Certified Standing Orders and the concerned workmen are not entitled to any relief.

The case of the workmen is that all the three concerned workmen were permanent employees of BCCL and were posted as Miners at Golukdih colliery. On 1-10-81 the management made illegal blasting in Golukdih open cast project causing damage to the labour quarters for which affected workers went to complain before the Asstt. Colliery Manager of the Project who was incharge of blasting job. The management with a view to divert the attention of the workers issued chargesheet to the three concerned workmen on some got up stones and made a show of enquiry with re-determined attitude and illegally dismissed them from their services. The union of the workmen made several representation before the management to reconsider their action and allow duty to the concerned workmen but without any effect. Thereafter an industrial dispute was raised before the ALC (C) Dhanbad who took up the matter in conciliation. The conciliation ended in failure and thereafter the present reference was made. The action of the management in dismissing the concerned workman is illegal. On the above plea it is prayed that the Award be passed in favour of the workmen.

The management had prayed at the very outset that the fairness or otherwise of the domestic enquiry may be decided first as a preliminary issue in the case so that if it is held that the enquiry was not fair or proper the management may get a chance to adduce evidence afresh before this Tribunal to establish the charge against the concerned workman. Their prayer was accepted and the fairness and propriety of the domestic enquiry was heard first as a preliminary issue. By the Order dated 4-12-84 Shri J. N. Singh, Presiding Officer, Central Govt. Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad held that the enquiry was fair and proper and that there was no illegality in the enquiry proceeding and the case was to be heard on merit on the materials which were already on the record of the enquiry proceeding.

The case was thereafter transferred to this Tribunal for hearing.

Now the points for decision are :

- (1) Whether there was sufficient material in the enquiry proceeding to hold the 3 concerned workmen guilty of the charge of misconduct levelled against them.
- (2) Whether the order of dismissal of the concerned workmen was too harsh and disproportionate to the allegations established against them.

The management had examined S/Shri N. Ahmed, Asstt. Colliery Manager of Gopalichak Colliery, Shri B. B. Singh, Electrical Supervisor, Chinmoy Mukherjee, Senior Overman and Shri S. Kumar, Asstt. Colliery Manager before the enquiry officer. The concerned workmen examined S/Shri Kishore Bhui, Ramdas Bhui and Kapildev Singh in their defence before the enquiry officer. The three delinquent employees also presented themselves for their cross-examination by the management. The management has placed the entire records of the enquiry proceeding and they are marked Ext. M-1 to M-8.

Point No 1

It is the admitted case of the parties that on 1-10-81 at about 5.30 p.m. there was heavy blasting in 10 Seam of Gopalichak Open Cast Project and that soon after the blasting the workers numbering about 400 including the three

concerned workmen came out of their nearby residence and surrounded Shri N. Ahmed, Asstt. Colliery Manager protesting for carrying on blasting in the quarry near the vicinity of their quarter on the surface. The difference in the case of the employer and the employee is that according to the employees they had just come to protest on the act of heavy blasting due to which there was flight of stones on their residence causing injury to some of the inmates of the quarter whereas according to the management the mob was led by the concerned workmen who surrounded Shri N. Ahmed and manhandled him and threatened him with dire consequences.

Shri N. Ahmed, Asstt. Colliery Manager of Gopalichak Open Cast Project has stated that at about 5.00 P.M. on 1-10-81 a siren was given so that the persons near 10 seam quarry may move away. When he was assured that all the persons had moved away to the safe place from the danger zone, he asked the incharge of the shot firer for the shot firing. After the blasting Shri N. Ahmed was moving to the place of blasting for inspection and at that time a mob of 100 persons came having lathis and brick bats in their hand and they were raising alarm of "Moro" "Moro". He has stated that some persons surrounded him and started assaulting him with hand and out of them he could identify three concerned workmen who were ahead of all in assaulting him. He has stated that when police was seen coming, the mob fled away. In cross-examination he was not able to say as to why the mob had assembled and after surrounding assaulted him. He has further stated that it may be that some piece of stones had flighted and on seeing it the mob had surrounded him. He has stated that he had kept guard in a circumference of about 500 metres from the place of blasting. On being questioned he stated that there was some residential houses within the circumference of 300 metres from the place of blasting. It will appear from his evidence that prior to the blasting the persons residing on those houses were removed from the danger zone but he had not himself seen to the fact that the persons from the residential houses falling in the danger zone left for safe place prior to blasting. According to him there was no fixed place of safety where the residents of those houses could move but for sometime residents used to move to the house lying at a distance from danger zone. It will thus appear from the evidence of Shri N. Ahmed that he had not himself got satisfied whether the residents from the quarters lying in the danger zone had moved to the place of safety. He had no such injuries which were apparent or serious in nature as stated by him.

The other management witness Shri Chinmoy Mukherjee, Senior Overman has stated that on the day of blasting the nearby dhowra people are informed at about 12 noon regarding the blasting. He has stated that some of the employees had been sent in the neighbourhood to warn people regarding blasting. He had heard hullah of the people from the dhowra and saw about 100 persons including females shouting "Moro" "Moro" running towards the blasting zone after the blasting. He has stated that the mob surrounded Shri N. Ahmed and assaulted him with slaps but he did not identify any of the persons who had assaulted Shri N. Ahmed. Thus this witness had seen Shri N. Ahmed being assaulted by some persons from the mob but did not identify assailants. In cross-examination he has stated that the quarters of some of the labourers are at a distance of about 150 metres from the place of blasting. He was unable to say the reason as to why the labourers had come shouting "Moro, Moro". He has stated that in deep hole blasting stone pieces are flighted for a distance of about 500 feet from the place of blasting. Thus his evidence clearly shows that some of the quarters lying at a distance of 150 metres from the place of blasting receive flight of stone pieces after blasting but as the persons had come from the dhowra lying within the danger zone, it appears that safety measures for moving all the residents from the Dhowra were not taken and there appears to be some negligence on the part of the management in not taking proper safety measures prior to the blasting. Shri S. Kumar has stated that the mob of persons went near Shri N. Ahmed and assaulted him with hand. He has also stated that the residence of some of the labourers was within the danger zone of 300 metres. He himself had not seen whether the residents of the Dhowra had moved away to safe

place before blasting and he stated that he was doing the Mining Sirdar's job. To another question he has stated that the flight of stone pieces after blasting could be 300 metres or even more. He had not seen for what distance the blasted stone piece had flighted after the blasting.

It will appear from the evidence of the management witnesses that none of them can say the reason as to why the mob had come shouting after blasting and had surrounded and assaulted Shri N. Ahmed. The persons of the mob had no enmity with Shri N. Ahmed from before. The evidence which has been gathered from the different management's witnesses does show that the Dhowra of some of the labourers was within the danger zone from the place of blasting and that the stone pieces could flight and fall down on the dhowra. It is the definite case of the workmen that the labourers in the Dhowra had not moved to the place of safety. The evidence of the management witness do not show that sufficient step had been taken to remove the residents of the dhowra to the place of safety before blasting. The workmen have come with a definite case and the said case is stated in the written statement of the management itself that the mob was protesting regarding the flight of the stone pieces after blasting which could cause danger to life and property. Considering the evidence as a whole it appears that after blasting stone pieces had flighted to the dhowra causing injuries to some of the labourers and that appears to be very probable cause as to why the mob of about 100 persons came running from Dhowra shouting for assault and surrounded Shri N. Ahmed. Asstt. Colliery Manager who was incharge of the blasting of the mine. Taking the entire picture into consideration it appears that there was a background and cause as to why the mob had run and surrounded the Asstt. Colliery Manager after blasting. The act of blasting was dangerous enough which could cause damage to the dhowra and injury to the persons residing in those dhowra and as enough precaution was not taken before blasting to remove the persons of the dhowra to a place of safety. I think the persons of the management involved in the blasting operation were negligent. It is no wonder therefore that the residents of dhowra after blasting ran shouting for assault and surrounded the Asstt. Colliery Manager. Taking all the facts into consideration it appears that the mob including the concerned workmen who were admittedly in the mob had surrounded the Asstt. Colliery Manager. The Asstt. Colliery Manager did identify the three concerned workmen as his assailants and his evidence finds support from the other management witnesses who had been Shri N. Ahmed being assaulted and pushed by the persons in the mob. Shri N. Ahmed had no cause to implicate the concerned workmen in a false case and as such I hold that his evidence that the concerned workmen assaulted him is true. However the assault on his person was superficial.

In view of the evidence discussed above I hold that there was sufficient material in the enquiry proceeding to hold the three concerned workmen guilty of the charge of misconduct levelled against them under sub-clause (r) and (l) of Clause 18 of the Certified Standing Orders

Point No. 2

I have already discussed above to show that the labourers including the concerned workmen had cause of annoyance as sufficient care was not taken by the management to remove the residents of the Dhowra lying within the danger zone to the place of safety prior to blasting and that stone pieces had flighted and fallen on the Dhowra after blasting thereby enraged the residents of the Dhowra and running in a mob to the Asstt. Colliery Manager Shri N. Ahmed. This being the background leading to the assault of Shri N. Ahmed who was incharge of the blasting of the mine. I hold that the assault on Shri N. Ahmed was not a pre-determined one and that he was superficially assaulted by the three concerned workmen who had a feeling that the management was not taking measures for their safety prior to blasting. The said background therefore has very much obviated the gravity of the situation in as much as the management also was not taking proper measures for the safety of the labourers residing in the Dhowra falling within the danger zone. The concerned workmen are idle since 15-4-83 and thus out of job for the last 6 years. The

order of dismissal of the concerned workmen under the circumstances discussed above appears to be too harsh and as such in my opinion the concerned workmen should not have been dismissed from service. In the ends of justice I think the non-payment of wages to the concerned workmen for the period of their idleness since the date of the dismissal will be more than sufficient punishment for the simple assault with slab etc. to Shri N. Ahmed.

In the result, I hold that the charge against the concerned workmen have been established but the action of the management in ordering dismissal of the three concerned workmen with effect from 15-4-83 is not justified. The concerned workmen are therefore reinstated with effect from 15-4-1983 but by way of punishment for the proved offence against them the concerned workmen are not entitled to any wages for the period of their idleness with effect from 15-4-83 till the date of their joining. The management is directed to reinstate the concerned workmen within one month from the date of the publication of the Award in the Gazette of India. The concerned workmen will, however, get the continuity of their service. This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 19 मई, 1989

का.धि. 1309.—ओरोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबल्लधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अमुंदी में निर्दिष्ट ओरोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओरोगिक प्रधिकरण, नं. 1, बम्बई के पालट को प्रकाशित करती है। जो केन्द्रीय गवर्नर को 9-5-89 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th May, 1989

S.O. 1309.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Maharashtra and their workmen, which was received by the Central Government on the 8-5-1989

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY.

Reference No. CGIT-21 of 1988

PARTIES :

Employer in relation to the management of Bank of Maharashtra;

AND

their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Mr. R. N. Nizampurkar, Officer.

For the Workmen—Mr. Prakash Shukla, General Secretary of the Bank of Maharashtra Employees Union, Pune.

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra.

Bombay, dated the 2nd day of May, 1989.

AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of Bank of Maharashtra in denying 1/3 scale wage, to Shri Rau Ingrulkar for the period 1-7-77 to 1-2-81 during which he performed six hours and 25 minutes part-time sweeper's duties per week is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. At the hearing of the reference the parties filed joint compromise petition stating the background of the dispute and the national for amicably settling the dispute and mentioning the terms and conditions on which the matter is settled.

3. The terms and conditions on which the dispute is settled amicably are as follows :—

1. The duties involved at P.M.C. Extn. Counter of the Bajirao Road Branch of the Bank do require less than 6 hours in a week.
2. Settlement of claim for 1/3 scale wages by Shri A. Y. Yadav for the above mentioned duties gave rise to an anomalous position in as much as when both Shri Ingrulkar and Shri Yadav have carried out same duties at same place, Shri Ingrulkar was made to suffer in getting the position at lower ladder as compared to his junior counterpart Shri Yadav on the absorption of both of them as full time Substaff.
3. This anomaly, it is agreed to be removed by granting 1/3rd scale wages and consequential benefits viz. leave, P.F. etc. to Shri Raju Ingrulkar for the period

during which he worked as part-time substaff at P.M.C. Counter of Bajirao Road Branch.

4. The Union agrees that this cannot however be quoted as a precedent nor it can be led to say that all those who have worked and are working at P.M.C. Extn. Counter of Bajirao Rd. Branch as part-time Sub-staff be considered for similar such benefits.

5. At the same time both maintain that the floor space area of P.M.C. Extn. Counter and the duties of part-time Substaff for branches/Extn. Counters of such area do require payment of consolidated wages as prescribed under Bipartite Settlement and the total working hours in a week in that situation never exceed 6 hours in a week."

4. The compromise is quite fair. I accept the same and pass an award as per the above mentioned terms of settlement as prayed by the parties.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer,

[No. L-12012/368/87-D-II(A)]

N. K. VERMA, Desk Officer.